जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 150 प्रभात जालोर, गुरुवार 5 सितम्बर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राजस्थान पुलिस फोर्स में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा

मुख्यमंत्री भजनलाल की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल ने महिलाओं, विशेष योग्यजन, वृद्ध कल्याण के महत्वपूर्ण फैसले लिये

- यह भी निर्णय लिया गया कि कर्मचारी की सेवानिवृत्ति पर अन्य पात्र सदस्य नहीं होने पर विशेष योग्य बच्चों, आश्रित माता-पिता तथा विशेष योग्य भाई-बहनों के नाम पैन्शन ऑर्डर में जुड़ सकेंगे।
- तीन हजार मैगावॉट सौर ऊर्जा के लिये जैसलमेर की रामगढ़ तहसील में तथा 150 मैगावॉट सौर ऊर्जा के लिये फतेहगढ़ में भूमि आवंटन का निर्णय भी लिया गया।

जयपुर, 4 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में महिला सशक्तिकरण, विशेष योग्यजन एवं वृद्धजन कल्याण और प्रदेश के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किए गए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा तथा विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए मंत्रिमण्डल द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने बताया कि विधानसभा चुनाव से पहले "आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र-2023" में हमने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस बल में महिलाओं की न्यूनतम 33 प्रतिशत भर्ती करने का वादा किया था। इसी संबंध में आज मंत्रिमण्डल की बैठक में राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है। कार्मिक विभाग द्वारा इस बारे में शीघ्र अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस निर्णय से प्रदेश में महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे और राजस्थान पुलिस में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। साथ ही, महिलाओं से जुड़े मामलों में पुलिस और अधिक संवेदनशीलता के साथ कार्य कर सकेगी।

डॉ. बैरवा ने बताया कि मंत्रिमण्डल ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के हित में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य सरकार के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर अन्य पात्र सदस्य नहीं होने पर, विशेष योग्य बच्चों, आश्रित माता-पिता तथा विशेष योग्य भाई-बहनों के नाम पैंशन पेमैंट ऑर्डर में जुड़ सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में राजस्थान विनियोग एवं वित्त विधेयक पर चर्चा के दौरान 70 से 75 वर्ष तक के पैंशनर एवं पारिवारिक पैंशनर के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की थी। इस क्रम में राजस्थान सिविल सेवा पैंशन नियम, 1996 के नियम 54बी को प्रतिस्थापित किए जाने की मंजूरी भी आज कैबिनेट में दी गई।

विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि राज्य सरकार बिजली उत्पादन बढ़ा कर प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी दिशा में आज कैबिनेट की बैठक में 3 हजार 150 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृतियां दी गईं। उन्होंने बताया कि "क्रिस्टलाइन टैक्नॉलजी विद ट्रैकर" पर आधारित 3000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना जैसलमेर जिले की उपनिवेशन तहसील रामगढ़ नं.-1 में लगाई जाएगी तथा इस प्रोजैक्ट के लिए 6877.66 हैक्टेयर भूमि आवंटित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे एवं राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

पटेल ने बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों को राज्य के अधीन सेवाओं में नियुक्तियों में 2 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के संबंध में खिलाड़ियों की परिभाषा को सुस्पष्ट करने के लिए 21 नवम्बर, 2019 को अधिसूचना जारी की गई थी। उत्कृष्ट खिलाड़ियों के संबंध में इस स्पष्टीकरण को प्रतिस्थापित किए जाने के समय यह प्रावधान दो सेवा नियमों, राजस्थान लैंग्वेज एण्ड लाइब्रेरी (स्टेट एण्ड सबॉर्डिनेट) सर्विस रूल्स, 2013 एवं राजस्थान एक्साइज लैबोरेटरी (स्टेट एण्ड सबॉर्डिनेट) सर्विस रूल्स, 2015 में सम्मिलित किए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आर्थिक स्थिति अच्छी होना बच्चे की कस्टडी पाने का आधार नहीं'

जयपुर, 4 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुबई में बसे पिता को सात साल के बच्चे की अभिरक्षा मां से लेकर उसे दिलवाने से इन्कार कर दिया है। अदालत ने कहा कि ऐसा करना बच्चे के सर्वोत्तम हित में नहीं होगा। अदालत ने कहा कि पिता के वित्तीय हालात इस बात को तय करने में निर्णायक नहीं हो सकते कि बच्चे की अभिरक्षा उसे सौंपी जाए। हालांकि अदालत ने पिता को बच्चे से मिलने -जुलने की छूट दी है। राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश पिता की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए दुबई में बसे पिता को बच्चे की कस्टडी सौंपने से इन्कार कर दिया, पर, कहा कि पिता अपने बच्चे से मिल सकता है।

पिता ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर कहा था कि उसकी पत्नी ने उसके नाबालिग बच्चे को अवैध तौर पर अपनी अभिरक्षा में रखा हुआ है, जबकि उसका बेटा दुबई में पैदा हुआ था और वहां पर सामान्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जनता नाखुश सी नज़र आ रही है सुप्रीम कोर्ट की भूमिका से

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। कोलकाता शहर पूरी रात अंधेरे में डूबा रहा, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। पर ऐसा हुआ और कोलकाता 9 अगस्त की रात को युवा मेडिकल छात्रा के साथ हुए रेप तथा मर्डर को लेकर न्याय की माँग के लिए अँधेरे में डूबा रहा। आर.जी.कार. मेडिकल कॉलेज की पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल छात्रा के हत्यारों की गिरफ्तारी के मामले में राज्य सरकार की निष्क्रियता को लेकर कोलकाता नगर में उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम तक लाइट ऑफ करके विरोध किया गया।

इस राज्यव्यापी विरोध के बीच, सर्वोच्च न्यायालय ने रेप और हत्या के इस केस की सुनवाई आगे के लिए टाल दी है। लोग इस बात की भी आलोचना कर रहे हैं कि इस केस की सुनवाई हो रही थी, तो सर्वोच्च न्यायालय ने इस केस को अपने हाथ में क्यों लिया था।

लोग सर्वोच्च न्यायालय से कहीं ज्यादा विश्वास कलकत्ता उच्च न्यायालय पर व्यक्त कर रहे हैं। जब लोग न्याय की माँग कर रहे हैं, ऐसे समय में, सर्वोच्च न्यायालय ने इस केस के मामले में जो तौर-तरीका प्रदर्शित किया है, उससे लोग निराश हुए हैं।

इन स्वप्रेरित विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व राज्य के वरिष्ठ डॉक्टर कर रहे हैं उनके सैनिकों की भूमिका जुनियर डॉक्टर निभा रहे हैं। जनता विरोध प्रदर्शन कर रहे इन लोगों के साथ एक परिवार की तरह खड़ी हो गई है।

- कलकत्ता हाई कोर्ट संषोजजनक तरीके से सुन रहा था, महिला डॉक्टर के "रेप" व हत्या के मामले को, पर, "अकारण" सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमे को हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट स्थानान्तरित कर लिया।
- अतः स्वाभाविक तौर पर इस घटनाक्रम के बारे में हाई कोर्ट को सुनवाई रोकनी पड़ी।
- पर, फिर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की तारीख खिसका दी।
- जनता इस पूरे घटनाक्रम को संदेह की दृष्टि से देख रही है, क्योंकि उसे रेप व हत्या के मामले की फाइलों को दफन करने की यह साजिश लग रही है।
- बहरहाल जनता ने अपनी नाराज़गी जताते हुए रात को सभी दुकानों व घरों में बत्तियाँ बुझाने का निर्णय लिया।
- रात्रि के अंधेरे में सड़कों पर जगह-जगह लोग इकट्ठा होकर टैगोर के गीत गाते हुए सुनाई दिये।

जनता स्व-प्रेरणा से विरोध करने के लिए सड़कों पर आ गई है तथा सर्वोच्च न्यायालय ने आर.जी.कार में हुई हत्या के इस केस को जिस तरह से हैंडल किया है, उसकी कड़ी आलोचना कर रही है। पूरे बंगाल की जनता अपना रोष जताने के लिए सड़कों पर आ गई है। जनसामान्य ने अपने घरों की लाइटें बुझा दी तथा सड़कों पर आ गए तथा अपराधियों को बचाने में मुख्यमंत्री की भूमिका को लेकर, जोर-जोर से उनके इस्तीफे की माँग करने लगे। इस बात पर विश्वास करने के पर्याप्त कारण हैं कि कोलकाता पुलिस और प्रशासन अपनी ड्यूटी निभाने में असफल रहे हैं तथा उन्होंने अपराध से सम्बन्धित सारे साक्ष्य मिट जाने दिए।

इस केस में सुनवाई को रोक देने के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को लेकर,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नायडू आंध्र में भारी जीत के बाद तेलंगाना में जड़ें जमाना चाहते हैं

पर, उन्हें सफलता मिलेगी इसकी संभावना काफी क्षीण है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अगस्त। आन्ध्र प्रदेश में जबसे चन्द्रबाबू नायडू सत्ता में आए हैं उनका ग्राफ ऊपर ही बढ़ता जा रहा है और अब उन्होंने तेलंगाना में भी अपनी पार्टी को मजबूत कराने का इरादा जताया है।

यह संयोग ही है कि तेलगाना में कभी तेलुगूदेशम का कांग्रेस से गठबंधन था। पर इस गठबंधन को के.चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति ने हरा दिया था, उसके बाद कांग्रेस व तेलुगुदेशम का गठबंधन भी टूट गया। हालांकि तेलंगाना के कई भागों में तेलुगूदेशम का वजूद था पर वह इतनी मजबूत नहीं थी कि बी.आर.एस. को चुनौती दे सके। विपक्ष का रिक्त स्थान जल्दी ही कांग्रेस ने अधिग्रहित कर लिया। हालांकि एक बार तो भाजपा राज्य में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरने लगी थी, पर भाजपा और बी.आर.एस. के बीच पर्दे के पीछे की सांठगांठ का खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ा। उल्लेखनीय है कि उस समय भाजपा ने अपने तेज तर्रार नेता बंडी संजय को हटाकर केन्द्रीय मंत्री जी.किशन रेड्डी को प्रदेश प्रमुख बना दिया था, जिसके बाद विधानसभा चुनाव में भाजपा का भी सफाया हो गया और बी.आर.एस. भी सत्ता से बेदखल हो गई और कांग्रेस सत्ता में आ गई।

- तेलुगूदेशम का तेलंगाना के कुछ भागों में थोड़ा बहुत प्रभाव है, पर, पार्टी इतनी मजबूत नहीं है कि राज्य की राजनीति में अहम् भूमिका निभा सके।
- बी.आर.एस. के उत्थान के साथ ही तेलुगूदेशम पार्टी तेलंगाना में शून्य पर आ गई थी, पार्टी के सभी नेता, कार्यकर्ता बी.आर.एस. में चले गए थे।
- अब नायडू तेलंगाना में अपनी पार्टी को पुनः स्थापित करना चाहते हैं और इसकी शुरुआत वे हैदराबाद नगर निगम के चुनाव में जोर आजमा कर करना चाहते हैं।

वर्तमान में बी.आर.एस. सत्ता से बाहर है और लोकसभा में भी उसका एक भी सदस्य नहीं है। बी.आर.एस. का राजनैतिक स्थान खाली है और भाजपा एवं तेलुगूदेशम उसे भरना चाहती हैं। खासकर आंध्रप्रदेश में जीत के बाद नायडू तेलंगाना में भी अपनी पार्टी को मजबूत करना चाहते हैं।

हैदराबाद में एच.टी.आर.ट्रस्ट भवन के हुई पार्टी का मीटिंग में नायडू ने कहा कि वे पार्टी को पुनर्जीवित करेंगे,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'होम लोन के बीमा कवर पर वसूली सेवा दोष'

जयपुर, 4 सितंबर। जिला उपभोक्ता आयोग द्वितीय ने होम लोन के बीमा कवर के रूप में वसूली गई राशि को उपभोक्ता को लौटाने के दौरान कटौती करने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने एस.बी.आई. लाइफ इंश्योरैंस कंपनी को कहा है कि वह काटी गई 41,059 रुपए की राशि ब्याज सहित लौटाए। इसके साथ ही आयोग ने बीमा कंपनी पर कुल 65 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना ने यह आदेश जगमोहन सिंह यादव के परिवाद पर दिए।

- उपभोक्ता आयोग ने एस.बी.आई. लाइफ इंश्योरैंस कम्पनी को कहा है कि बीमा कवर के रुप में काटी गई 41,059 रु. की राशि ब्याज सहित वादी को लौटाए, आयोग ने बीमा कम्पनी पर 65 हजार रु. का हर्जाना भी लगाया।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा मीडिया का आकलन स्वीकार करने को तैयार नहीं जम्मू-कश्मीर चुनाव के बारे में

भाजपा का मानना है कि यह सबसे बढ़िया समय है जब पार्टी अपनी स्थिति सुदृढ़ करेगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। ब्रुनेई व सिंगापुर की अपनी यात्रा से लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जम्मू-कश्मीर में पहली बार सरकार बनाने के प्रयास में जुट जाएंगे और इसी के तहत अगले सप्ताह उनकी तीन रैलियाँ प्रस्तावित हैं। इनमें से दो रैलियाँ जम्मू क्षेत्र में होंगी, जिसमें डोडा भी शामिल है, जहाँ, हाल के महीनों में कई आतंकवादी गतिविधियाँ हुई हैं। तीसरी रैली कश्मीर क्षेत्र में होगी।

संभावना है कि प्रधानमंत्री 8 सितम्बर के बाद इस केन्द्र शासित प्रदेश का दौरा करेंगे।

सन् 2014 में हुए गत विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 25 सीटें जीती थीं और महबूबा मुफ्ती की पार्टी 28 सीटों पर विजयी रही थी।

तथापि, इस बार चुनाव विश्लेषकों की भविष्यवाणी भाजपा के लिए उतनी फायदेमंद नहीं है। "लोकपोल" के अनुमान के अनुसार, नैशनल कॉन्फ्रैंस - कांग्रेस गठबंधन को आसान जीत मिलेगी, जबकि 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 20 सीटों पर सिमट जाएगी।

तथापि, भाजपा के "थिंक टैंक" का सोच अलग है। पार्टी का मत है कि तीन कारक हैं, जो इस बार भाजपा के सत्ता में आने की संभावना को मजबूत करते हैं। पहला, धारा 370 तथा 35 ए निरस्त होने के बाद क्षेत्र में, विशेषरुप से जम्मू क्षेत्र में, भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ी है। दूसरा, चुनाव आयोग ने 90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर- विधानसभा में एस.सी./एस.टी. के लिए सीटें आरक्षित की हैं। तथा अंतिम कारक है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निरंतर बनी हुई लोकप्रियता।

- जम्मू-कश्मीर चुनाव के सह प्रभारी भाजपा नेता राम माधव चुनाव प्रचार की रणनीति बना रहे हैं, भाजपा की नीति अनुसूचित जाति व जनजाति के वोटर्स को साधने की है।
- पहली बार राज्य की 90 सदस्यीय विधानसभा में एस.सी./एस.टी. समुदायों के लिए सीटें रिज़र्व की गई हैं और भाजपा को इसका फायदा मिलने की उम्मीद है।
- भाजपा को उम्मीद है कि धारा 370 खत्म करने से पार्टी को जम्मू क्षेत्र में काफी लाभ होगा।

भाजपा की धारणा है कि बहुकोणीय प्रतिस्पर्धा में एन.सी.-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवारों को नुकसान होगा, क्योंकि बड़ी संख्या में निर्दलीयों तथा छोटी पार्टियों के मैदान में उतरने की संभावना जताई जा रही है।

इसके अतिरिक्त, राम माधव तथा अनुराग सिंह ठाकुर जैसे भाजपा नेताओं को चुनाव प्रचार की जिम्मेवारी दी गई है और भाजपा युवाओं के अलावा, एस.सी. व एस.टी. मतदाताओं को आकर्षित करने की रणनीति पर काम कर रही है।

हाल के दिनों में, टिकटों के बंटवारे को लेकर जम्मू क्षेत्र में काफी अन्तर्कलह सामने आई है, जबकि पार्टी की कश्मीर शाखा भी, घाटी की 16 सीटों के लिए केवल 8 प्रत्याशी मैदान में उतारने के पार्टी नेतृत्व के निर्णय को लेकर असंतुष्ट तथा व्यथित है। इन सीटों पर, पहले चरण में, 18 सितम्बर को मतदान होना है।

तथापि, भाजपा के चुनाव सह-प्रभारी राम माधव को विश्वास है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में पहली बार दिखी "गोले दागने वाली" अनोखी फंगस

उदयपुर, 4 सितम्बर (वार्ता)। दक्षिणी राजस्थान के मांडलगढ़ क्षेत्र के राजपुरा गांव में जैव विविधता की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण खोज हुयी है और

- दक्षिणी राजस्थान के मांडलगढ़ क्षेत्र के राजपुरा गांव में "स्पिरोबोलस जयसुखियेंसिस" नाम की फंगस को छूते ही छोटे-छोटे काले रंग के गोले, यानी बीजाणुओं की तेजी से बरसात करती है, मानो तोप गोले दाग रही हो।

राज्य में पहली बार "स्पिरोबोलस जयसुखियेंसिस" देखी गयी है।

फाउंडेशन साइकोलॉजिकल सिक्योरिटी के फील्ड इकोलॉजिस्ट डॉ.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो राज्य, एक संकट, दो हीरो!

कुछ घंटों में 30-34 सैन्टीमीटर बारिश ने आंध्र व तेलंगाना को भारी विपदा में घेर लिया

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अगस्त। दो तेलुगू भाषी राज्यों- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अतिवृष्टि के चलते दोनों मुख्यमंत्री- एन. चंद्रबाबू नायडू तथा रैवन्त रेड्डी अपने-अपने राज्यों में बचाव, राहत और पुनर्वास के लिये पूरी तरह सक्रिय हो गये हैं। नायडू कल से विजयवाड़ा में तेजी से बचाव कार्य में जुट गये हैं। वे बस में बैठकर तथा ज़मीनी स्तर पर उतर कर हर चीज़ पर नज़र रख रहे हैं। उन्होंने एन.टी.आर. जिला कलेक्टर के कार्यालय को अपना अस्थाई कार्यालय बना लिया है तथा खुद ही राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने अपने सुरक्षा-अधिकारियों की सलाह की अनसुनी करते हुये, बाढ़-प्रभावित क्षेत्रों के कई दौरे किये हैं तथा वे असाधारण रूप से सक्रिय दिखाई दे रहे हैं क्योंकि भारी वर्षा के कारण कई क्षेत्र जलमग्न हो गये हैं तथा अनेकानेक लोग बेघर हो गये हैं। इस जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, चार बार मुख्यमंत्री रह चुके नायडू की प्रशासनिक शैली अलग और स्पष्ट दिखाई दे रही है। वर्ष 2014 में, जब "हुद-हुद" चक्रवात से विशाखापट्टनम शहर और बंदरगाह पूरी तरह तबाह हो गये थे, उस समय बंदरगाह नगर का सतत निरीक्षण करने के लिये वे विशाखापट्टनम में डेरा डाले रहे थे और पूरे शहर के पुनर्निमाण का काम किया था।

- तेलंगाना में 16 व्यक्तियों की मृत्यु हुई तथा आंध्र में विजयवाड़ा में दो तीन लोगों ने मकानों की छत पर शरण लेकर जान बचाई।
- चंद्रबाबू नायडू ने राजधानी अमरावती का सचिवालय छोड़कर विजयवाड़ा के जिलाधीश कार्यालय को अपना ऑफिस बनाया, दो-तीन रात, बस को ही अपना निवास बनाया, जनता के बीच में 24 घंटे रहकर विपदा प्रबंधन में लगे रहे।
- तेलंगाना के मु.मंत्री रैवन्त रेड्डी भी वारांगल शिफ्ट हो गये तथा आंध्र व दिल्ली जहाँ प्रतिस्पर्धी पार्टी भाजपा की सरकार थी, से भी सम्पर्क किया और राहत कार्यों की सामग्री व साधन मांगने में कोई भी हिचकिचाहट नहीं रखी।

सप्ताहांत के समय तीन दिन से चल रही भारी बरसात ने आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना में जबरदस्त तबाही की थी। कुछ ही घंटों में बादल फटने से 29 से 34 सेमी. तक हुई बरसात होने के कारण बाढ़ की स्थिति बन गई। बाढ़ के पानी के ओवरफ्लो के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रैफ्रिक रूक गया था तथा बड़ी संख्या में रेल-सेवायें रद्द कर दी गई थी। बाढ़ से हुई यह तबाही उस समय और विकराल रूप में आ गई, जब विजयवाड़ा से गुजरने वाली बुडामेरू स्ट्रीम के कारण बहुत सी कॉलोनियाँ जलमग्न हो गईं तथा करीब दो लाख लोगों ने अपनी जान बचाने के लिये अपनी इमारतों के टैरेस या फर्स्ट फ्लोर पर शरण ली।

बाढ़-पीड़ित लोगों की दुर्दशा से विचलित हुये मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने संकट की इस घड़ी में चुस्त-दुरुस्त नेतृत्व उदाहरण पेश किया। वे अपने कार्यालय एवं प्रशासन को सचमुच ही अमरावती से विजयवाड़ा ले गये जिससे वे बाढ़-प्रभावित क्षेत्र के निकटतम स्थान पर रह सकें।

अधिकारियों को राज्य में बाढ़ की चुनौती का मुकाबला करने के निर्देश देते हुये, वे फील्ड-स्तर पर होने वाले कामों में कूद पड़े। एक विशेष बस में बैठकर मुख्यमंत्री स्थिति को संभालने की कार्यवाही में प्रशासन का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तब तक दौरे करते रहेंगे, जब तक सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो जाती।

भारी बरसात के कारण विशेष रूप से कृष्णा एवं गुन्टूर जिलों में भयंकर तबाही हुई है। बुडामेरू में आई बाढ़ से विजयवाड़ा के सिंह नगर, नन्दापुरी तथा निचले इलाके में बसी अल्प बस्तियाँ जलमग्न हो गई हैं तथा बाढ़ से दो लाख लोग प्रभावित हुये हैं।

मुख्यमंत्री नायडू ने आधी रात के समय बाढ़-पीड़ित क्षेत्र का दौरा किया, ताकि प्रभावित लोग आश्वत हो सकें कि प्रशासन उनका पूरा-पूरा ध्यान रखेगा। अगले दिन सुबह वे यह जानकारी लेने के लिये उस इलाके में गये कि उन लोगों खाना तथा पीने का पानी पहुँचा है या नहीं।

मुख्यमंत्री नायडू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह से सम्पर्क किया तथा उन्हें वर्तमान बाढ़ संकट की स्थिति से अवगत कराया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वायनाड पीड़ितों के लिए राहुल ने एक माह की सैलरी दान की

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। केरल के वायनाड में आई भयानक बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आगे आए हैं। उन्होंने वायानाड के बाढ़ पीड़ितों के लिए अपनी एक महीने की तनख्वाह दान कर दी है। राहुल गांधी ने बुधवार को इस बात की जानकारी देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएं। गौरतलब है कि राहुल गांधी पिछली लोकसभा में

- राहुल गांधी ने बुधवार को इस बात की जानकारी देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

संदर्भ पश्चिम बंगाल अपराजिता काननू

कानून नहीं, कानून के भय से ही बचाया जा सकता है निर्भयाओं को

आखिरकार कोलकता आरजी कर अस्पताल रेप व रेप के बाद हत्या घटना के बाद जिस तरह से देशव्यापी माहौल बना, उसके परिणाम के रुप में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिमी बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधानसभा से पारित हो गया। सवाल यह नहीं है कि कानून कितना सख्त बनाया गया है? सवाल यह भी नहीं हैं कि कानून में किस तरह से जांच से लेकर सजा तक की समय सीमा तय की गई है? सवाल यह भी नहीं हैं कि कानून बनने के क्या परिणाम सामने आएंगे? देखा जाए तो सौ टके का सवाल यह है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद जिस तरह से कानून में बदलाव कर सख्ती के प्रावधान किये गये, जिस तरह से पॉक्सों एक्ट के तहत कार्रवाई की बात हुई और जिस तरह से देश में त्वरित न्याय के लिए फास्ट ट्रेक स्पेशल अदालतें और पाक्सों अदालते बनाई गई उसके बाद भी हालात में कोई बदलाव नहीं दिखाई दे रहे हैं। बल्कि यह कहा जाएं तो ज्यादा ठीक होगा कि–'ज्यों–ज्यों दवा की गई, मर्ज बढ़ता ही गया।' निर्भया कांड के चार दरिंदों को फांसी की सजा के बावजूद महिलाओं के खिलाफ रेप व हत्या के मामलों में कोई कमी नहीं आई है अपितु देखा जाएं तो पिछले 12 सालों में रेप–हत्याओं के मामलों में बढ़ोतरी ही देखने को मिल रही है।

दिसंबर 2012 में जब निर्भया कांड हुआ और उसके सामने आते ही जिस तरह से देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला उसके बाद जिस तरह से 2013 में नया आपराधिक कानून लाकर सरकार ने सख्ती की मंशा दिखाई उसके बावजूद कोई सकारात्मक परिणाम देखने को नहीं मिला। 2015 में किशोर न्याय अधिनियम के माध्यम से 16–18 साल के दोषियों को भी कोई रियायत नहीं देने के प्रावधान किये गये और 2019–20 में 1023 फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट का गठन और 389 पॉक्सों कोर्टो के गठन के बावजूद अपराधियों में किसी तरह से भय का वातावरण नहीं बना है। दिसंबर, 12 में जिस तरह से निर्भया रेप व हत्या कांड सामने आया और खासतौर से युवाओं में जिस तरह का आक्रोश देखा गया, तब समझा जाने लगा था कि हालातों में सुधार होगा, पर आंकड़े कुछ और ही कहानी कहते हैं। उज्जेन, अयोध्या और इसके बाद आरजी कर प्रकरण से साफ हो गया है कि भले ही अब ममता सरकार ने नया अधिनियम पारित करा लिया हो पर तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि ऐसे मामलों में भी सभी लोग एक ना होकर के राजनीतिक फायदें नुकसान के तराजू पर तोलकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी। जिस तरह से घटना होने के बाद एक पक्ष बचाव में तर्क गढ़ने लगता है तो दूसरा पक्ष आंदोलन, प्रदर्शन आदि के माध्यम से जितना लाभ उठाने का प्रयास करते हैं यह दोनों ही स्थितियां मानवता के लिए शर्मनाक है।

तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि ऐसे मामलों में भी सभी लोग एक ना होकर के राजनीतिक फायदें नुकसान के तराजू पर तोलकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी। जिस तरह से घटना होने के बाद एक पक्ष बचाव में तर्क गढ़ने लगता है तो दूसरा पक्ष आंदोलन, प्रदर्शन आदि के माध्यम से जितना लाभ उठाने का प्रयास करते हैं यह दोनों ही स्थितियां मानवता के लिए शर्मनाक है।

ऐसा नहीं है कि रेप व उसके बाद हत्या जैसी घटनाएं हमारे देश में ही होती हो, बल्कि कहा जाये तो यह वैश्विक समस्या है। निर्भया के टाइम पर ही किस तरह से मी टू अभियान ने गति पकड़ी थी, किस तरह से महिलाएं मुखर हो रही थी, वह अपने आप में एक सशक्त आंदोलन या कहें कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में बढ़ता कदम था, पर इससे देश–दुनिया में महिला अपराध खासतौर से रेप, गेंगरेप या इसी तरह की घटनाओं में तनिक मात्र भी कमी नहीं आई है। हालिया दिनों में ही सिने संसार में किस तरह से महिला अभिनेत्रियों के शोषण की मुखरता से चर्चा हुई है वह भी रुपहले पर्दे के पीछे की काली कहानी बयां कर देती हैं। यदि आंकड़ों की भाषा में ही बात करें तो निर्भया एपिसोड के समय 24915 मामले सामने आये थे तो 2016 में सर्वाधिक 38947 अपराध सामने आये। 2020 जो कि कोरोना काल था उसमें अवश्य 28046 मामलें सामने आये अन्यथा आंकड़े 30 हजार से अधिक ही रहे। 2022 के आंकड़ों की बात करें तो महिलाओं के खिलाफ अपराध के इस तरह के 31516 मामलें आएं। यानी कि 2012 के निर्भया एपिसोड और उसकी प्रतिक्रिया स्वरुप देश ही नहीं विश्वव्यापी आक्रोश व जनचेतना के बावजूद अपराध में कमी नहीं आने से साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं इस तरह के समाज विरोधी लोगों में भय ही नहीं रहा। सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद अपराधी प्रवृति के लोग बेखौफ इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते आ रहे हैं। मजे की बात यह है कि अपराधियों में कानून व सजा का कोई भय ही नहीं दिखाई दे रहा अन्यथा इस तरह के अपराध कम ही नहीं बल्कि रुक जाते पर ऐसा हुआ नहीं और ऐसा होगा, इस तरह से लगता भी नहीं हैं। इससे एक बात साफ हो जाती है कि कानून बनाने या सख्त सजा व त्वरित न्याय की व्यवस्था एक बात है और समाज को अपराध विहीन बनाना दूसरी बात। इसके लिए हमें और सब के साथ हमारे मूल्यों और संस्कारों को आज की पीढ़ी तक पहुंचाना ही होगा। खाओं पीओ और मौज करों की सोच किसी भी हालत में सभ्य समाज के लिए उचित नहीं हो सकती। हमें महिलाओं की इज्जत करना, उनके सम्मान की रक्षा करना सीखना और सीखाना होगा नहीं तो कानून के डर से अपराध कम हो जाएंगे यह सोचना एक हद से अधिक सही नहीं हो सकता। यह धरातलीय अनुभव है जो हमारे सामने लगातार आ रहा है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

लोक देवता बाबा रामदेव ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए धरती पर अवतार लिया

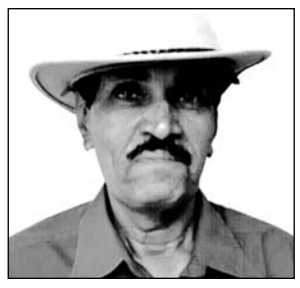

मिश्रीलाल पंवार

लोक देवता बाबा रामदेव ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए धरती पर अवतार लिया था। उन्होंने हिन्दुओं में व्याप्त जाति–पाति को मिटाने के लिए बहुत संघर्ष किया। लोक देवता बाबा रामदेव जी उडूं काश्मीर के राजा अजमलजी के पुत्र थे। मान्यता है कि भगवान द्वारकाधीष ने उनके घर अवतार लिया था। कलयुग के अवतारी बाबा रामदेव ने अपने बाल काल में ही दिव्य चमत्कारों से देव पुरुष की प्रसिद्धि पा ली थी। उन्होंने अपने जीवन में समय–समय पर अनेक लोगों को पर्चे दिए तथा अज्ञान रूपी अंधकार से बाहर निकला। इतना ही नहीं आज भी वे अपने भक्तों को पर्चे देते रहते हैं। भाद्र मास में करीब पचास लाख श्रद्धालु उनके दर्शन की अभिलाषा लेकर देश के विभिन्न क्षेत्रों से मारवाड़ आते हैं। ऐसी अद्भुत श्रृद्धा एवं भक्ति अन्यत्र नजर नहीं आती।

माता मैणादे को पर्चा दिया :– प्रचलित लोक गाथाओं के अनुसार लोक देवता बाबा रामदेव ने पहला पर्चा माता मैणाद को ही दिया। एक दिन माता मैणादे अपनी गोद में बालक रामदेव को दूध पिला रही थी कि ध्यान आया कि वे चूल्हे पर दूध रख कर आईं थी। अब तो दूध उफन रहा होगा। माता के मन की बात बालक रामदेव जान गए। मां को चिंता में देखा तो उन्होंने हाथ बढ़ा कर उफनते दूध के बर्तन को नीचे उतार लिया। पुत्र का यह चमत्कार देख मां आश्चर्य चकित रह गई। इस चमत्कार से भगवान ने सभी माताओं को संदेश दिया है कि अपने शिशु को जब भी स्तनपान कराओ तो शान्तचित्त और चिन्ता मुक्त होकर कराना चाहिए। चिंता ग्रस्त मां का दूध पीने वाला बालक आगे जाकर मंदबुद्धि, कमजोर व रोगी होगा जबकि शिशु को खुशी–खुशी तथा चिंता मुक्त होकर दूध पिलाने वाली माता की संतान बुद्धिमान, तेजस्वी तथा सूर्यवीर होगी। सभी माताओं को यह बात ध्यान रखनी चाहिए। बाबा का यह सन्देश सभी माता–बहनों को समझ लेना चाहिए।

कपड़ा चुराने पर दर्जी को सबक सिखाना :– बचपन में बाबा रामदेव जी ने एक बार घोड़े की सवारी करने की जिद कर ली। जिद पर अड़ जाने के बाद अजमल जी ने एक दर्जी को बुलाया और कहा कि बालक रामदेव घोड़े की सवारी की जिद कर रहे हैं। तुम कपड़े का एक घोड़ा बना दो। इस प्रकार खीनखाफ का कपड़ा देकर बालक रामदेव के लिए घोड़ा बनाने का आदेश दे दिया। कपड़ा बहुत किमती था। इसलिए दर्जी की नियत में खोट आ गई। उसने आधा कपड़ा बचाकर अपने पास रख लिया। कपड़े का घोड़ा माता मैणादे को सौंपते दर्जी ने कह दिया कि कपड़ा पूरा हो गया है। इस प्रकार झूठ बोलकर दर्जी अपने घर चला गया। इधर बाबा रामदेव जी जब उस कपड़े के घोड़े पर बैठे तो वह आकाश में उड़ गया। यह देख कर माता मैणादे और पिता अजमल जी के होश उड़ गए। उन्हें लगा कि दर्जी ने घोड़े पर कुछ जादू टोना किया है। उन्होंने आदमी को भेज कर दर्जी को वापस बुलवाया। उन्होंने दर्जी से कहा कि तूने क्या जादू टोना किया कि कपड़े का घोड़ा रामदेव को लेकर उड़ गया। दर्जी ने कहा कि उसने कोई जादू टोना नहीं किया है। बार–बार पूछने पर भी दर्जी ने एक ही जवाब दिया तो महाराज अजमलजी ने उसे कैदखाने में डाल दिया। इधर दर्जी को अहसास हो गया कि यह सब करामात खुद बालक रामदेव की है। उसने तुरंत ही रामदेव से विनती की कि हे प्रभु आपने मुझे किस संकट में डाल दिया। तब आकाशवाणी हुई कि तुमने कपडे की चोरी की है। उसी की तुम्हें सजा मिली है। तब दर्जी ने अपने अपराध को स्वीकार कर माफी मांगी। थोड़ी ही देर में बालक रामदेव आकाश मार्ग से उड़ते घर लौट आए। बालक को सकुशल वापस आया देखा तो सब ने चैन की सास ली। रामदेव जी के कहने से दर्जी को रिहा कर दिया गया। भगवान ने इस कथा से हमें संदेश दिया है कि भगवान से कुछ भी छुपा नहीं है। बुरे कर्म कर भले ही एक बार खुश हो जाओगे मगर बुरा कर्म करोगे तो सजा तो मिलेगी ही और सच्चे मन से कोई पश्चाताप कर ले तो भगवान उसे क्षमा करने में भी देर नहीं करते।

भैरव राक्षस का वध :– एक दिन बाबा रामदेव जी अपने साथियों के साथ गेंद खेल रहे थे, खेलते–खेलते गेंद को इतना दूर फैंक दिया कि सभी साथियों ने अपने आपको गेंद लाने में असमर्थता जताते हुए कहा कि आपको ही गेंद लानी पड़ेगी। इस पर बाबा रामदेव गेंद लाने के बहाने वर्तमान पोकरण की घाटी के ऊपर स्थित साथलमेर जा पहुंचे। बाबा रामदेव जी के बालक रूप में सुनसान पहाड़ी पर अकेले देखकर पहाड़ी पर धूना लगाए बैठे बालीनाथ जी महाराज ने देखा तो कहा कि बालक तू कहां से आया है ? जहां से आया है, वापस चला जा। यहां पर रात को भैरव राक्षस आएगा। बालीनाथ जी ने कहा कि यह आदमखोर राक्षस तुझे खा जाएगा। तब बाबा रामदेव जी ने रात के समय वहां पर रुकने की प्रार्थना की तो बालीनाथ जी ने अपनी कुटिया (आश्रम) में पुरानी गुदड़ी ओढ़ाकर बालक रामदेव को चुपचाप सुला दिया। इधर भैरव घूमता–फिरता बाबा बालीनाथ जी की समाधि पर आ पहुंचा। मनुष्य की गंध आई तो वह हैरान रह गया। उसने बालीनाथ जी से कहा कि आपने आसपास किसी मनुष्य को देखा क्या। बालीनाथ जी ने भैरव से कहा कि यहां पर तो तूने बारह–बारह कोस तक तो पक्षी भी नहीं छोड़ा है, मनुष्य कहां से आया। जाओ, चुपचाप अपनी गुफ़ा में जाकर सो जाओ। मगर भैरव को विश्वास नहीं हुआ। वह गंध वाली दिशा की ओर चल पड़ा। इधर बाबा रामदेव बालीनाथ जी और भैरव राक्षस की बातें सुन रहे थे। गुरु बालीनाथ द्वारा चुपचाप सो जाने का आदेश दिए जाने के कारण बोले तो कुछ नहीं मगर अपने पैर से गुदड़ी को हिलाई। भैरव वहीं खड़ा था। गुदड़ी हिलती देखी तो समझ गया कि इस गूदडी के नीचे कोई सो रहा है। वह गुदड़ी के पास पहुंचा और जोर से खींच लिया। इधर बाबा बालीनाथ जी महाराज बुरी तरह घबरा रहे थे। वे समझ नहीं पाए कि इस बालक को इस राक्षस से कैसे बचाएं।

इधर भैरव राक्षस गुदड़ी को खींचने लगा। बाबा के चमत्कार से गुदड़ी द्रौपदी के चीर की तरह बढ़ने लगी। यह देख बालीनाथ जी महाराज ने सोचा कि यह कोई सामान्य बालक तो नहीं है। गुदड़ी को खींचते–खींचते भैरव राक्षस हांफ गया। अब वह भी समझ गया कि गूदडी के अन्दर सो रहा मनुष्य साधारण ईसान नहीं है। ज़रूर उसका काल है। खुद को खतरे में पाकर सोचने लगा कि यहां से भाग जाना अच्छा है। यूं सोच उसने गूदडी खींचना छोड़ दिया और भागने लगा। उसी समय बाबा रामदेव जी ने गुदड़ी से उठकर हूंकार भरी। भगवान रामदेव जी ने बालीनाथजी महाराज से आज्ञा लेकर भैरव राक्षस का पीछा किया। कुछ ही दूरी पर उन्होंने भैरव राक्षस को धर दबोच लिया। उसका वध कर लोगों को उसके आंतक से मुक्त किया। भैरव के आंतक से मुक्त होने के बाद पोकरण क्षेत्र में मानव चहलपहल फिर से शुरू होने लगी। अजमलजी ने पोकरण गढ़ की स्थापना की। वे अपने परिवार के साथ आडू काश्मीर से पोकरण आ गए।

बाबा रामदेव दिव्य देव होने के साथ–साथ एक महान समाज सुधारक भी थे। जाति–पाति के झगड़ों में जकड़े हिन्दुओं को एकजुट करने का बहुत प्रयास किया। हिन्दू समाज जातियों में बिखरा हुआ था। इससे हिन्दुओं को भारी नुक़सान हो रहा था। बड़ी संख्या में हिन्दु इस्लाम कबूल कर मुस्लिम धर्म अपना रहे थे। बाबा रामदेव ने हिन्दुओं की एकता पर विशेष ध्यान दिया। बाबा रामदेव ने क्षत्रिय कुल में जन्म लेकर भी अछूत समझी जाने वाली जातियों को गले लगाया। उनके घरों में जाकर उनके साथ भजन सत्संग करना दलित और हीन समझने जाने वाले लोगों के साथ उठने–बैठने को लेकर उनके रिश्तेदारों तक ने उनके यहां आना–जाना व बोलना बंद कर दिया था। मगर बाबा रामदेवजी ने इन सबकी परवाह किए बिना सामाजिक कुरितियों से जंग जारी रखी।

वे जानते थे कि हिंदू समाज जातियों में बंटा रहा तो उनका सर्वनाश हो जाएगा। खुद को स्वर्ण जाती का मानने वाले छूआछूत को बहुत बढ़ावा देते थे। श्रमसाध्य समाज के साथ घृणित व्यवहार करते थे। इसी बात का फायदा उठाकर मुस्लिम शासक इन्हें बहला–फुसलाकर इस्लाम कबूल करने पर राजी कर लेते। उन दिनों हजारों हिंदू मुस्लिम धर्म अपना रहे थे। देश में मुस्लिम धर्म अपनाने वाले हिन्दू ही सनातन का विरोध तथा हिन्दुओं का संहार करने लगे थे। शायद बाबा रामदेव जी ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए धरती पर अवतार लिया था। मगर तत्कालीन हिंदू समाज में किसी प्रकार की चेतना नहीं जागी, उल्टे लोगो ने उनका ही विरोध करना शुरू कर दिया। खुद उनके अपने बहनोई उनका विरोध करते थे। किसी ने बाबा रामदेव की बात को गंभीरता से नहीं समझा। इस बात से व्यथित होकर छोटी उम्र में उन्होंने रामदेवरा में जीवित समाधि ले ली और अपने धाम वापस लौट गए।

–मिश्रीलाल पंवार,
(वरिष्ठ पत्रकार)

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में शिक्षक की भूमिका

प्रो. अशोक कुमार

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा किसी भी समाज के विकास का आधार होती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल ज्ञान देते हैं बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व का विकास भी करते हैं। शिक्षक गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा में कैसे योगदान देते हैं:–

1. **ज्ञान का संचार:** शिक्षक को अपने विषय का गहन ज्ञान होना चाहिए ताकि वे बच्चों को सही और अद्यतन जानकारी दे सकें। रटने की बजाय समझ पर जोर देना, प्रयोग, चर्चा, और दृश्य–श्रव्य सामग्री का उपयोग करना शिक्षण को रोचक बनाता है। बच्चों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना उनकी जिज्ञासा को बढ़ाता है।

2. **व्यक्तित्व विकास:** एक सकारात्मक और समावेशी माहौल में बच्चे आत्मविश्वास से सीखते हैं।

शिक्षक बच्चों में संचार, समस्या समाधान, टीम वर्क जैसे कौशल विकसित करते हैं। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सहयोग जैसे मूल्यों को सिखाकर शिक्षक अच्छे नागरिक बनाते हैं।

3. **व्यक्तिगत ध्यान:** हर बच्चा अलग होता है, इसलिए शिक्षक को प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत जरूरतों को समझकर शिक्षण करना चाहिए। बच्चों को उनकी कठिनाइयों को दूर करने में मदद करना चाहिए। बच्चों की उपलब्धियों को सराहना और प्रोत्साहित करना उनका मनोबल बढ़ाता है।

शिक्षक को अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों के विकास के लिए काम करना चाहिए। बच्चों की प्रगति के बारे में नियमित रूप से अभिभावकों को सूचित करना चाहिए। शिक्षक को हमेशा नई शिक्षण विधियों के बारे में सीखते रहना चाहिए। अपने विषय के ज्ञान को अद्यतन रखना महत्वपूर्ण है। गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा में शिक्षक की भूमिका अहम है। वे बच्चों को सिर्फ ज्ञान नहीं देते बल्कि उन्हें जिंदगी के लिए तैयार भी करते हैं। एक अच्छा शिक्षक न केवल ज्ञानी होता है बल्कि एक मित्र, मार्गदर्शक और प्रेरणा का स्त्रोत भी होता है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षक में निम्नलिखित गुण होने चाहिए: एक अच्छा शिक्षक वह होता है जो न केवल ज्ञान देता है बल्कि छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित भी करता है। एक अच्छे शिक्षक में कई गुण होते हैं जो उन्हें एक प्रभावी शिक्षक बनाते हैं।

एक अच्छे शिक्षक के प्रमुख गुण निम्नलिखित हैं:–

ज्ञान: एक अच्छे शिक्षक को अपने विषय का गहरा ज्ञान होना चाहिए। उन्हें छात्रों के सवालों का जवाब देने और उनकी जिज्ञासा को शांत करने में सक्षम होना चाहिए।

संचार कौशल: एक प्रभावी शिक्षक छात्रों के साथ स्पष्ट और प्रभावी ढंग से संवाद कर सकता है। उन्हें छात्रों की समझ को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न शिक्षण विधियों का उपयोग करना चाहिए।

धैर्य: शिक्षण एक धैर्यवान काम है। एक अच्छा शिक्षक छात्रों की गति और सीखने की शैली को समझता है और उन्हें प्रोत्साहित करता रहता है।

रचनात्मकता: एक अच्छा शिक्षक सीखने को रोचक और आकर्षक बनाने के लिए नए–नए तरीके खोजता रहता है। वे छात्रों की रुचियों को ध्यान में रखते हुए अपनी शिक्षण पद्धित को अनुकूलित कर सकते हैं।

प्रेरणा: एक अच्छा शिक्षक छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करता है। वे छात्रों की उपलब्धियों को पहचानते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।

सहानुभूति: एक अच्छा शिक्षक छात्रों की भावनाओं को समझता है और उनकी मदद करता है। वे छात्रों को एक सुरक्षित और सहायक वातावरण प्रदान करते हैं।

लचीलापन: एक अच्छा शिक्षक बदलती परिस्थितियों के अनुकूल हो सकता है और अपनी शिक्षण योजनाओं को बदल सकता है।

व्यक्तिगत विकास: एक अच्छा शिक्षक लगातार सीखने और विकसित होने का प्रयास करता है। वे नए शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं।

अतिरिक्त गुण जो एक अच्छे शिक्षक में होने चाहिए:–

सकारात्मक दृष्टिकोण: एक सकारात्मक दृष्टिकोण छात्रों को प्रेरित करता है और एक सकारात्मक सीखने का वातावरण बनाता है।

संगठन: एक अच्छा शिक्षक अपनी कक्षा को व्यवस्थित रखता है और समय का प्रबंधन करता है।

तकनीकी ज्ञान: आजकल तकनीक शिक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक अच्छा शिक्षक तकनीक का उपयोग करके छात्रों को पढ़ा सकता है।

एक अच्छे शिक्षक के गुणों का महत्व: एक अच्छे शिक्षक के गुण छात्रों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। एक अच्छा शिक्षक न केवल छात्रों को ज्ञान देता है बल्कि उन्हें एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद करता है।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय

राशिफल गुरूवार 5 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र 6:41 तक, शुभ योग रात्रि 9:08 तक, कौलव करण दिन 12:22 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–मिथुन, बुध–सिंह, गुरू–वृष, शुक्र–कन्या, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज तेलाधर तपस्या (जैन), साम श्रावणी उपाकर्म (सामवेदियों की राखी) है। आज से मेला रूणीचा रामदेव 9 दिन का आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:45 तक, चर 10:52 से 12:26 तक, लाभ–अमृत 12:26 से 3:53 तक, शुभ 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:39

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा है। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मकर
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखे। व्यावसायिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण मामलों दुविधा बनी रहेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन
घर–परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

एक क्विंटल पांच किलो पॉलीथिन व डिस्पोजल जब्त

पालिका टीम ने चार हजार की जुर्माना राशि वसूल की

बीदासर पालिका टीम ने प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी की।

बीदासर, (निसं)। नगर पालिका की गठित टीम ने बुधवार को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी करते हुए कस्बे के मुख्य बाजार से एक क्विंटल पांच किलो पॉलीथिन व डिस्पोजल जब्त कर चार हजार रूपये की जुर्माना राशि वसूल की। पालिका की टीम के ज्योंही बाजार में पहुंचने की सूचना मिली तो व्यापारियों में हड़कंप मंच गया। छापेमारी के डर से कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों के शटर गिराकर भाग गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पालिका के अधिशाषी अधिकारी सोहन लाल नायक के नेतृत्व में पालिका की गठित टीम ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्यवाही करते हुए सब्जी मंडी व बैरी चैक में कार्यवाही को अंजाम दिया। इस मौके पर ईओ सोहनलाल ने राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रतिबंधित पॉलीथिन का व्यापारियों को भविष्य में क्रय विक्रय की चेतावनी देते हुए कहा कि पॉलीथिन के उपयोग करने से कस्बे के सौंदर्यकरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ईओ ने व्यापारियों को चेतावनी दी कि सिंगल यूज प्लास्टिक बेचता हुआ या उपयोग करते हुए मिलने पर उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाकर चालान किया जाएगा। वहीं कस्बे के नागरिकों से अपील की कि पॉलीथिन की जगह कपड़े व जूट के थैले का उपयोग करें। कार्रवाई टीम में सफाई निरीक्षक गिरधारी लाल, कार्यवाहक सफाई जमादार अमित, तेजपाल, फायरमैन सौरभ भाटिया, राजेंद्र कुमार, शकील बल्खी आदि शामिल थे।

राज. बोर्ड की मुख्य परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि आज

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं व 12वीं की मुख्य परीक्षा–2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की तिथि फिर से पांच सितंबर तक के लिए बढ़ा दी है। अब बिना विलंब शुल्क के साथ बढ़ी हुई तिथि तक आवेदन कर सकेंगे। पूर्व में आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अगस्त निर्धारित थी जिसे पहले दो सितम्बर किया गया और अब 5 सितम्बर कर दिया गया है। परीक्षा के लिए अब तक 19 लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त हो चुके है।

बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा के अनुसार एक अतिरिक्त शुल्क के साथ 10 सितम्बर तक आवेदन कर 13 सितम्बर तक बैंक में शुल्क जमा करवा सकेंगे। असाधारण शुल्क केवल प्राइवेट परीक्षार्थियों के लिए जिला मुख्यालयों पर 27 सितम्बर तक भरे जा सकेंगे। इसका चालान 4 अक्टूबर तक जमा होगा। आवेदन पत्र एवं चालान नोडल केन्द्रों पर जमा कराने के लिए 18 सितम्बर तक समय तय किया गया हैं। रेगुलर स्टूडेंट्स के लिए परीक्षा शुल्क 600 रुपए एवं प्राइवेट स्टूडेंट्स के लिए 650 रुपए निर्धारित किया गया है। प्रैक्टिकल एग्जाम शुल्क 100 रुपए प्रति विषय अलग से देना होगा।

बोर्ड परीक्षा के लिए आवेदन करने वालों में विशेष आवश्यकता वाले छात्र, दृष्टि बाधित एवं दिव्यांग परीक्षार्थी, युद्ध में वीरगति को प्राप्त या अपाहिज सैनिकों के बच्चों, पुलवामा हमले में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को परीक्षा शुल्क से मुक्त रखा गया है। लेकिन इन सभी कैटेगरी के विद्यार्थियों को 50 रुपए टोकन शुल्क जमा कराना होगा। उच्च माध्यमिक, उच्च माध्यमिक (व्यवसायिक) वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा 20 फरवरी 2025 को आरम्भ होगी। माध्यमिक, माध्यमिक (व्यवसायिक) प्रवेशिका परीक्षा 27 फरवरी 2025 को प्रारम्भ होगी।

बारिश से मौसम सुहावना हुआ

गंगापुर सिटी, (निसं)। जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्र में बुधवार दोपहर के बाद से लगातार एक घंटे तक रिमझिम तो कभी तेज बारिश का दौर चला। बारिश से किसान भी खुश दिखाई दिए।

बारिश के बाद तापमान में गिरावट आने से गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिली। तहसील कानूनगो राजेन्द्र जायसवाल के अनुसार गंगापुर सिटी में क्षेत्र में अब तक 842 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। इससे तापमान में गिरावट आने से गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिली है। वहीं, मुरझा रही फसलों को जीवनदान मिला है। एक सप्ताह पूर्व गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल हो गया था। बीच–बीच में एकाध बार कुछ देर के लिए तेज बारिश भी हुई। रिमझिम बारिश के बाद कई जगहों पर सड़कों पर पानी भर गया, जिसके कारण आमजन, राहगीर, वाहन सवारों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

सार-समाचार

सदस्यता अभियान की जानकारी दी

जालोर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के संबंध में बुधवार को भीनमाल शहर में जालोर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली की अध्यक्षता एवं पूर्व जिला महामंत्री मुकेश खंडेलवाल, नेता प्रतिपक्ष प्रवीण दवे, मंडल अध्यक्ष महेन्द्र सोलंकी की उपस्थिति में पत्रकार वार्ता कर, अभियान संबंधित चर्चाएं की गई। पत्रकार वार्ता को प्रारंभ करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली ने बताया की केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार राष्ट्रीय, प्रदेश शुभारंभ कार्यक्रम के पश्चात् जिला स्तरीय शुंभारंभ कार्य किया जाना हैं, जिसका शुभारंभ बुधवार को भीनमाल विधानसभा क्षेत्र के रामसीन में हुआ। उन्होनें बताया कि लोकसभा चुनाव के पश्चात संगठन द्वारा सदस्यता अभियान के माध्यम से भाजपा को और सशक्त एवं समृद्ध संगङ्गन बनाने के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा हैं। उन्होनें बताया की आगामी 25 सितंबर तक चलने वाले इस अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत अधिकाधिक प्राथमिक सदस्यों का निर्माण किया जावें। भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए बताया कि जिले के प्रत्येक बुथ पर न्युनतम 200 व्यक्तियों को सदस्यता ग्रहण करवानी अपेक्षित हैं, वहीं जिला पदाधिकारी अपने सम्पर्कित 500 व्यक्तियों, मंडल पदाधिकारी अपने सम्पर्कित 300 व्यक्तियों और शक्तिकेंद्र के पदाधिकारी अपने सम्पर्कित 250 व्यक्तियों को सदस्य बनाए और जालोर भाजपा का प्रत्येक बुथ अध्यक्ष अपने बुथ पर 250 व्यक्तियों की सदस्यता ग्रहण करवाएं। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली पूर्व जिला महामंत्री मुकेश खंडेलवाल भीनमाल नगर अध्यक्ष महेन्द्र सोलंकी भीनमाल नगर महामंत्री प्रवीण दवे किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पहाडसिंह राव बोरली भाजयुमो जिला मंत्री विकास सोलंकी एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

जातरू सहित कई जनों की बाइक पार

जोधपुर, (कासं) । शहर में अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी हो गई। इसमें एक जातरू की भी बाइक चोरी हुई है। संबंधित थाना पुलिस ने चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरदारपुरा थाने में दी रिपोर्ट में मगरा पूंजला निवासी अर्जुन प्रजापत ने पुलिस को बताया कि वह एमजीएच अस्पताल आया जहां पर दो नम्बर गेट पर उसने बाइक खड़ी की थी जिसको अज्ञात वाहन चोर चुरा ले गया। लूणी थाने में दी रिपोर्ट में शिकारपुरा निवासी केसाराम पुत्र बींजाराम पटेल ने पुलिस को बताया कि अज्ञात बदमाश घर के बाहर खड़ी की उसकी बाइक को चुरा ले गए। राजीव गांधी नगर थाने में दी रिपोर्ट में प्रेमनगर डीसीएम सर्वोदय विद्यालय कोटा के पास रहने वाले जातरू सुरेन्द्र पुत्र उदयलाल चौपदार ने पुलिस को बताया कि वह रामदेवरा जा रहा था इसी दौरान 12 मील केरू पर खड़ी उसकी बाइक को अज्ञात वाहन चोर चुरा ले गया। मंडोर थाने में दी रिपोर्ट में हंसलाव की पोल मंडोर निवासी रमेश गहलोत ने पुलिस को बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी बाइक को अज्ञात वाहन चोर चुरा ले गया। मथानिया थाने में दी रिपोर्ट में स्टेशन रोड़ तिंवरी निवासी पवन कुमार ने पुलिस को बताया कि सेवाराम पेट्रोल पंप तिंवरी पर खड़ी उसकी बाइक को अज्ञात वाहन चोर चुरा ले गए।

बंशीसिंह चौहान अध्यक्ष बने

जालोर, (कासं)। वरिष्ठ नागरिक संस्थान जालोर के जिलाध्यक्ष ऋषिकुमार दवे के निर्देशानुसार उपशाखा आहोर के चुनाव अधिकारी नारायण लाल भट्ट व चुनाव पर्यवेक्षक कानाराम व पी. एल सोनगरा की देख-रेख में निविरोध सर्व सम्मति से सम्पन्न हुए। जिसमें पंचायत समिति सदस्य बंशीसिंह चौहान को अध्यक्ष, गणेशसिंह राजपुरोहित को उपाध्यक्ष, जवेरचंद सोनी को कोषाध्यक्ष, मदनसिंह बालोत को सचिव व भैरूलाल जैन को संरक्षक मनोनीत किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ राजनेता रविन्द्र सिंह बालावते थे। इस अवसर पर नव निर्वाचित अध्यक्ष बंशीसिंह ने वरिष्ठ नागरिको की समस्याओं के निराकरण देत सदैव तत्पर रहने का आश्वासन देते हुए जनहित में अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, वरिष्ठ जनो के लिए रोडवेज पास बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में गेनाराम मेघवाल, श्याम सुन्दर सोलंकी, कुमार पाल मेहता, तेजराज जैन, बाबदास वैष्णव मंछाराम राव, बाराम छीपा, भैरूसिंह राजपुरोहित भंवरसिंह, महावीर जैन सहित कई वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

जालोर में बारिश, कई मार्ग बाधित

जालोर, (कासं)। जिलेभर में मानसून की सक्रियता के चलते झमाझम बारिश से सड़कों पर पानी बहता नजर आया। पानी बहने से कई जगह मार्ग बाधित हो गया। जालोर में करीब डेढ घंटे लगातार बारिश के चलते शहर की सड़को पर पानी नजर आया। वही शहर में नगरपरिषद व पीडब्लयूडी की लापरवाही से बारिश के पानी की निकासी नही करने से शहर में कई जगह सड़को पर पानी भर जाने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पडा। जालोर शहर के कलेक्ट्रेट के समक्ष निकासी की व्यवस्था नही होने से कलेक्ट्रेट में पानी बहने से आमजन को परेशानी उठानी पडी। वही नया बस स्टेण्ड के आगे भी पानी भर जाने से तालाब में तब्दील नजर आया। वही शहर की कई निचली कॉलोनियो में पानी भर से लोगो को पानी से काफी परेशानी उठानी पडी। कई जगह मार्ग क्षतिग्रस्त होने से बारिश का पानी खड्डों में भर जाने से कई वाहन चालक चोटिल हो चुके हैं। वही बुधवार को मूसलाधार बारिश के चलते कई नदी नालो व बांधों में पानी आाया।

कोर्ट से अजगर पकड़ा, जंगल में छोड़ा

रेवदर, (निसं)। रेवदर के निकट सेलवाडा सडक मार्ग पर बीती रात करीब 11बजकर 30 मिनट पर गफ्फार खान को कोर्ट परिसर रेवदर में रात्रि डियुटी में तैनात जवान शेर सिंह के द्वारा रात में फोन पर सुचना मिली कि कोर्ट परिसर के आग अजगर लगभग 7 या 8 फीट है। सूचना मिलते ही गफ्फार खान व उनके भाई सत्तार खान तुरंत मौके पर पहुंचे। अजगर विचरण कर रहा था। समीप ही श्वान के बच्चे को अजगर पकडने वाला ही था कि गफ्फार खान उस अजगर को पकडकर उजाले में लेकर आया। उसके भाई सत्तार खान, मोहमद आसिफ, तस्लीम खान, कालू भाई घाची. गोविन्द, पप्पू भाई . संजय के सहयोग से अजगर को पकडकर और सुरक्षित सेलवाडा रोड जंगल में 11.00 बजे छोड़ दिया।

पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता आज

जालोर, (कासं)। जिला पावर लिफ्टिंग संघ जालोर के तत्वावधान में 5 सितम्बर को जिला स्तरीय सब जूनियर,जूनियर व सीनियर पुरुष एवं महिला उपकरण सहित बेंच प्रेस प्रतियोगिता सुदेलाव तालाब स्थित आर्य हनुमान व्यायामशाला में शाम 6 बजे आयोजित होगी। भाग लेने वाले 5 सितम्बर को दोपहर 12 बजे तक अपनी प्रविष्टियां जमा करा सकेंगे। जिला पावर लिफ्टिंग संघ के सचिव कांतिलाल आर्य ने बताया कि पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के सभी वर्ग के मुकाबले होंगे। पुरुष वर्ग में 59, 66, 74, 83, 93, 105 120 व 120 से अधिक, महिला वर्ग में 47, 52, 57, 63, 69, 76, 84, 84 भार वर्ग के अलग-अलग मुकाबला होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर चयनित जिला पावर लिफ्टिंग टीम 8 व 9 जुलाई को अलवर मे होने वाली 29 वीं राज्य स्तरीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता में जालोर जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

कीटनाशक से कृषक की मौत

जोधपुर, (कास)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती लोरडी पंडितजी गांव में खेत में काम करते हुए एक कृषक के मुंह में कीटनाशक चला गया। जिससे वह अचेत हो गया । उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मगर उपचार के बीच उसकी मौत हो गई। इस बारे में करवड़ थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार करवड़ पुलिस ने बताया कि लोरड़ी पंडितजी निवासी कंवराराम पुत्र कानाराम पटेल ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके पिता कानाराम (68) पुत्र लूम्बाराम पटेल गत माह 28 अगस्त को खेत में कीटनाशक का छिडक़ाव कर रहे थे। तब कीटनाशक उनके मुंह और सांस में चला गया। जिससे वे अचेत हो गए और उन्हें मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मगर अब उनकी मौत हो गई।

झोलाछाप को गिरफ्तार किया

रेवदर, (निसं)।। सिरोही जिले में रेवदर उपखंड क्षेत्र के ब्लॉके चिकित्सा प्रभारी व अन्य डॉक्टर के हरकत में आने से धानेरा में क्लीनिक पर अवैध रुप से ईलाज कर झोलाछाप को मौके से गिरफ्तार किया गया। पूर्व में भी इसकी सूचना ब्लाक चिकित्सा अधिकारियों को दे रखी था। उक्त झोलाछाप डॉक्टर ने खुलेआम इलाज के नाम पर लूट मचा रखी थी। जिसको लेकर रेवदर ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ एस एस भाटी हरकत में आए और कार्रवाई की गई। ईलाज कर रहे झोलाछाप थानाराम पुत्र दरगाराम कोली निवासी धानेरा को दवाइयां के साथ पकड़ा। बीसीएमओ सुमेरसिंह भाटी ने कार्रवाई की।

बाबा के प्राकट्यय दिवस पर आज रहेगा स्थानीय अवकाश

जोधपुर, (कासं) । समरसता के प्रतीक लोक देवता बाबा रामदेव का प्राकट्यय दिवस भाद्रपद सुदी बीज पर पांच सितम्बर को मनाया जाएगा।

हालांकि मसूरिया स्थित गुरु बालीनाथजी की समाधि पर ध्वजारोहण के साथ मेले का आगाज हो गया है। मेला बाबा की दशमी तक चलेगा। बाबा की दूज पर पांच सितंबर को सुबह सवा चार बजे पंचामृत से अभिषेक और फिर फूलमंडली होगी। इसके बाद 108 दीपकों से आरती और सुबह 11 बजे ध्वजा पूजन होगा।

मसूरिया बाबा रामदेव मंदिर का संचालन करने वाले पीपा क्षित्रय समस्त न्याति सभा ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रसिंह चौहान व सचिव नरेंद्र गोयल ने बताया कि मसूरिया स्थित बाबा रामदेव के गुरु बालीनाथ के समाधि मंदिर में गुरुवार सुबह 4.15 बजे 108 ज्योत से श्रृंगार आरती की जाएगी।

दोपहर 11 बजे मन्दिर शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा।समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, विधायक देवेंद्र जोशी व अतुल भंसाली, महापौर वनिता सेठ व कुंती परिहार, समाजसेवी अरविंद मालवीय व आनंद पुरोहित सहित अनेक गणमान्य लोग आएंगे। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में निगरानी और किसी भी अप्रिय घटना रोकने के लिए साठ से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

युगल जोड़ी बाबा रामदेव मंदिर पर ध्वजारोहण होगा

जुगल जोड़ी बाबा रामदेव मंदिर में सैनाचार्य स्वामी अचलानंद गिरि के सानिध्य में नौ दिवसीय धार्मिक समारोह की शुरुआत पांच सितंबर को बाबा रामदेव के प्राकट्यय दिवस पर होगी। सैनाचार्य के प्रतिनिधि रघुवीरसिंह भदावत ने बताया कि पांच सितंबर को हेमलता राजे के मुख्य आतिथ्य, समाजसेवी सुरेश चौधरी की अध्यक्षता व ओलंपिक खिलाड़ी महेश्वरी चौहान के विशिष्ट आतिथ्य में मंदिर शिखर पर सुबह 10.15 बजे ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया जाएगा। धार्मिक समारोह के दौरान 8 सितबर से श्रद्धालु सात दिन तक अनवरत खड़े रहकर बाबा की आराधना करेंगे।

अखंड धूणी महायज्ञ में प्रतिदिन 51 हजार आहुतियां देकर सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। पूर्णारती 1 सितम्बर को शाम 5.15 बजे की जाएगी। इस अवसर पर शोभायात्रा निकाली जाएगी।

दूसरी तरफ जिला कलैक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल ने आदेश जारी कर जोधपुर तथा जोधपुर ग्रामीण जिले में 5 सितंबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। आदेश के अनुसार गुरूवार, 5 सितंबर को बाबा रामदेव मसूरिया मेला (बाबा री बीज) (भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया) का स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

रावण का चबूतरा मैदान में भजन संध्या आज

बाबा रामदेव समाज सेवा संस्थान की ओर से हर साल की तरह आज बाबा की बीज पर रावण का चबूतरा मैदान में विशाल भजन संध्या का आयोजन रात 8 बजे से किया जाएगा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष करण सिंह राठौड़ ने बताया कि एक लाख जातरुओं के सानिध्य में आयोजित भजन संध्या में भजन गायक मोइनुद्दीन मनचला दिलीप गवैया, अनिल देवड़ा, संजय पंचारिया भजनों की प्रस्तुति देंगे ।

साथ ही अंतरराष्ट्रीय कालबेलिया सोनू सपेरा खाटू सपेरा एलजी सपेरा कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति देगी। भजन संध्या में सैनाचार्य अचलानंद गिरी महाराज, रामप्रसाद महाराज पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जेसलमेर बाडमेर बालोतरा के सांसद उम्मेदाराम बेनिवाल, कानून मंत्री जोगाराम पटेल, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी, शहर विधायक अतुल भंसाली, शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी, महापौर वनिता सेठ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

बाबा रामापीर मंदिर में भरा भादवा मेला संत शिरोमणि भाऊ रामचंद्र मार्ग सरदारपुरा स्थित बाबा रामापीर मंदिर में भादवा मेला आज हर्षोल्लास के साथ भरा गया।

विश्व बंधुत्व का संदेश देने के लिए अभियान चलाया

जोधपुर, (कासं) । वैचारिक पुनर्जागरण के प्रतीक स्वामी विवेकानंद ने शिकागो धर्मसभा में भारतीय सनातन व संस्कृति की पताका को सम्पूर्ण विश्व के धर्म गुरुओं के मध्य लहराने का जो ऐतिहासिक कार्य किया था, वह आज भी विश्व का पथ प्रदर्शन कर रहा है और भविष्य में भी वैश्विक असहिष्णुता, धार्मिक संकीर्णता व आर्थिक, वैचारिक मतभेद की समस्याओं को सुलझाने का कार्य करता रहेगा। ये विचार विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी शाखा जोधपुर की ओर से विभिन्न विद्यालयों में विश्व बंधुत्व का संदेश पहुंचाने के अभियान का आगाज करते हुए उप प्राचार्य एनके प्रजापति ने मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

सोहनलाल मनिहार विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उप प्राचार्य प्रजापति ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म सभा में भारतीय संस्कृति और सभ्यता को संपूर्ण विश्व के सामने उदारवादी संस्कृति के रूप में रखा है। स्वामी विवेकानंद का ये वैश्विक धार्मिक व सांस्कृतिक नाद ही प्रति वर्ष 11 सितंबर को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर केंद्र के नगर प्रमुख डॉ. अमित व्यास ने बताया कि अमेरिका के व्याख्यान से स्वामी विवेकानंद संपूर्ण विश्व में पूजनीय बने। इस कारण दिवस को विश्व बंधुत्व के रूप में मनाया जाता है। केंद्र द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्वामीजी का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करता रहा है। इसी कड़ी में विश्व बंधुत्व दिवस पखवाड़े का आयोजन केंद्र की ओर से किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जोधपुर के विभिन्न विद्यालय और महाविद्यालय में केंद्र की ओर से व्याख्यानों का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के संयोजक मनीष राठौड़ ने बताया कि पहले दिन सोहनलाल मनिहार विद्यालय में व्याख्यान के दौरान मुख्य वक्ता एनके प्रजापति ने विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद की बचपन की घटनाओं को सुनाते हुए उनके विशिष्ठ गुणों से अवगत कराया। कार्यक्रम संचालन अध्यापिका सुनंदा पुरोहित ने किया।

प्राचार्य अनिता कक्कड़ ने विवेकानंद केंद्र का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ एवं केंद्र के कार्यकर्ता भगवान पंवार व हिमांशु आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की रीजनल कॉन्फ्रेंस शुरू

जोधपुर, (कासं) । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आयुष्मान भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर इस दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि गांव-ढाणी तक प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने में आयुष्मान आरोग्य मंदिर जन स्वास्थ्य की प्रमुख धुरी के रूप में काम करेंगे।

सिंह बुधवार को जिले में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की चतुर्थ रीजनल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। सात राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के लिए इस कांफ्रेंस की मेजबानी एनएचएम राजस्थान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक कॉम्प्रीहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर, क्वालिटी एण्ड पेशेंट सेफ्टी, इण्डियन पब्लिक हैल्थ स्टैण्डर्ड, कम्यूनिटी प्रोसेसेज, मानव संसाधन, निःशुल्क दवा आपूर्ति एवं स्वास्थ्य के आधारभूत ढांचे का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सिंह ने एनएचएम की शुरूआत के समय के अपने अनुभवो को भी साझा किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक एनएचएम आराधना पटनायक ने कहा कि आगामी दो वर्षों में देशभर में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए 1 लाख 73 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को क्रियाशील किया जाएगा। यहां 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए सीएचओ एवं अन्य स्वास्थ्य कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्टक्चर मिशन के तहत गांव-ढाणी तक चिकित्सा के आधारभूत ढांचे को चरणबद्ध रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

अतिरिक्त सचिव ने कहा कि ग्रामीण स्तर तक आमजन को बेहतर सेवाएं देने के लिए हमें हैल्थ फैसेलिटी की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही, दवाओं के आपूर्ति तंत्र को भी और सुगम बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों पर संपादित होने वाली गतिविधियों को और सरल करने के लिए विभिन्न पोर्टल्स को इंटीठोटेड रूप में संचालित किया जाएगा। उन्होंने राज्यों से अपेक्षा की कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का निचले स्तर तक पूरा लाभ पहुंचाने के लिए हर स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा की जाए।

मिशन निदेशक, एनएचएम राजस्थान डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने स्वागत उद्बोधन दिया।

इस अवसर पर भारत सरकार के संयुक्त सचिव नीति सौरभ जैन, कार्यकारी निदेशक एनएचएसआरसी अतुल कोटवाल, लक्षद्वीप के स्वास्थ्य सचिव अवनीश कुमार सहित गोवा, झारखण्ड, कर्नाटक, लक्षद्वीप, राजस्थान, दादर नागर हवेली, दमन, उड़ीसा, पुदुचैरी एवं दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे।

कार्यशाला के प्रथम दिन विभिन्न सत्रों में कई अन्य विषयों पर चर्चा की गई। गुरूवार को विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागी प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों का भ्रमण करेंगे।

बाल गृहों का निरीक्षण किया

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार विक्रम सिंह भाटी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश), पाली द्वारा राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह, पाली तथा राजकीय शिशु गृह, पाली का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सचिव भाटी द्वारा राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह तथा शिशु गृह की साफ-सफाई, बालकों के लिये स्वच्छ कपड़े, बिस्तर, भोजन व आहार, चिकित्सा व्यवस्था, पालनागृह, भवन की भौतिक स्थिति, मौसम के अनुकूल पर्याप्त संख्या में कूलर/ए.सी. की उपलब्धता आदि व्यवस्थाओं बाबत् जायजा लिया। साथ ही सचिव भाटी द्वारा गृह में आवासित बालकों से वार्तालाप किया गया तथा गृह में मिलने वाली सुविधाओं तथा अध्ययन के संबंध में जानकारी ली गई। बालकों द्वारा गृह में पर्याप्त पोषित आहार तथा नाश्ते में आवश्यकतानुसार चाय एवं दूध उपलब्ध करवाया बताया। गेम्स में केरम, सांप सीढ़ी, लुड़ो इत्यादि है। चिकित्सक द्वारा नियमित रूप से विजिट कर स्वास्थ्य जांच की जाती है। सुमन परिवीक्षा अधिकारी, पुष्पलता टांक सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, डॉ. परेश दवे, शिशु रोग विशेषज्ञ, खुमाराम बाल न्यायमित्र आदि उपस्थित रहे।

पाली में सड़कों पर घूमते आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई जारी

पाली, (नि.सं.)। जिला कलैक्टर एलएन मंत्री के निर्देशो की पालना मे 28 अगस्त से निरन्तर नगर परिषद् सीमा क्षेत्र मे मुख्य मार्गो से आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही नगर परिषद् द्वारा की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर परिषद आयुक्त ने बताया कि मंगलवार को गांधी मूर्ति से सुभाष सर्किल होते हुए मिलगेट तक सड़क मार्ग पर विचरण कर रहे आवारा पशुओ को पकडने की कार्यवाही कर गौरक्षा सेवा समिति बाईपास मानपुरा भाखरी गौशाला मे 15 गौवंश छोडे गये।

इस प्रकार से परिषद् द्वारा सतत् कार्यवाही करते हुए कुल 84 आवारा गौवंशो को पकड कर पाली शहर के आस-पास गौशाला मे भिजवाये जा चुके है और आगे भी निरन्तर आवारा गौवंशो को पकडने की कार्यवाही की जायेगी। क्योंकि शहर मे आवारा पशुओ की वजह से सड़कों पर आमजन के साथ दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है और रात के समय मे अधिकांश आवारा पशुओ के सड़को के बीच बैठने से भी वाहनो को दिक्कत का सामना करना पडता है।

उन्होंने इस संबंध में सभी पशुपालको से अपील की कि शहर के मुख्य मार्गो व गली मौहल्ले मे जिस किसी के भी निजी पशु आवारा पशुओ को पकडने की कार्यवाही कर दौरान उन्हे भी पकड कर ले जाने की कार्यवाही की जायेगी और उन सभी पशुओ को पाली शहर की अधिसूचित गौशालाओ मे छोडा जाएगा और गौशाला मे रसीद दिखाने पर ही छोडा जाएगा।

इसके उपरांत दुबारा पकडे जाने पर राज्य सरकार के निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी पशुपालक की होगी। उन्होंने सभी पशुपालको से अपील कि है कि वे स्वयं अपने-अपने पशुओ को अपने निर्धारित स्थान पर बांध कर रखे।

अवकाश घोषित

जालोर, (कासं)। जिला निर्वाचन अधिकारी पूजा पार्थ ने आदेश जारी कर भीनमाल नगरपालिका के वार्ड संख्या 20 में सदस्य पद के उप चुनाव के लिए मतदान दिवस 5 सितम्बर, गुरूवार को संबंधित क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

घर में युवक ने फंदा लगाकर दी जान

जोधपुर, (कास)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 9 में रहने वाले एक युवक ने अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी।

आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। पुलिस ने कार्रवाई कर शव परिजन को सुपुर्द किया।

इस बारे में देवनगर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

देवनगर थाने में दी रिपोर्ट में 9 सेक्टर चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड निवासी प्रदीप उर्फ बंटी पुत्र रमेश सिंधी ने पुलिस को बताया कि उसके भाई नरेन्द्र सिंधी ने अपने कमरे में पंखे से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। पुलिस ने मर्ग उपरांत शव को परिजन के सुपुर्द किया।

नशे के दुष्प्रभाव बताए

जालोर, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान व परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत बुधवार को सायला के टैगोर पब्लिक स्कूल में आयोजित ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम में ''विकसित भारत का मंत्र, देश हो नशे से स्वतंत्र'' की थीम पर बच्चों को नशा मुक्ति शपथ दिलवाने के साथ ही नशा मुक्ति जागरुकता के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में शिक्षा विभाग के प्रधानाचार्य लहरीराम ने बच्चों को अपने परिवार के सदस्यों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में अवगत करवा नशे से दूर रहने की बात कही। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक राजीव कुमार सुथार ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गतिविधियों के बारे में जानकारी दी तथा नशे के दुष्प्रभाव के बारे में अवगत करवाते हुए कहा कि ज्यादातर अपराध नशा के कारण ही होते है।

उन्होंने युवाओं को नशे के विरूद्ध समाज को जागृत कर उन्हें नशामुक्ति की दिशा में प्रोत्साहित करते हुए हेल्प लाइन नंबर 14446 का प्रचार-प्रसार किये जाने की बात कही।

चिकित्साधिकारी डॉ. भीमनाथ ने नशे से व्यक्ति में होने वाले शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए नशे से दूर होने के उपायों के बारे में अवगत करवाया। परिवहन निरीक्षक मनीष माथुर ने बच्चों को सड़क के नियमों के बारे में जानकारी देने के साथ ही सड़क सुरक्षा के नियमों को समझाया।

नशा मुक्ति केंद्र के प्रभारी सुरेश बिश्नोई ने नशा मुक्ति के उपायों और केंद्र पर दी जाने वाली सुविधाओ के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विश्व विख्यात बाबा रामदेवरा मेले का विधिवत शुभारंभ आज

पोकरण /रामदेवरा, (निसं)। भगवान श्रीकृष्ण के कलयुगी अवतार बाबा रामदेव की अवतरण तिथि भादवा शुक्ला द्वितीया-गुरुवार को अन्तर प्रान्तीय जग विख्यात 640 वां रामदेवरा मेला विधिवत रूप से प्रारम्भ हो रहा है। गुरुवार को प्रात: बाबा की कर्मस्थली रामदेवरा में ब्रहम मुहर्त में मंगला आरती के अवसर पर बाबा रामसापीर की समाधी के मस्तक पर स्वर्ण मुकुट प्रतिष्ठापन के साथ वार्षिक भादवा मेले का विधिवत शुभारम्भ होगा।

जिला कलैक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि साम्प्रदायिक सद्भाव के प्रतीक सुविख्यात बाबा रामदेवरा मेले के दौरान इस बार लगातार श्रद्धालुओं की दिनोदिन बढ़ती जा रही भक्तिभावना व भक्तजनों की अधिकाधिक आवक को मध्यनजर रखते हुए रामदेवरा मेले मे विधिवत शुभारम्भ से पूर्व ही जिला प्रषासन एवं पुलिस प्रषासन तथा मेला प्रषासन द्वारा मेलार्थियों के लिए प्रषासनिक व्यवस्थाएं प्रारम्भ कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि मेले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस का पर्याप्त जाब्ता लगाया गया है। वहीं चिकित्सा, पेयजल, विद्युत, सफाई व्यवस्था एवं अन्य आवष्यक व्यवस्थाएं सुचारू रूप से जुटाई जाकर संचालित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि मेला प्रषासन द्वारा मेलार्थियों की सुविधा के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मेले की हर गतिविधियों पर कडी नजर रखने के लिए क्लोज सर्किट कैमरे लगाए गए है। उन्होंने बताया कि मेले के आयोजन के लिए सभी प्रशासनिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने बताया कि भादवा शुक्ला द्वितीया को बाबा के भक्तजनों की भारी भीड़ को देखते हुए लाईन में खड़े मेलार्थियों के लिये बाबा की समाधि के दर्शन के लिए पुख्ता प्रबन्ध किये गये है ताकि भक्तजन बिना परेशानी के दर्शन कर सकें।जिला कलक्टर ने बताया कि मेला व्यवस्थाओं के सफल संचालन के लिए मेलाधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी पोकरण प्रभजौतसिंह गिल, विकास अधिकारी नरपतसिंह, सरपंच रामदेवरा समन्दरसिंह तंवर सत्त रुप से मॉनेटरिंग कर रहे हैं एवं मेलार्थियों के लिए बेहतर सेवाएँ जुटा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि रामसरोवर तालाब पर मेलार्थियों की सुरक्षा के लिए एनआरएफ के कुशल तैराक मय मोटर बोट के साथ तैनात हैं, जो चौबीस घण्टे सजग रह रहे हैं ताकि तालाब में कोई भी व्यक्ति डूबे नहीं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत रामदेवरा द्वारा मेले में साफ- सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेला व्यवस्थाओं से जुडे सभी अधिकारीगण अपनी सेवाऐ निरन्तर दे रहे है।

उन्होंने बताया कि विषेष रूप से मेलार्थियों को शुद्ध खाद्य सामग्री मिलती रहे इसके लिए समय-समय पर खाद्य सामग्री के सैम्पल लिए जा रहे हैं एवं चिकित्सा विभाग द्वारा लगाए गए खाद्य निरीक्षक पूर्ण सजगता के साथ दुकानों की चैकिंग कर रहे हैं। भारी संख्या में मेलार्थी शांतिमय वातावरण में बाबा की समाधी के दर्षन कर रहे है तथा रामदेवरा स्थित अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि देश के कौने-कौने से रामदेवरा मेले में दूर दराज आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बेहतर ढंग से कडे प्रबंध किए गए है एवं पर्याप्त मात्रा में पुलिस जाप्ता तैनात है वहीं सादी वर्दीधारी के पुलिसकर्मी भी अपनी चौकस सेवाएं दे रहे है। उन्होंने कहा कि रामसरोवर तालाब पर भी पुलिस के पुख्ता इंतजाम है। उन्होंने बताया कि मेले में यातायात की व्यवस्था के लिए भी पर्याप्त मात्रा में यातायात पुलिस कर्मी तैनात है। मेलाधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी पोकरण प्रभजौतसिंह गिल ने बताया कि मेले में दर्षनार्थियों की भारी संख्या रह रही है तथा सवेरे-सवेरे से ही श्रद्धालूगण लम्बी-लम्बी कतारों में खडे होकर अपनी बारी के अनुरूप श्रद्धा भावना सहित अपने ईष्ट देव बाबा रामसापीर की समाधि के सुगमतापूर्वक दर्षन कर रहे है।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को बाबा की समाधी के सुचारू रूप से सुविधापूर्वक दर्षन करवाने की व्यवस्था सुनिष्चित की गयी है। उन्होंने बताया कि बाईस घण्टे निज मन्दिर खुला रखा रहा है जिससे भक्तजन आसानी से दर्शन कर रहे है।

उन्होंने बताया कि मेले में वाहनों के पार्किंग की समुचित व्यवस्था होने से मेले में आने वाले यात्रियों के वाहनों की पूरी सुरक्षा है वही पार्किग होने के कारण मेला परिसर में वाहन भी अन्दर नही आ रहे है।

उन्होंने बताया कि पार्किग स्थल पर बडी गाडियां,छोटी गाडिया व दुपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग जगह चिन्हित की जाकर उनकी पार्किग व्यवस्था रखी गई है इसके साथ ही पार्किग स्थल पर टेन्ट व शीतल मीङ्गे पेयजल की व्यवस्था की गई है। मेलार्थियों के लिए अस्थाई व चल शौचालय पर्याप्त मात्रा में लगाए गए है। विकास अधिकारी ने बताया कि मेले सफाई व्यवस्था को सात जोन में विभक्त किया जाकर पर्याप्त मात्रा में सफाई कर्मचारियों के माध्यम से रामदेव नगरी को स्वच्छ एवं साफ सुथरा किया जा रहा है। इसके साथ ही सूचना केन्द्रो के संचालन होने से अपने परिजनों से बिछुडने वालो को पुन: मिलाया जा रहा है। वहीं इन केन्द्रो के माध्यम से जेब कतरों से सावधान रहने, अपने सामान की हिफाजत स्वयं करने के साथ ही मेलाधिकारी के आवश्यक संदेश प्रसारित किये जा रहे है। सरपंच समन्दरसिंह तंवर ने बताया कि मेले में मेलार्थियों की सुविधा के लिए रामदेवरा में विभिन्न स्थलों पर बडे डोम भी लगाए गए है जिसमें मेलार्थी आसानी से विश्राम कर रहें है। मेले में जलदाय विभाग द्वारा कतार में खडे भक्तजनों के लिए पीने के पानी की समुचित व्यवस्था की गई है।

विभाग द्वारा टुंटियां लगे हुए टैंकर खडे किये हुए है, इस बार वही स्काउट गाईड द्वारा लोगो को मीङ्गा पानी पिलाया जा रहा है।

मेले में मन्दिर समिति द्वारा भी बाबा के भक्तों के लिए दर्शन व्यवस्था व भोजन इत्यादि की अच्छी व्यवस्थाएं जुटाई गई है। इसके साथ ही विद्युत विभाग द्वारा मेले में चौबीस घण्टे विद्युत सप्लाई दी जा रही है जिससे मेले में रोषनी कर उचित व्यवस्था है वहीं रामसरोवर तालाब पर भी मास्क लाईट की भी उचित व्यवस्था की गई है।

जन्म वाचन महोत्सव मनाया

जोधपुर, (कासं) । खेरादियों का बास स्थित राजेन्द्र भवन में पर्युषण महापर्व के दौरान पांचवें दिन प्रभु महावीर के जन्म वाचन महोत्सव को धूमधाम से मनाया गया।

साध्वी कारुण्य लता ने कहा कि लाखों-करोड़ो जिंदगियों को आज का दिन नसीब हुआ, लेकिन प्रभु महावीर का जन्म सत्कर्म के लिए हुआ। उनके द्वारा अपने जीवन में ऐसे ही कर्म किए गए कि आज सारा विश्व उन्हें नमन करता है।

आज दोपहर में कल्पसूत्र का वाचन प्रारंभ हुआ। इसके पश्चात प्रभु महावीर के माता त्रिशला के गर्भ में आने से पूर्व देखे गये चौदह स्वप्नों की का चढ़ावा बोला गया, जिसमे धर्म प्रेमियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इन सभी सपनों को लाभार्थी परिवारों द्वारा दर्शन कराये गये। इसके पश्चात अक्षत उछाल कर तथा श्रीफल बधार कर जन्म कल्याणक के गीत गाये।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
स्थान – क्र. 8, जयपुर महानगर द्वितीय
पुष्पराज शर्मा विरूद्ध बाबूलाल शर्मा वगैरह
वाद बाबत स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सख्या : 78 सन् 2023
बनाम– 1. श्रीमती आशा शर्मा पत्नी स्व. राजेश शर्मा
स्थान– हाल कार्यरत राजकीय सी. सैकण्डरी स्कूल खारियानीव, सोजत, पाली (राज.) मो. 9001371828
2. कुमारी फाल्गुनी शर्मा पुत्री स्व. राजेश शर्मा
स्थान– हाल विद्यार्थी राजकीय सी. सैकण्डरी स्कूल खारियानीव, सोजत, पाली (राज.) मो. 9001371828
3. हेमन्त शर्मा पुत्र स्व. राजेश शर्मा
स्थान– हाल विद्यार्थी राजकीय सी. सैकण्डरी स्कूल खारियानीव, सोजत, पाली (राज.) मो. 9001371828
ने आपके विरूद्ध........ के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 09.09.2024 को दिन में..... बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हों अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 31.08.2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर न्यायालय
आज्ञा से - रीडर प्रथम
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम सं. 8, जयपुर महानगर द्वितीय

कार्यालय ग्राम पंचायत फतेहगढ ,(पंचायत समिति,फतेहगढ जिला जैसलमेर)
क्रमांक:- ग्राप/फतेहगढ/2024-25/29 दिनांक: 04/09/2024
ई-निविदा सूचना संख्या 03/2024-25
ग्राम पंचायत फतेहगढ में वित्तीय वर्ष 2024-25 में महानरेगा योजना एवं पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के अन्तर्गत करवाये जाने वाले निर्माण कार्यो के लिए उपयोग में ली जाने वाली सामग्री हेतु सामग्री आपूर्ति वार्षिकी दर संविदा पर क्रय करने हेतु वाणिज्य कर विभाग में पंजीक्रत ठेकेदारो/फर्मो से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है, इन कार्यो की अनुमानित लागत निविदा शुल्क निविदा बेचे जाने तक खुलने की तारीख धरोहर राशि प्रोसेसिग फीस व निविदा विशिष्टिाया आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर कार्यालय समय मे कार्यालय देखा जा सकता है। इच्छूक संवेदको को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in से पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है ।
नोट - कार्यालय ग्राम पंचायत फतेहगढ पंचायत समिति फतेहगढ जिला जेसलमेर में जमा करवाने होगे ।
NIB Code - PFT2425A0065
BID/UBN - PFT2425GLRC00079
सरपंच/ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत फतेहगढ
पंचायत समिति फतेहगढ जिला जैसलमेर

ऋषभदेव में आठ इंच बारिश दर्ज, हाईवे पर पांच-पांच फीट पानी भरा

पानी जमा होने के कारण उदयपुर-अहमदाबाद हाईवे छः घंटे तक जाम रहा

उदयपुर की स्वरूपसागर के चारों गेट दो-दो फीट खोले।

- मोरवानिया पुलिया पानी के बहाव में बह गई, जिससे उभयेश्वर व अन्य गांवों का सम्पर्क टूटा
- पीछोला झील के छलकने से ओवरफ्लो हुए स्वरूपसागर पर दूसरे दिन भी चादर चल रही है

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में 10 दिनों में हुई बारिश ने शहर के झीलों की सूरत ही बदलकर रख दी है। उदयपुर शहर की प्रमुख झीलें व नदी-तालाब इस बार मानसूनी चक्र के बीतते माह के बीच छलकने की राह देख रहे थे। वहीं 24 अगस्त को मौसम विभाग के अलर्ट के बीच शुरू हुई बारिश ने नदी-नालों को उफान पर ला दिया और उसके बाद दो दिन से हो रही बारिश ने इस ऊफान को 'ओवरफ्लो' कर दिया। शहर की सीसारमा नदी 10 फीट के वेग से बह रही है। वहीं शहर की फतहसागर झील भी छलकने से अब केवल ढाई फीट खाली है। मदार नहर व रानी रोड़ हवाला गांव से आ रही नहर से इसमें दो तरफा आवक हो रही है और बीते 36 घंटों में इसमें सवा दो फीट पानी की आवक हुई है।

जानकारी के अनुसार मुख्यालय से 15 किमी दूरी पर कोडियात रोड़ पर स्थित मोरवानिया पुलिया पानी के बहाव के साथ बह गई जिससे उभयेश्वर व अन्य गांवों का सम्पर्क टूट गया। वहीं ऋषभदेव में हुई 8 इंच (202 मिमी) बारिश से उदयपुर-अहमदाबाद हाईवे पर केसरियाजी के समीप हाइवे पर पांच-पांच फीट पानी जमा होने से यह छह घंटे जाम रहा। शाम तक जाम की स्थिति साफ हुई और यातायात सुचारू हुआ। इधर, शहर का सबसे बड़ा 32 फीट क्षमता वाला बड़ी तालाब छलकने के करीब है। इसमें तेजी से हो रही आवक के चलते यह देर रात छलक सकता है।

शहर में मानसून के दो माह बेरूखी के बितने के बाद 24 अगस्त से बारिश की शुरूआत हुई और इस बारिश ने बूस्टर डोज के रूप में झीलों में पानी की आवक शुरू करवाई। सीसारमा नदी के चलने के साथ पीछोला का जलस्तर लगातार बढ़ता रहा और अलर्ट की इस अनवरत बारिश ने मदार नहर को भी 28 अगस्त को चला दिया। हल्की आवक के साथ शुरू हुआ फतहसागर भरने का क्रम अब तेजी से फतह की ओर बढ़ रहा है। झील का जलस्तर शाम पांच बजे तक 11 फीट 6 इंच हो गया। इसमें बीते 36 घंटे में सवा दो फीट पानी आया है। यहीं आवक बनी रही तो यह झील शनिवार तक छलक सकती है। इधर कोडियात रोड़ स्थित मोरवानिया से बड़ी तालाब में तेजी से आवक हुई और सुबह साढ़े तीन फीट खाली बड़ी तालाब शाम तक छलकने से केवल दो इंच दूर रह गया। यह तालाब आज रात या गुरूवार सुबह तक छलक जाएगा। मोरवानिया तालाब की पुलियां टूटने से इसके आसपास के गांव उभयेश्वर आदि का सम्पर्क टूट गया।

पीछोला झील के छलकने से ओवरफ्लो हुए स्वरूपसागर पर दूसरे दिन भी चादर चल रही है। सीसारमा नदी का वेग कम होने के बाद देर रात हुई बारिश ने इसका वेग बुधवार सुबह फिर बढ़ा दिया और यह 13 फीट क्षमता से बहने लगी जो शाम तक 10 फीट तक बह रही है। इससे हो रही तेजी से आवक को स्वरूपसागर के चारों गेट को दो-दो फीट खोलकर आयड़ नदी में प्रवाहित कर उदयसागर झील में समाहित किया जा रहा है। उदयसागर के दोनो गेट 7-7 फीट खुले हुए है। प्रातः 8 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में उदयपुर शहर में 43 मिमी, देवास स्टेज प्रथम पर सर्वाधिक 70 मिमी, मदार 47, नाई 40, वल्लभनगर में 22 व उदयसागर पर 18 मिमी बरसात रिकॉर्ड की गई।

माही डेम के गेट खोलने के बाद बेणेश्वर धाम टापू बना

सोमकमला आंबा बांध के गेट संख्या 1, 2, 12 और 13 को आधा-आधा इंच खोला, 15940 क्यूसेक पानी की निकासी जारी

संभाग का सबसे बड़ा सोमकमला आम्बा बांध के भराव क्षमता को पूर्ण होने पर गेट खोले गये।

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में तीन दिन से रुक-रुक कर बारिश का दौर चल रहा है। जिले के छोटे-बड़े बांध, तालाब छलकने लगे हैं। जिले के सबसे बड़े सोमकमला आंबा बांध के चार गेट खोल दिए गए हैं। बांसवाड़ा के माही डेम के गेट खोलने के बाद बेणेश्वर धाम फिर से टापू बन गया है। जिले के 10 बांधों पर पानी की चादर चल रही है।

जिले में मंगलवार रातभर रुक-रुक कर हल्की और रिमझिम बरसात का दौर चलता रहा। बुधवार सुबह के समय आसमान में बादल छाए रहे और हल्की रिमझिम बारिश हुई। वहीं बरसात के चलते जिले के सबसे बड़े सोमकमला आंबा बांध के मंगलवार शाम के समय दो गेट खोले गए थे, लेकिन डेम में पानी की आवक बढ़ने की वजह से देर रात को 2 गेट और खोल दिए गए। डेम के अभी गेट संख्या 1, 2, 12 और 13 को आधा-आधा इंच खोला गया है।

चारों गेट से 15 हजार 940 क्यूसेक पानी की निकासी हो रही है। डेम में सोम कागदर देव सोमनाथ और गोमती नदी से 10 हजार 138 क्यूसेक पानी की आवक चल रही है। जिले के मारगिया अमरपुरा, वात्रक आकरसोल का नाका, भादर सहित 10 डेम पर पानी की चादर चल रही है।

सोमकमला बांध के साथ ही बांसवाड़ा के माही डेम के भी 4 गेट खुले होने से प्रसिद्ध आस्था के केंद्र बेणेश्वर धाम टापू बन गया है। साबला, वालाई और बांसवाड़ा के तीनों पुलिया पर 3 से 5 फीट तक पानी बह रहा है। इससे धाम टापू बन गया है। पुजारी सहित कुछ व्यापारी फंसे हुए हैं, हालांकि उनके खाने पीने और ठहरने के तमाम इंतजाम धाम पर हैं। वहीं पुलिस और प्रशासन की ओर से धाम पर आने-जाने वाले लोगों को अलर्ट किया जा रहा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार बुधवार सुबह 8 बजे तक सर्वाधिक बारिश आसपुर में 2 इंच रिकॉर्ड की गई है। डूंगरपुर में 4, देवल में 6, फलोज में 6, कनबा में 10, सागवाड़ा और ओबरी में 3, गलियाकोट में 4, चिखली में 8, गणेशपुर में 33, बनकोड़ा में 2, साबला में 2, निठाउवा में 15, गामडी अहाड़ा में 8 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

हिण्डौन में सवा चार इंच बारिश दर्ज, बाजार जलमग्न हुये

हिण्डौनसिटी में तेज बरसात से कई जगह पानी भर गया।

हिण्डौन सिटी, (निसं)। हिण्डौन शहर सहित आसपास के क्षेत्र में दो सप्ताह से अधिक समय तक चले झमाझम बारिश के दौर से जलमग्न हुए बाजारों में रौनक लौटने लगी थी, तो वहीं बुधवार शाम अचानक फिर से झमाझम बारिश का दौर शुरू हुआ। करीब एक घंटे तक चली इस बारिश से बाजार फिर से जलमग्न हो गए।

जानकारी के अनुसार डेढ़ घंटे तक हुई झमाझम बारिश में लगभग सवा चार इंच बारिश दर्ज हुई। इधर शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी भारी बारिश हुई, जिससे खेत लबालब हो गए। किसानों का कहना है कि गत एक महीने से चल रही इस बारिश के दौर से बाजरे की फसल पूरी तरह चौपट हो चुकी है। इस दौरान शहर के बाजारों में 4 से 5 फीट पानी भर गया। रास्ते ही नहीं सैकड़ों दुकानें भी लबालब हो गई और व्यापारियों को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ। 17 दिन तक कटरा बाजार, कंबलवाल गली, शीतला चौराहा, डेंप रोड, सर्राफा बाजार आदि क्षेत्र में दुकानें पूरी तरह बंद रही।

जोधपुर में मूसलाधार बारिश, कई गाड़ियां पानी में बही

जोधपुर में मूसलाधार बारिश से कई गाड़ियां पानी में बहती नजर आई।

- भारी बारिश के कारण जोधपुर रेलवे स्टेशन पर पानी भरा, जीआरपी थाने में भी पानी घुस गया

जोधपुर, (कासं)। प्रदेशभर में दक्षिण-पश्चिमी मानसून फिर से सक्रिय होने के साथ जोधपुर में जमकर बारिश हो रही है। औसत से कई ज्यादा बारिश इस बार में मानसून में हो चुकी है। अभी इसका प्रभाव सितंबर माह तक रहने के आसार है। मारवाड़ में भी इस बार मानसून काफी मेहरबान रहा है। लगातार बारिश से खेतों में पहले से भरा पानी सूखने का नाम नहीं ले रहा है। मारवाड़ के कई हिस्सों में मंगलवार की रात से ही बादल टूटकर बरस रहे है। बुधवार को जोधपुर शहर और ग्रामीण इलाकों में डेढ़ से दो घंटे तक जमकर बारिश हुई। इससे शहर की सड़कें तालाब और तलैया बन गई। सुबह के समय ड्यूटी पर जाने वाले लोग बारिश बंद होने का इंतजार करते रहे तो जो निकले वे बारिश के पानी में फंस गए।

जानकारी के अनुसार जोधपुर शहर के ड्रेनेज सिस्टम हर बार भारी बारिश में फेल हो जाता है, ऐसा ही आज भी हुआ। बनाड़ क्षेत्र के निवासी पहले से ही पानी में फंसे हुए और आज फिर जमकर हुई बारिश से वहां पर फिर पानी जमा हो गया है। शहर में आज शायद ही कोई ऐसा मार्ग बचा हो जहां पानी जमा ना हो। चहुंओर पानी ही पानी नजर आया। इस बार बाबा के दर्शनाथ आए हुए देशभर के हजारों जातरूओं को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। हालांकि जगह जगह भण्डारे होने से उन्हें थोड़ी राहत मिल रही है।

जोधपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार की रात्रि से हो रही कहीं-कहीं पर मूसलाधार बारिश के कारण जहां सड़कें तालाबों और बरसाती नालों का रूप ले चुकी है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में कच्ची और पक्की आवासीय बस्तियों में बरसाती पानी भर गया। सुबह सालोड़ी क्षेत्र में हो रही भारी बरसात के कारण नदी नाले उफान पर हैं। निकटवर्ती चामुण्डा गांव की एक छात्रा सुबह परीक्षा के लिए बोलेरो में सवार होकर निकली मगर बोलेरो पानी में फंस गई और बहने लगी। तब आसपास के ग्रामीणों ने तुरंत बचाव और राहत कार्य कर बोलेरो में सवार युवती और उसके दो परिजनों को तो बाहर निकाल दिया लेकिन बोलेरो बहकर चली गई। वहीं हर बार की तरह आज भी बनाड़ रोड़ पर बरसाती नाले के उफान पर आ जाने से गणेश होटल से लेकर बनाड़ तक का रास्ता दरिया बन गया। पुराने शहर में नवचौकिया से लेकर जालोरी गेट और आड़ा बाजार से लेकर मेड़ती गेट और नागौरी गेट, सूरसागर, चांदणा भाखर, हाऊसिंग बोर्ड, बासनी सांगरिया और लूणी तथा झंवर क्षेत्र में भी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई लोगों की गाड़ियां पानी में बह गई तो कईयों की गाड़ियां पानी में फंसने से बंद हो गई।

इधर भारी बारिश के कारण जोधपुर रेलवे स्टेशन पर भी पानी भरने के साथ राइकाबाग-जैसमलेर मार्ग पर तो पटरियों के नीचे से गिट्टी और मिट्टी बह जाने के कारण रेल यातायात को रोकना पड़ा जबकि सड़क यातायात भी बुरी तरह से प्रवाहित हो रखा है।

मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 4 ट्रेनें रद्द की गई है व दो को आंशिक रद्द किया गया है। भारी बारिश से रेलवे ट्रैक के नीचे से मिट्टी गिट्टी हटने से ट्रेनें प्रभावित हुई हैं।

रेलवे स्टेशन पर स्थित जीआरपी थाने में भी करीब एक से डेढ फुट तक पानी भर जाने के कारण वहां रखे कम्प्यूटर और अन्य सामान भी पानी से बचाने के लिए पुलिस कर्मी जतन करते देखे गए। वहीं शहर के महात्मा गांधी, मथुरादास माथुर अस्पताल और उम्मेद अस्पताल क्षेत्र में भी पानी भर गया।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी- रॉक फॉस्फेट, झामरकोटड़ा, पी.ओ.- झामरकोटड़ा-313015, वाया एवं जिला- उदयपुर (राजस्थान), ई मेल :- krishanbihari.rsmml@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 03/09/2024

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
Tender No. 12/24-25 दिनांक 31.08.2024 खोलने की दिनांक 25.09.2024 UBN No. MML2425SLOB00109	झामरकोटड़ा के लिए किराय पर एम्बुलेंस चालक सहित लेने हेतु अनुमानित राशि 15,00,000/— लाख, धरोहर राशि 30000/— निविदा प्रपत्र मूल्य 590/—, प्रोसेसिंग फीस 1000/— रू.

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा (डीसीएमओ झामरकोटड़ा डिस्पेंसरी) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/24/4708 — उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड निवाई

क्रमांकः 1822-1831 दिनांकः 30.08.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्याः 01/2024-25 खण्ड निवाई

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड निवाई में सडक/भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code No.:-PWD2425A1359

UBN- 1. PWD2425WSOB04855, 2. PWD2425WSOB04857 3. PWD2425WSOB04858, 4. PWD2425WSOB04850

DIPR/C/8139/2024 — अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड निवाई

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी / निलामी (ERCC XIII)/2024/ई-07947

ई-नीलामी विज्ञिप्त संख्या-ERCC (XIII)2024)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञिप्त से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क / अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी. आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 20 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

DIPR/C/8198/2024 — (भगवती प्रसाद) IAS, निदेशक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड फालना

E mail- eephedfalna@yahoo.com,ph-02938-233684

ई-निविदा सूचना 77/2024-25

राजस्थान के सरकार के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं अन्य मान्यता प्राप्त ठेकेदारों से मोहरबन्द निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 25.09.2024 को मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक ऑनलाईन बेची जाकर उसी दिनांक को मध्यान्ह पश चात् 2.00 बजे तक ऑनलाईन प्राप्त की जाकर उसी दिनांक को दोपहर 03:30 बजे तक उपस्थित ठेकेदारों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ऑनलाईन खोली जाने की कार्यवाही की जायेगी। धरोहर राशि फालना में देय किसी भी बैंक के Demand Draft ई-ग्रास चालान के रूप में स्वीकार्य होगी। उक्त निविदा की नियम व शर्त http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

शर्त-1. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निम्न हस्ताक्षरकर्ता के पास होगा। 2 निविदा बेचने एवं प्राप्ति के दिन यदि राजकीय अवकाश होगा तो निविदा दूसरे दिन बेची व प्राप्त की जायेगी।

NIT NO.	UBN NO.
77	PHE2425WSOB04200

DIPR/C/8083/2024 — (महेन्द्र सिंह राठौड) अधिशाषी अभियन्ता, जन.स्वा.अभि.विभाग,खण्ड फालना

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/99 - 101 Date : 03/09/2024

ई-निविदा सूचना संख्या : 27/2024-25

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 430.70 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	:	05.09.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 24.09.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	05.09.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 24.09.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	25.09.2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2425WSOB00234, ITU2425WSOB00235

राज.संवाद/सी/24/4702 — अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम, उदयपुर विकास प्राधिकरण

The Rajasthan Small Industries Corporation Ltd.

(A Government of Rajasthan Undertaking) Udyog Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302 005 Phone: 0141-2227079, Fax: 0141-2227257 Website : industries.rajasthan.gov.in/rsicl E-mail : rajsico@rajasthan.gov.in CIN- U91110RJ1961SGC001118

ई-निविदा सूचना 12/2024-25

Corrigendum

निगम द्वारा ई-पोर्टल पर राजस्थली दिल्ली, कोलकाता एवं उदयपुर के QST काउन्टरों हेतु ई-निविदा क्रमांक 12/2024-25 दिनांक 13.08.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्रम में समाचार पत्रों में जारी निविदा सूचना में किन्ही कारणवश राजस्थली दिल्ली के राजस्थानी पेटिंग काउन्टर का नाम प्रकाशन होने से रह गया। अतः समस्त को सूचित करते हुए पूर्व में प्रकाशित निविदा सूचना एवं निविदा सूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए केवल पेटिंग काउन्टर UBN RSI2425SLOB00025 की निविदा प्राप्त करने की तिथि 10.09.2024 अपरान्ह 1.00 बजे तक बढाई जाती हैं जो उसी दिन अपरान्ह 3.00 बजे खोली जावेगी। इसके नमूनों की जांच दिनांक 09.09.2024 के स्थान पर दिनांक 12.09.2024 को की जावेगी। अन्य शर्ते पूर्वानुसार रखी जावेंगी।

पूर्ण जानकारी हेतु वैबसाइट eproc.rajasthan.gov.in; sppp.rajasthan.gov.in एवं industries.rajasthan.gov.in/rsicl देखे।

राज.संवाद/सी/24/4739 — प्रबन्ध निदेशक

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

कॉरपोरेट आइडेन्टीफिकेशन नम्बर (सीन)-यू40109आरजे2000एसजीसी016483 पंजीकृत कार्यालय : न्यू पॉवर हाउस,जोधपुर-342003, फोन न. :0291-2742264 फैक्स न. : 0291-2742064 ईमेल :- seciviljdvvnl@gmail.com, वेबसाईट :- http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

ई-निविदा सख्या 07/2024-25

केन्द्र / राज्य सरकार के विभागों में 'ए' व 'एए' श्रेणी तथा जो.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी, वस्तु एवं सेवाकर (GST) विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियन्ता {सिविल} जोधपुर डिस्कॉम, जोधपुर; 9413359193 / बाड़मेर; 9413359455 के अधीन विभिन्न सिविल निर्माण कार्यो के लिए ई-प्रोक्यरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण, अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, प्रकिया शुल्क, अमानत राशि, निविदा खोलने की तिथि व सामान्य अनुबन्ध की शर्ते आदि समस्त विवरण, वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.raj.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। भविष्य में संशोधन / अवधि विस्तार, यदि कोई हो तो, उसकी सूचना http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.raj.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर प्रकाशित की जावेगी।

UBN No. : JVV2425WSOB00539, JVV2425WSOB00538, JVV2425WSOB00541, JVV2425WSOB00542, JVV2425WSOB00537, JVV2425WSOB00540

राज.संवाद/सी/24/4737 — अधीक्षण अभियंता {सिविल}, जोधपुर डिस्कॉम, जोधपुर

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, वृत-जालोर

Tel: 02973-223548, Email:secircle.jal.phed@rajasthan.gov.in/ sephedjalore@yahoo.com

क्रमांकः- वृत/जालोर / निविदा/ / 2024-25/1543 दिनांकः-29/08/2024

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 21-23/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोक निर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 नियम 334 (ए) (iii) के तहत रू. 150.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हेतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र / राज्य सरकार के अधिकृत विभागों / संगठनों, केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूर संचार विभागों मे उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती हैः-

बिड संख्या	NIB No.PHE2425A1922	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
21/ 2024-25	UBIN No.......................... PHE2425WSRC04208	120.00	240000/-	3000/-	2000/-	12 माह
22/ 2024-25	PHE2425WSRC04209	120.00	240000/-	3000/-	2000/-	12 माह
23/ 2024-25	PHE2425WSRC04211	120.00	240000/-	3000/-	2000/-	12 माह
ऑनलाईन बिड उपलब्ध होने की तिथि				02.09.2024		
ऑनलाईन बिड डाउनलोड/अपलोड करने की अन्तिम तिथि				16.09.2024 को 6.00 पी.एम.		
ऑनलाईन बिड खोलने की तिथि				17.09.2024 को 2.00 पी.एम.		

बिड से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

DIPR/C/8104/2024 — (रमेश चन्द मीना) अधीक्षण अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, वृत्त-जालोर

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Annual Rate Contract for Supply of Indigenous items की आपूर्ती हेतु दर संविदा (ई -बोली आंमत्रण सूचना संख्या 01/2024-25 (क्रमांक 127 दिनांक 02.09.2024))

इस विश्वविद्यालय के अधीनस्थ ईकाइयों में Annual Rate Contract for Supply of Indigenous items की आपूर्ती हेतु दो कवर बिड (तकनीकी व वित्तीय बिड) से ऑनलाइन ई-बोली आमंत्रित की जाती है, जिसमें पंजीकृत फर्मो हेतु डी.एस.सी. के माध्यम से दिनांक 03.09.2024 से 23.09.2024 को सांय 5.00 बजे तक बोली प्रपत्र डाउनलोड कर अपलोड कर सकते है। UBN VAU2425GSRC00065 का विस्तृत विवरण स्टेट पोर्टल की वेबसाईट htttp//sppp.raj.nic.in विभाग की वेबसाईट www.rajuvas.org एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/4714 — वित्त नियंत्रक

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर वृत (उत्तर), पानीपेच, जयपुर

क्रमांकः-अअ/नवृ (30)/2024-25/3076-3095 दिनांकः- 02.09.2024

निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पंजीकृत संवेदको जो राजस्थान सरकार के नियमानुसार अधिकृत हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाइन निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक संवेदक ई-निविदा में भाग लेने हेतु अपने डिजिटल हस्ताक्षर (डीएससी) http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। निविदा संबंधित विवरण निम्नलिखित वैबसाईट पर देख सकते है।

1. http://www.eproc.rajasthan.gov.in (Online) (2) http://sppp.rajasthan.gov.in

S.No.	NIT Number	UBN Code
1.	01/2024-25	PHE 2425 WSOB04266

DIPR/C/8196/2024 — (भवानी सिंह शेखावत) अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नगर वृत (उ.), जयपुर

कार्यालय नगरपालिका नसीराबाद, जिला अजमेर (राज.)

E-mail : nasirabadnagarpalika@gmail.com PH. NO. 01491-297191

क्रमांक : न.पा.न./निर्माण/2024-25/1532 दिनांक : 02.09.2024

ई-निविदा सूचना संख्या (07/2024-25)

(NIB NUMBER - DLB2425A2238)

एतदद्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

निविदा के कुल कार्य — 08 (आठ)

UBN NO. :— 1. DLB2425WSRC07235, 2. DLB2425WSRC07236, 3. DLB2425WSRC07237, 4. DLB2425WSRC07239, 5. DLB2425WSRC07240, 6. DLB2425WSRC07241, 7. DLB2425WSRC07242, 8. DLB2425WSRC07244

राज.संवाद/सी/24/4681 — अधिशाषी अधिकारी

वृक्षारोपण केवल फोटो के लिये नहीं करें : निंबाराम

'आज रोपा हुआ वृक्ष जीवित रहे यह संकल्प होना चाहिए'

- अमृता देवी प्रकृति संवर्धन अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण
- सैकड़ों मातृशक्ति ने किया प्रतापनगर मे एक दिन में 1000 वृक्षों का रोपण

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने कहा कि हम वृक्षारोपण केवल फोटो के लिए नहीं करे। आज रोपा हुआ वृक्ष जीवित रहे इतनी चिंता और संकल्प हमारा होना चाहिए। मातृशक्ति अपने घरों के आगे अपने नाम से न्यूनतम एक वृक्ष लगाकर उसको पालने और हर साल उसका जन्मदिन मनाने का आज संकल्प ले। निंबाराम बुधवार को अमृता देवी प्रकृति संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रताप नगर सेक्टर 7 स्थित प्रज्ञासागर उद्यान में मातृशक्ति द्वारा आयोजित सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। निम्बाराम ने कहा कि देश हमें सब कुछ देता है हम भी देश को देना सीखे। हम केवल लेते रहे और देने की दिशा में कोई प्रयास नहीं हो तो यह कितने दिन चलेगा? एक दिन प्रलय को आना ही है। वायनाड इसका प्रत्यक्ष ताजा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण को लेकर पूरे देश दुनिया में बड़ी चिंता है। पिछले 20 सालों में वनो को काटकर उन्हें कम किया गया जो निश्चित ही परेशान करने वाला विषय है। वृक्षारोपण कर इस परिदृश्य को बदलना होगा जिसमे हम सब की सक्रिय भूमिका चाहिए, विशेषकर उपस्थित मातृशक्ति की अहम है। वैसे भी आज अमृता देवी पर्यावरण का प्रतीक है। पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन की दिशा मे काम करनेवाले लोगो के लिए आज अमृता देवी प्रेरणास्त्रोत है। ऐसे ही उपस्थित मातृशक्ति अपने अपने क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण कर इस कार्य को आगे बढ़ने का कार्य बेहतर तरीके से कर सकती है और देश मे कई स्थानो पर ऐसा कर भी रही है। यहा भी मातृशक्ति को ऐसा करने की निश्चित ही आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होने वृक्षों व पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वृक्षो की रक्षा हेतु अमृता देवी सहित 363 मातृशक्तियो के बलिदान को याद किया। साथ ही तुलसी-पीपल इत्यादि पौधों का वैज्ञानिक महत्व पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता सुमन शेखावत रही। उन्होने भी पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में मातृशक्ति की अहम भूमिका पर अपनी सक्रिय जिम्मेदारी निभाने की बात कही।

मंचीय कार्यक्रम के बाद क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम द्वारा वृक्षारोपण कर वृक्षारोपण कार्य की शुरूआत की। इसके बाद उपस्थित सैकडों महिलाओं ने एक ही दिन मे 1000 वृक्षो का रोपण कर उनके पालन-पोषण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि विवेकानंद आश्रम के स्वामी एस.पी. आचार्य ने अंग्रेजी शब्द की व्याख्या करते हुए उसके पीछे छुपे संदेश को सबके सामने रखा। उन्होने कहा कि मानव को शब्द, क्रिया, विचार, चरित्र और स्वास्थ्य पर सतत वॉच रखना चाहिए। ऐसा करेगे तो हम सच्चे मानव बन सकेगे। उन्होंने यह भी कहा कि जो आप चाहते हैं उसे देना शुरू करिए। आप दुख चाहते हैं तो लोगो को दुख देना शुरू करिए और आप सुख चाहते हैं तो सुख देना शुरू करिए। जैसा आप देंगे वैसा ही आपको ईश्वर देगा।

2 साल के बच्चे की कस्टडी विधवा मां को देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 2 साल के बच्चे की कस्टडी के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए उसकी कस्टडी दादा-दादी से लेकर विधवा मां को सौंपने के आदेश दिए हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश मां की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने माना कि नाबालिग संतान की मां उसकी सबसे पहले स्वाभाविक अभिभावक होती है। याचिकाकर्ता शिक्षित और आर्थिक रूप से सुदृढ़ है, जबकि दादा सिर्फ आठवीं पास है। वही उसके पास आय का नियमित स्त्रोत भी नहीं है। ऐसे में याचिकाकर्ता बच्चे का अच्छी तरह ख्याल रख सकती है। याचिका में कहा गया कि उसके पति की बीते दिनों कार दुर्घटना में मौत हो गई। इसके बाद याचिकाकर्ता को स्कूल व्याख्याता पद पर नियुक्ति मिली। ऐसे में वह अपने दो साल के बेटे को दादा-दादी के पास छोड़कर कार्य ग्रहण करने चली गई। वहीं बाद में उसे बच्चे की कस्टडी नहीं सौंपी गई।

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के लिए अंतिम वरीयता सूची जारी

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बुधवार को महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 3671 पदों पर अंतिम वरीयता सूची के लिये मंजूरी दी।

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की पहल पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में भर्तियों के काम को मिशन मोड में अंजाम दिया जा रहा है। इसी कड़ी में चिकित्सा मंत्री की मंजूरी के बाद बुधवार को महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 3671 पदों पर अंतिम वरीयता सूची जारी की गई। इन महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का जल्द पदस्थापन होने से गांव-ढाणी तक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (शीफू) के माध्यम से 20 हजार से अधिक विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इसी क्रम में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के 4847 पदों में से 3671 पदों के लिए अंतिम वरीयता सूची को चिकित्सा मंत्री ने मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि इस भर्ती को पूरा करने के लिए शीफू द्वारा अंतरिम वरीयता सूची पर प्राप्त परिवेदनाओं का निस्तारण किया गया एवं अन्य राज्यों से व्यावसायिक योग्यता अर्जित करने वाले चयनित अभ्यर्थियों की अंकतालिकाओं का विभिन्न राज्यों में टीमें भेजकर सत्यापन करवाया गया। इसी प्रकार अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्रों का पुनर्सत्यापन, आर.एन.सी. पंजीयन का प्रमाणन आदि प्रक्रियाओं को अपनाते हुए 3671 पदों हेतु यह अंतिम वरीयता सूची जारी की गई।

राज्यपाल ने सहकारी चुनाव सहित कई मुद्दों पर चर्चा की

ऑल इंडिया कोआपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन के प्रांतीय महासचिव , सहकारी साख समितिया एम्प्लाईज यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष प्रदेश के सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने आज राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े से शिष्ट मंडल के साथ राजभवन में मुलाक़ात की।

विशेष लेखा परीक्षक निलंबित

जयपुर। सहकारी विभाग ने शिवकुमार पेडीवाल (सहायक रजिस्ट्रार), विशेष लेखा परीक्षक, सहकारी समितियॉ, हनुमागढ़ को निलंबित किया गया है। उनके विरूद्ध राज्य सरकार की ओर से विभागीय जांच प्रक्रियाधीन है।

शुभकामनाएं दीं

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे, विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शिक्षक दिवस (5 सितम्बर) पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षक एवं विचारक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण किया।

केन्द्र सरकार की विशेष वित्तीय सहायता योजना में प्रदेश को मिले अधिकतम लाभ : भजनलाल शर्मा

- 'समय-सीमा का ध्यान रखते हुए योजना में निधि का उपयोग सुनिश्चित हो'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार की विशेष वित्तीय सहायता योजना से होने वाले कार्यों को तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि प्रदेश में बुनियादी ढांचे को सुदृढ करने के लिए इस योजना का अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में केन्द्र सरकार की पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योजना के तहत प्राप्त होने वाली निधि का उपयोग 31 मार्च, 2025 तक ही किया जा सकता है। ऐसे में समय-सीमा का ध्यान रखते हुए इस राशि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस योजना के अंतर्गत पीएचडी, जल संसाधन विभाग की परियोजनाओं, पुलिस कार्मिकों के लिए आवास और यूनिटी मॉल के निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में प्राप्त राशि का शीघ्र उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि दूसरी किस्त जल्द से जल्द जारी हो सके। उन्होंने आइकॉनिक टूरिस्ट सेंटर के चिन्हीकरण, पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग, औद्योगिक विकास के लिए अपेक्षित नीतिगत सुधारों सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की। साथ ही, राज्य के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भू-सुधार, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित बिंदुओं के लिए निर्धारित माइलस्टोन की पूर्ति करते हुए रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी दस्तावेज से जेडीए पट्टा लेकर बेचने करने वाली गैंग गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जेडीए पट्टा प्राप्त कर भूखंड बेचने गिरोह के दो शातिर बदमाश अजय पारीक निवासी जगतपुरा जयपुर और अनूप चौधरी उर्फ गुड्डू निवासी रामनगरिया जयपुर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मामला दर्ज होने के बाद से ही पुलिस से बचने के लिए राजस्थान के बाहर फरारी काट रहे थे। इन लोगों के पास खर्चे के रुपये खत्म हो जाने पर अपने परिचितों से रुपये लेने के लिए जयपुर आए तो पुलिस को सुराग मिलते ही पकड लिया। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि फर्जी दस्तावेज बना कर जेडीए पट्टा जारी करवाने में कई लोगों के नाम सामने आए है।

सुकन्या खाते खोलने के लिए जयपुर में विशेष अभियान

जयपुर, (का.सं.)। सुकन्या समृद्धि खाता योजना के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय डाक विभाग जयपुर नगर मण्डल की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 की अवधि को "सुकन्या समृद्धि महोत्सव" वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

जयपुर नगर मण्डल के प्रवर अधीक्षक मोहन सिंह मीणा ने बताया कि बालिकाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से हमने जयपुर शहर के सभी डाकघरों में सुकन्या समृद्धि खाता खोलने का विशेष अभियान 1 सितंबर से 30 सितंबर के मध्य चला रखा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत जयपुर शहर में अब तक 90 हजार से ज्यादा खाते हमने खोले हैं।

उन्होंने बताया कि हमने 10 वर्ष तक की प्रत्येक बालिका का सुकन्या खाता खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें विभागीय कर्मचारियों, पोस्टमैन साथियों द्वारा प्रत्येक घर, विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में संपर्क किया जा रहा है।

परिवहन निरीक्षक के जयपुर और सिरोही में 6 ठिकानों पर ए.सी.बी. की छापेमारी

-कार्यालय संवाददाता-

- आरोपी के आवास की तलाशी के दौरान एसीबी को मालपुरा टोंक में 5 बीघा जमीन, अंबाबाड़ी शॉपिंग सेंटर में 5 मंजिला कॉम्पलेक्स, 30 किसान विकास पत्र, एफडीआर, 5.50 लाख के गहने, एक बैंक लॉकर व 9 बैंक खाते मिले हैं।
- ए.सी.बी ने परिवहन निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह चौहान के खिलाफ आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज कर लिया है, अब कार्रवाई जारी है।

जयपुर। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) की विभिन्न टीमों ने जयपुर में कार्यवाही करते हुये सिरोही जिला परिवहन में कार्यरत मोटर वाहन निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह चौहान के विरूद्ध दर्ज आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया। ए.सी.बी. ने आरोपी के जयपुर और सिरोही स्थित 6 ठिकानों पर छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया।

एसीबी महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी मुख्यालय को गोपनीय शिकायत प्राप्त हुई थी कि सुरेन्द्र सिंह चौहान, मोटर वाहन निरीक्षक, जिला परिवहन कार्यालय, सिरोही द्वारा अपने एवं अपने परिजनों के नाम से भ्रष्टाचार के साधनों द्वारा अपनी वैध आय से अधिक सम्पत्तियाँ अर्जित की गई है, जिनकी बाजार कीमत करोड़ों रुपयों से अधिक है।

इस शिकायत का ए.सी.बी. की इन्टेजिलेन्स शाखा द्वारा शिकायत का गोपनीय सत्यापन किया जाकर आय से अधिक सम्पत्तियां अर्जित का मामला बनना पाये जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया। एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस रणधीर सिंह के सुपरवीजन में ए.सी.बी. की विशेष अनुसंधान विंग (एस.आई.डब्ल्यू.) इकाई, जयपुर के उप अधीक्षक पुलिस सुरेन्द्र पंचौली, अनुसंधान अधिकारी के नेतृत्व में सक्षम न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त करके बुधवार अलसुबह आरोपी के जयपुर और सिरोही स्थित 6 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की गई।

आरोपी सुरेन्द्र सिंह चौहान के जयपुर स्थित आवास की तलाशी में 5 आवासीय-व्यावसायिक भूखण्डों के दस्तावेज (जिनमें मालपुरा टोंक में करीब 48 लाख रुपये कीमत की 8 बीघा कृषि भूमि, अम्बाबाड़ी शॉपिंग सेंटर में पाँच मंजिला व्यावसायिक परिसर प्रमुख हैं), करीब 6 लाख रुपये मूल्य के 30 किसान विकास पत्र, एफडीआर, लगभग 5.50 लाख रुपये कीमत के सोने चांदी के आभूषण एवं वाहन मिले हैं। इसके अतिरिक्त 1 बैंक लॉकर एवं 9 बैंक खाते तथा विदेश यात्राओं से संबंधित दस्तावेजात भी मिले हैं।

एसीबी के प्राथमिक आंकलन, प्रथम सूचना रिपोर्ट और अब तक मिले दस्तावेजों के अनुसार आरोपी सुरेन्द्र सिंह चौहान द्वारा करोड़ों रुपये की बाजार कीमत की अनेक परिसम्पत्तियां अर्जित करने का अनुमान है, जो उनकी वैध आय से आनुपातिक रूप से कहीं अधिक है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में ए.सी.बी. की विभिन्न टीमों द्वारा आरोपी के ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी है। मामले में ए.सी.बी द्वारा आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने के प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान किया जावेगा।

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में सजाई मोदकों की भव्य झांकी

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में मनाए जा रहे गणेश जन्मोत्सव में बुधवार को मोदकों की भव्य झांकी सजाई गई। झांकी का मुख्य आकर्षण 251-251 किलोग्राम के दो विशाल मोदक रहे।

जयपुर। मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में मनाए जा रहे गणेश जन्मोत्सव के अंतर्गत बुधवार को महंत कैलाश शर्मा के सान्निध्य में मोदकों की भव्य झांकी सजाई गई। झांकी का मुख्य आकर्षण 251-251 किलोग्राम के दो विशाल मोदक रहे। इन दोनों के अलावा 51-51 किलोग्राम के 5 मोदक, 21-21 किलोग्राम के 21 मोदक, 1.25-1.25 किलोग्राम के 1100 मोदक प्रथम पूज्य के दोनों ओर थाल में जमाकर रखे थे। हजारों की संख्या में अन्य छोटे मोदक रखे हुए थे। 2500 किलोग्राम घी, 3 हजार किलोग्राम बेसन, 9 हजार किलोग्राम शक्कर और करीब 100 किलोग्राम सूखे मेवों से तैयार मोदकों की खुशबू मंदिर के बाहर तक आ रही थी। बड़े मोदकों को विशेष पद्धित से तैयार किया गया। मोदकों की पीली आभा से मंदिर स्वर्णिम रंग से निखर उठा। मोदक झांकी के दर्शन सुबह 5 बजे से शुरू हो गए। शयन झांकी तक एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने विशेष झांकी के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने भी भक्तिभाव से मोदक का भोग लगाया। शाम को मोदक प्रसाद का निशुल्क भक्तों को वितरित किया गया। गणेशोत्सव की सुचारू दर्शन व्यवस्था के लिए बैरिकेटिंग लगाने का कार्य बुधवार को अंतिम चरण में चलता रहा। जेएलएन मार्ग से मंदिर तक बेरिकेटिंग लगाई गई है। वहीं चांदपोल गेट स्थित परकोटा गणेश मंदिर में चार दिवसीय गणेश चतुर्थी उत्सव का शुभारंभ बुधवार को गणेश जी महाराज की विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुआ। जयकारों के साथ मंदिर शिखर पर नई ध्वजा फहराई गई। भगवान गणपति की फूल बंगला झांकी सजाकर 21000 लड्डुओं का भोग लगाया गया।

- गणेश चतुर्थी पर मंदिर में दर्शनों के लिए बैरिकेटिंग लगाने का कार्य अंतिम चरण में

कनक घाटी मंदिर में भी धूमधाम से मनाया जायेगा गणेश चतुर्थी उत्सव

जयपुर। ठिकाना मंदिर श्री गोविंद के मातहत आमेर रोड कनक घाटी स्थित मंदिर श्री गणेश जी महाराज में गणेश चतुर्थी महोत्सव सात सितंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि मंदिर सुबह पांच से रात्रि नौ बजे तक दर्शनों के लिए खुला रहेगा।

अवैध निर्माण चिन्हित करके कार्रवाई करें उपायुक्त : सुराणा

जयपुर (कासं)। नगर निगम हैरिटेज आयुक्त अभिषेक सुराणा ने बुधवार को अवैध निर्माण को लेकर सभी जोन अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

आयुक्त सुराणा के निर्देश के बाद बुधवार को हैरिटेज निगम के सभी जोन उपायुक्त, जोन अधिकारी, लैंड शाखा अधिकारी और सतर्कता शाखा के साथ बैठक की। बैठक में आयुक्त सुराणा ने हैरिटेज निगम क्षेत्र में अवैध निर्माण को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने बताया कि सभी जोन में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में प्रत्येक बुधवार को रिपोर्ट ली जाएगी। वहीं मुख्यालय से रोजाना अवैध निर्माण पर कार्रवाई का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बारिश से जर्जर हुए मकानों को भी ध्वस्त करने के निर्देश दिए है।

- प्रत्येक बुधवार को सभी जोन में अवैध निर्माणों पर की गई कार्रवाई के बारे में ली जायेगी जानकारी
- बारिश से जर्जर हुए मकानों को भी ध्वस्त करने के निर्देश

दुपहिया वाहन चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर मोहम्मद ऐजाज निवासी जवाहर नगर जयपुर को बजाज नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपित ने दुपहिया वाहन बुलेट चोरी कर अपने दोस्त सलमान को दे दी। जहां ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के मामले में सलमान को गिरफ्तार कर उसके पास बुलेट जब्त की है।

मुहाना थाने का कांस्टेबल पांच हजार रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

कांस्टेबल वी.पी. सिंह

जयपुर। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की जयपुर नगर-चतुर्थ इकाई ने बुधवार देर रात कार्यवाही करते हुये मुहाना थाने के कांस्टेबल वी.पी. सिंह को परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी. बी. की जयपुर नगर चतुर्थ इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरूद्ध दर्ज परिवाद में समझौता कराने एवं उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करने की एवज में आरोपी वीपी सिंह कानिस्टेबल, पुलिस थाना मुहाना, जयपुर आयुक्तालय द्वारा 5 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रवि के सुपरवीजन में एसीबी की जयपुर नगर-चतुर्थ इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलराम मीणा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर बुधवार को पुलिस निरीक्षक रजनी मीणा और उनकी टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए आरोपी कांस्टेबल को 5 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

नाहरगढ़ की पहाड़ियों में लापता राहुल का 4 दिन बाद भी सुराग नहीं

- डी.सी.पी. नॉर्थ राशि डोगरा डूडी के नेतृत्व में एसआईटी करेगी इस मामले की विस्तृत जांच

जयपुर । राजधानी जयपुर के शास्त्री नगर क्षेत्र से नाहरगढ़ घूमने गए दो सगे भाईयों में आशीष का शव पुलिस को मिल चुका है, जबकि दूसरे युवक राहुल का 4 दिन बाद भी अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस और एस.डी.आर.एफ. की टीमें लगातार युवक को तलाश रही है।

ऐसे में अब एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश विश्नोई ने इस प्रकरण की जांच के लिए एस.आई.टी. का गठन किया है।

डी.सी.पी. नॉर्थ राशि डोगरा डूडी के नेतृत्व में एस.आई.टी. इस मामले की जांच करेगी।

जयकारों के साथ नगर परिक्रमा

जयपुर । छोटी चौपड़ स्थित सीताराम मंदिर से बुधवार सुबह जयकारों के साथ सीताराम जी की 264 वीं नगर परिक्रमा शुरू निकाली गई। पंचरंगी ध्वज के नीचे सैंकड़ों पदयात्री सीताराम जी महाराज के जयकारों के साथ चारदीवारी के विभिन्न मंदिरों के दर्शनों के लिए रवाना हुए। मंदिर महंत नंदकिशोर शर्मा ने चन्द्रमोहन बटवाडा से ध्वज पूजन करवाया। परिक्रमा में करीब 250 श्रद्धालु शामिल हुए। लोगों ने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की।

सार-समाचार

भामाशाह ने गदा व खेल सामग्री भेंट की

जालोर में आर्य वीर दल को जागरवाल दानदाता परिवार ने दो गदा व खेल सामग्री भेंट की। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। दानदाता राजूसिंह, तेजसिंह, संजय सिंह जागरवाल ने बुधवार को आर्य वीर दल जालौर को दो गदा एवं खेल उपकरण भेंट किये। आर्य वीर दल के अध्यक्ष कृष्ण कुमार तिवारी ने बताया कि वरिष्ठ आर्य वीर शिवदत्त आर्य के शिष्य डूड्सी निवासी समुंदर सिंह जागरवाल की प्रेरणा से ग्राम डूड्सी निवासी समाज सेवी एवं दानदाता राजूसिंह, तेजसिंह, संजय सिंह जागरवाल पुत्र स्वर्गीय शंकरसिंह जागरवाल ने दो गदा एवं खेल सामग्री भेंट की। आर्य वीर दल के संरक्षक दलपत सिंह आर्य, संचालक प्रशांत सिंह , कोषाध्यक्ष विनोद आर्य, संगङ्गन मंत्री कांतिलाल आर्य, भरत मेघवाल, शाखा नायक कन्हैयालाल मिश्रा, गणपत आर्य, जगदीश आर्य, छगन आर्य , छगननाथ, मोहनलाल आर्य, वरुण शर्मा, वुशू कोच देवेश आर्य सहित आर्य वीरों ने भामाशाह का आभार व्यक्त किया।

डॉ. प्रियांक भार्गव ने कार्य संभाला

डॉ. प्रियांक भार्गव

जोधपुर, (कासं) । एम्स दिल्ली से एमबीबीएस, एमएस सर्जरी डॉ प्रियांक भार्गव ने बुधवार को डॉ. एस. एन.मेडिकल कॉलेज के मथुरादास माथुर अस्पताल के यूरोलॉजी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। डॉ प्रियांक एमसीएच यूरोलॉजी में एम्स जोधपुर से गोल्ड मेडलिस्ट रहे हैं। डॉ प्रियांक को एन्डोयूरोलॉजी, लेपरोस्कोपिक एवं रोबोटिक सर्जरी में विशेषज्ञता हासिल है। जोधपुर से शिक्षा हासिल करने के बाद अपने ही शहर में सेवाएं देने को डॉ प्रियांक अपना सौभाग्य मानते हैं। जोधपुर निवासी डॉ प्रियांक के पिता डॉ. सी. एस. भार्गव फिजिशियन और माता डॉ. शुचि भार्गव स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं।

यादव ने गिरदावरी का जायजा लिया

बालोतरा, (निसं)। जिला कलैक्टर श्री सुशील कुमार यादव ने मंगलवार को पचपदरा तहसील के पटवार मण्ड़ल मूंगड़ा, रामसीन और पचपदरा में पटवारियों द्वारा की जा रही खरीफ फसल की ऑनलाइन गिरदावरी का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कलैक्टर यादव ने विभिन्न खसरों में मौके पर संबंधित पटवारियों द्वारा गिरदावरी ऐप से की जा रही गिरदावरी की प्रक्रिया को जाना साथ ही गिरदावरी में आ रही तकनीकी समस्याओं की जानकारी भी ली। उसके पश्चात जिला कलैक्टर ने तहसील कार्यालय पचपदरा की विभिन्न शाखाओ का निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों के रखरखाव और भवन की स्थिति के साथ ही जन सुविधा से जुड़ी समस्याओं को बारीकी से जांच पड़ताल की। उन्होंने तहसील परिसर में स्थित आपूर्ति विभाग, रिकॉर्ड़ रूम, तहसीलदार कोर्ट के साथ कार्यालय परिसर का निरीक्षण कर अभिलेखों को पूरी तरह अपडेट रखने के साथ ही लंबित वाद और जन शिकायतों के निस्तारण में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि तहसील में आने वाले ग्रामीणों के कार्यों को प्रमुखता से किया जाए, ग्रामीणों को छोटे-मोटे कार्यों के लिए बार-बार भटकना नहीं पड़े। उन्होंने खरीफ फसल खराबे के ड़ीएमआईएस पोर्टल की प्रगति की रिपोर्ट ली।

जैन समाज ने जुलूस निकाला

पाली, (नि.सं.)। जीरावाला मित्र मंड़ल रोटी बैंक के तत्वाधान में बुधवार को पर्यूषण पर्व के चलते महावीर स्वामी के 14 सपना जी का जुलूस हाथी घोड़ा मंदिर से बैंड़ बाजा के साथ भगवान के 14 स्वपन झूले हाथी घोड़े शंख चक्र अपने सिर पर उठाकर महिलाएं बाजार से होकर राणा प्रताप चौक रोटी बैंक पहुंच कर सपना जी बैठाए गए। जिनके दर्शनों के लिए शाम को जैन समाज बंधु पहुंचे। रात्रि में भक्ति संध्या का आयोजन भी हुआ गुरुवार को भी यहां पर कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम मैं आयोजन आनंद कवाड़, राजू भाई मेड़तिया, आई सी जैन, रोशन लाल सेमलानी, लखपत भंड़ारी, महावीर बोकाड़िया प्रमोद कोठारी, महेंद्र तलेसरा गौरव मेड़तिया के साथ महिला मंड़ल की कंचन देवी, शोभा देवी, चेतना कटारिया, आशा भंड़ारी, मीना देवी, दिव्या कवाड़, दिव्या सेमलानी, कमला देवी, दीप्ति मेड़तिया का सहयोग रहा।

छह माह से फरार इनामी आरोपी पकड़ा

जोधपुर, बाप(कासं)। अफीम की खेती करने वाले छह माह से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी अपराधी को फलोदी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फरार आरोपी के खेत से 2470 अफीम के पौधे बरामद हुए थे। फलोदी एसपी पूजा अवाना ने बताया कि अवैध डोडा-पोस्त के पौधे लगाने के आरोप में पिछले छह माह से फरार इनामी आरोपी नोख थानान्तर्गत करनेवाला निवासी रिछपाल विश्नोई पुत्र जुगताराम को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। उसके खिलाफ गत 26 फरवरी को नोख थानाधिकारी मनोज कुमार मय जाब्ता ने सरहद करनेवाला में कार्रवाई कर 2470 अवैध अफीम के पौधे बरामद किए थे। उस दौरान आरोपी फरार हो गया था। उसके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया था। बाद में उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक फलोदी द्वारा पांच हजार रुपए का इनाम रखा गया था।

वार्ड पार्षदों ने धरने की चेतावनी दी

रेवदर, (निसं)। ग्राम पंचायत रेवदर के सदस्य कस्बे में हो रही अव्यवस्थाओं के खिलाफ धरने की चेतावनी देते हुए विकास अधिकारी आवडदान चारण को ज्ञापन सौपा एवं धरने की अनुमति मँगी गई। वार्ड सदस्य बलवंत मेघवाल और गोदाराम चौधरी ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सडको को सही कराने पंचायत ने क्षतिपूर्ति राशि ली लेकिन आज दिन तक सडके सही नहीं कराई गई । निजी मोबाईल टेलीकॉम कंपनी द्वारा नियम विरूद्ध पंचायत से अनापत्ति लेकर जगह जगह सडके खोद दी एवं सडके आज दिन तक सही नहीं कराई गई।

शेखासर सहित कई गांव अंधेरे में

बाप. (निसं)। उप तहसील मुख्यालय शेखासर दो दिन से अंधेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि कर्मचारियों की लापरवाही के चलते बिजली बंद पड़ी है। शेखासर के अलावा ग्राम पंचायत मुख्यालय भाखरिया व अखाधना में भी 2 दिन से बिजली नही है। बिजली के अभाव में लोगो को खासी परेशानी उठानी पड रही है। शेखासर निवासी अल्लादीन सहित कई ग्रामीणो ने रोष जताते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी व कर्मचारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे। इस समय बाबा रामदेव का मेला भी चल रहा है। हजारों की तादाद में बाबा के जातरू शेखासर होकर निकल रहे है।

ढालोप प्रकरण में राजपूत समाज के लोगों का प्रदर्शन, सांसद का पुतला फूंका

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले के ढालोप गांव में 16 जुलाई को जमीन विवाद को लेकर प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर विवाद बढ गया है। प्रशासन की ओर से बिना नोटिस के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में बुधवार को राजपूत समाज संघर्ष समिति के बैनर तले प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान राजपूत समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट के बाहर सांसद पीपी चौधरी का पुतला फूंका। फिर धरना दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपने पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें बैरिकेड्स लगाकर रोका। पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की, झड़प हो गई। हालांकि इसके बाद समिति के प्रतिनिधिमंडल ने संभगीय आयुक्त को 4 पेज का ज्ञापन सौंपा, जिसमें दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही कलेक्टर को एपीओ करने की मांग की गई।

गौरतलब है कि ढालोप गांव में 16 जुलाई को जमीन विवाद को लेकर प्लॉट पर मौजूद एक पक्ष पर दूसरे पक्ष ने हमला कर दिया था।

घटना में प्लॉट पर मौजूद लोग घायल हो गए। उन्होंने मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन किया। जिसके बाद पुलिस एक्टिव हुई और गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। पुलिस और प्रशासन ने अतिक्रमण तोड़ने से पहले किसी प्रकार का नोटिस नहीं दिया, जिसका लेकर राजपूत समाज ने पहले रैली निकाली, फिर संभागीय आयुक्त को ज्ञापन देने पहुंचे।

राजपूत समाज संघर्ष समिति के गजेन्द्र सिंह कालवी ने कहा कि ढालोप गांव में प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई दबाव में आकर की। उन्होंने बिना किसी तरह का नोटिस दिए कार्रवाई की जो गलत है। इससे पूरे राजपूत समाज में रोष है।

उन्होंने कहा कि जिस भूखंड का विवाद है, वह भूखंड खरीदशुदा है। उस विवाद को लेकर जो मारपीट हुई उसमें दोषियों को पुलिस पकड़कर कानून के जरिए सजा दिलाएं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें कोई ऐतराज नहीं, लेकिन कुछ नेताओं के दबाव में आकर जो चारदीवारी तोड़ने की कार्रवाई बिना किसी तरह का नोटिस दिए की गई, जिसका हम विरोध करते है।

राजपूत समाज संघर्ष समिति के अजयपाल सिंह हेमावास ने बताया- इंद्रा कॉलोनी स्थित राजपूत समाज के छात्रावास से सभी रैली के रूप से रवाना हुए। जो नहर पुलिया, लोढ़ा स्कूल, सूरजपोल, अहिंसा सर्किल होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां सभा को राजपूत समाज के वक्ता संबोधित कर रहे है। उसके बाद अपनी मांगों को लेकर संभागीय आयुक्त को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देंगे।

उन्होंने बताया कि रैली शांतिपूर्ण ढंग से निकाली गई है।

हालांकि संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपने के दौरान पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया। जिससे भीड़ भड़क उठी और पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया। इस दौरान धक्का-मुक्की और जमकर नारेबाजी की। मामले में मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है।

पाली जिले के ढालोप गांव में 16 जुलाई को जमीन विवाद व बिना नोटिस के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में राजपूत समाज संघर्ष समिति के बैनर तले प्रदर्शन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

भूखंड विवाद का ऐसे चला घटनाक्रम

16 जुलाई 2024 को देसूरी थाना क्षेत्र के ढालोप गांव में प्लॉट के विवाद में हेमाराम चौधरी और उसके परिवार पर पुष्पेंद्र सिंह सहित अन्य लोगों ने हमला किया। हमले में हेमाराम गंभीर घायल हो गया था। जिन्हें जोधपुर रेफर किया गया था।

24 जुलाई 2024 को घटना के विरोध में सीरवी समाज के लोग रैली के रूप में ऑफिस पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी।

29 अगस्त 2024 को घटना के 45 दिन बाद भी आरोपियों के गिरफ्तार नहीं किए जाने के विरोध में सीरवी समाज के लोग रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे और उठा प्रदर्शन किया। देसूरी थाने के तीन पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर करने, आरोपियों के अतिक्रमण की जांच कर उन्हें हटाने और उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम जोधपुर से बुलाने के आश्वासन के बाद सीरवी समाज ने धरना समाप्त किया था।

30 अगस्त 2024 को ढालोप ग्राम पंचायत के पदमपुरा गांव में प्रशासन की टीम ने कार्रवाई कर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण चिह्नित कर उसे हटाने की कार्रवाई की थी। 4 सितम्बर 2024 को दबाव में आकर प्रशासन द्वारा चारदीवारी तोड़ने की कार्रवाई की जाने की बात कहते हुए राजपूत समाज के लोग पाली में एकत्रित हुए। जो अपनी मांगों को लेकर संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपने पहुंचे।

बालोतरा में अवैध कबाड़ी के गोदाम में आग लगी

बालोतरा, (निसं)। भयंकर आग से एक बार फिर दहल उठा मोहल्ला बालोतरा शहर में नीलम सिनेमा के पीछे वार्ड संख्या 28, में अवैध कबाडी के गोदाम में आग की घटना घटित हुई।

अवैध कबाडी रतन लाल पुत्र बाबूलाल खटीक, कांतिलाल पुत्र बाबूलाल खटीक व उनके भाइयों का अवैध कबाड खानो के अलावा 10 और मोहल्ले अवैध गोदाम है। जिसमें प्लास्टिक, लोहा, स्क्रेप, केमिकल ड्रम के कारोबार के अवैध गोदाम बना रखे है। जिसमें हाल ही में 4 सितम्बर 2024 को रात्रि में आग लग गई जिसकी सूचना मोहल्ले वासियों द्वारा फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

जिसपर पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में आग पर फायर ब्रिगेड की 45 से 50 गाडियों के फेरे से आग पर काबू पाया जा सका। इन कबाडियों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले केमिकल के ड्रम जिससे पुरे मोहल्ले में प्रदुषण फैल रहा है, जिससे आमजन में श्वास सम्बन्धी बीमारियों का खतरा रहता है। स्क्रेप को काटने और तोडने में इनके द्वारा दिनभर कटर मशीन घरेलू गैस सिलेंडर का प्रयोग किया जाता है जिससे वायु प्रदुषण के साथ ही ध्वनि प्रदुषण भी होता रहता है। इनका सारा सामान अतिक्रमण कर रोड पर पडा रहता है जिससें मोहल्ले वासियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पडता है।

पूर्व में 12 जून 2006 को इन कबाड़ियों के अवैध गोदाम में आगजनी की घटना घटित हो चुकी है। इस आगजनी की घटना से मोहल्ले में रहवासी मकानों को भी काफी भारी क्षति पहुंची है। अगर समय रहत आग पर काबू नहीं पाया जाता तो शायद मोहल्ले वालों को जान माल का भारी नुकसान भी हो सकता था।

जालोर में बाबा रामदेव का जन्मोत्सव आज

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के तिलक द्वार के अन्दर स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर में 6 सितम्बर भाद्रपद सुदी 2 को बाबा रामदेव का जन्मौत्सव धूमधाम एवं अपार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

बाबा रामदेव मंदिर के हेमेन्द्र कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा रामदेवजी मंदिर में बाबा रामदेव का जन्मोत्सव पर कई कार्यक्रमों का आयोजन मंदिर प्रांगण में होगे। प्रात: काल पंचामृत से अभिषेक करके प्रतिमा की जाएगी।

दोपहर 1 बजे से की विशेष सजावट विभिन्न महिला मण्डिनयों द्वारा एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

शाम 7.30 बजे से भव्य महाआरती ढोल दमाके, नगाडे, झालर की झनकार, शंखनाद के साथ उपस्थित भक्तों के मध्य की जाएगी।

महाआरती के बाद प्रसार का वितरण किया जाएगा। सभी धर्मप्रेमियों को इस जन्मोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की गई हैं।

जलभराव क्षेत्रों में कार्य जारी

जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी ने कार्यों का निरीक्षण किया।

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी ने बुधवार को प्राधिकरण क्षेत्राधिकार स्थित मुख्य सडक मार्गों, प्रमुख नालों एवं जल भराव क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। जेडीसी चौधरी के निर्देशानुसार मानसून के मद्देनजर समस्त जोन उपायुक्तगण द्वारा भी जोनवार अपने-अपने क्षेत्राधिकार में मौका निरीक्षण कर देखा गया।

निदेशक अभियांत्रिकी महेन्द्र सिंह पंवार ने बताया कि आयुक्त द्वारा अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सड़कों एवं जलभराव क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान सालावास तनावडा फांटा पर निर्माणाधीन भैरव नाला के पानी को एक अतिरिक्त पम्प लगाकर निकालने के निर्देश प्रदान किए गए।

साथ ही आस-पास के क्षेत्र की गलियों में पानी भरने से रोकने के लिए मिट्टी के कट्टे लगाने के भी निर्देश दिए।

आयुक्त ने रिंग रोड एवं पाल रोड का निरीक्षण कर संबंधित अधिशाषी अभियन्ता को मार्ग में खुले पडे नालों को बंद करवाये जाने को लेकर निर्देशित किया गया।

चौधरी ने पाल मेला रोड पर एक अतिरिक्त पम्प लगाते हुए भैरव नाले के ऑवरफ्लो पानी के नजदीकी गढवा नाडी में शिफ्टिंग के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने भारी बारिश से क्षतिग्रस्त मुख्य मार्गों एवं सडकों को डब्ल्यूबीएम पेचवर्क व मरम्मत कर मोटरेबल करते हुए आवागमन को सुचारू करने के भी निर्देश प्रदान किए।

खीम सिंह स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

पोकरण, (निसं)। स्वर्गीय खीमसिंह स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता समापन समारोह पोकरण क्षेत्र के माधोपुरा गांव स्वर्गीय खीमसिंह स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि द्वारा स्वर्गीय खीमसिंह को पुष्प श्रद्धांजलि देकर टॉस करवा कर परिचय कर मैच शुरू करवाया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी जी की ढाणी के महंत रावल पुरी जी महाराज, भगवतसिंह प्रधान, आईदानसिंह भाटी भाजपा युवा नेता, विक्रमसिंह भणियाणा जसवंतसिंह सोढा सेवा संस्थान, गफूर खान सरपंच माधोपुरा,पेपसिंह खुहडा, भैरूसिंह पूर्व सरपंच किरालिया, इन सभी का आयोजन कमेटी और ग्राम वासियों ने साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

फाइनल मैच भैंसडा विरुद्ध फतेहगढ के बीच में खेला गया। फतेहगढ टार्च जीतकर बैटिंग का फैसला लिया पहले बैटिंग करते हुए 10 ओवर में 72 रन का टारगेट दिया।

भेसडा 7ओवर में ही मैच जीत लिया फाइनल कप अपने नाम कर दिया मुख्य अतिथियों ने विजेता टीम भैंसडा 21000 ट्रॉफी प्रदान की, उपविजेता फतेहगढ को 11000 रुपए और ट्रॉफी प्रदान की।

भाजपा नेता आदानसिंह ने कहा खेल को खेल की भावना से खेलने और सफल क्रिकेट प्रतियोगिता की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विक्रमसिंह भणियाणा ने बताया कि जैसलमेर और पोकरण क्षेत्र में पहला टूर्नामेंट जो इतना भव्य आयोजन हुआ।

नाश्ता चाय टीमों को बैठने के लिए अलग-अलग टेंट की व्यवस्था खाना पीना आदि अच्छी व्यवस्था की गई।

आयोजन करता, गायडसिंह, निंबसिंह,प्रतापसिंह, सुरेंद्रसिंह , भवानीसिंह, भोमसिंह ,दिलीपसिंह, भवानीसिंह,त्रिपालसिंह, पुखराजसिंह, श्रवणसिंह, मांगूसिंह, मदनजांगिड, रावलसिंह, मदनसिंह,देवीसिंह सभी कार्यकर्ताओं ने अपनी मेहनत से जैसलमेर में टॉप टूर्नामेंट करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

भाजपा को मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान शुरू

जैसलमेर के भाजपा कार्यालय में प्रदेश मंत्री अनन्तराम विश्नोई ने जिला पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर के पास रामसीन में भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव ने सम्बोधित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के लिए जालोर-सांचौर जिले की जिला स्तरीय शुभांरभ कार्यक्रम बुधवार को सांसद लुंबाराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य एवं जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली की अध्यक्षता में भीनमाल विधानसभा के रामसीन गांव में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली ने भूमिका बताया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में तीसरी बार जीत के बाद, भाजपा के पहले व्यापक जनसम्पर्क अभियान में 10 करोउ.से अधिक सदस्यों को जोड़ने की एक पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाने की योजना से जोड़ना और संगठित करना हैं। उन्होने बताया कि जिले के प्रत्येक बूथ पर न्युनतम 200 व्यक्तियों को सदस्यता ग्रहण करवानी अपेक्षित हैं, वहीं जिला पदाधिकारी अपने सम्पर्कित 500 व्यक्तियों, मंडल पदाधिकारी अपने सम्पर्कित 300 व्यक्तियों और शक्तिकेंद्र के पदाधिकारी अपने सम्पर्कित 250 व्यक्तियों को सदस्य बनाए और जालोर भाजपा का प्रत्येक बुथ अध्यक्ष अपने बुथ पर 250 व्यक्तियों की सदस्यता ग्रहण करवाएं।

जालोर-सिरोही-सांचौर सांसद लुंबाराम चौधरी ने बताया की सदस्यता अभियान में संगङ्गन के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों को भी पूर्ण ऊर्जा से कार्य करने की आवश्यक्ता हैं, अपने कार्यक्षेत्र में सभी कार्यकर्ताओं के साथ लगकर, घर-घर सम्पर्क, बैठकें एवं कार्यक्रमों के माध्यम से अधिकतम व्यक्तियों को सदस्यता ग्रहण करवाने का कार्य किया जाना आवश्यक हैं।

सदस्यता अभियान के संबंध में रानीवाडा पूर्व विधायक नारायणसिंह देवल ने बताया कि 2 सितंबर से 25 सितंबर तक सदस्यता अभियान के प्रथम चरण का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सदस्यता एवं प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सदस्यता ग्रहण के बाद से प्रारंभ को चुका हैं, जिसके अब सभी से सम्पर्क कर, सदस्य बनाने का कार्य करवाना हैं।

इस दौरान विधानसभा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली, लोकसभा सांसद लुंबाराम चौधरी, पूर्व रानीवाडा विधायक नारायणसिंह देवल, जिला संयोजक एवं जिला महामंत्री प्रकाश छाजेड,जिला उपाध्यक्ष भेरूदान चारण, जिला मंत्री भूरसिंह देवकी, जितेन्द्र सरगरा, इन्द्रसिंह राणावत, डिम्पलसिंह चौहान, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष नसीर खां, आहोर नगर पालिकाध्यक्ष सुजाराम प्रजापत, भाजपा वरिष्ठ नेता शेखर व्यास, मुकेश खण्डेलवाल, शांतिलाल सुथार, केहराराम चौधरी, नाथूसिंह तिखी, प्रकाश जांगू,सहित स्थानीय भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भाजपा बनेगी'

जैसलमेर, (नि.सं.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान की शुरुआत बुधवार को प्रदेश के सभी जिलों में की गई। जिसके अन्तर्गत जैसलमेर के जिला कार्यालय में प्रदेश मंत्री अनन्तराम विश्नोई ने सभी उपस्थित जिला पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि व कार्यकर्ताओं के मोबाइल से एक साथ मिस्ड कॉल करवाकर सदस्यता ग्रहण करवाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे विश्नोई ने कहा कि भाजपा के संविधान के अनुसार प्रत्येक 6 वर्ष बाद सभी को दुबारा सदस्य बन कर अपना नवीनीकरण करवाना होता है। इसी प्रक्रिया के तहत यह दो माह तक महा अभियान चला कर देश मे 10 करोड़ से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पहले देश मे 18 करोड़ से भी अधिक सदस्य बने हुवे है जो कई देशों की जनसंख्या से ज्यादा है। इस बार पार्टी ने समर्पित व निष्ठावान सदस्य बनाने का संकल्प लिया है। हम फिर एक बार विश्व की सबसे बड़ी राजनेतिक पार्टी बनने जा रहे है।

इससे पहले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुवे भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश सारदा ने कहा कि संघठन की दृष्टि से जिले को चार भागों में बाटा गया है व उनके सह प्रभारियों को जिले के सभी 24 मण्डल बाटे गये है व इनके 119 शक्ति केंद्र अनुसार जिले के सभी 688 बूथों से 200 सदस्य हर एक बूथ से बनाने का लक्ष्य दिया गया है।

मीडिया प्रभारी बाबू लाल शर्मा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार के कार्यक्रम को जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, पोकरण विधायक महंत प्रतापपूरी महाराज व जिला प्रमुख प्रतापसिंह सोलंकी ने संबोधित किया।

इस अभियान के जिला संयोजक सवाई सिंह गोगली ने सम्पूर्ण अभियान की जानकारी पर प्रकाश डालते हुवे डेमो द्वारा सभी को सदस्य बनाने की प्रकिया से अवगत कराया ।

मंच संचालन जिला महामंत्री सुशील कुमार व्यास ने किया। कार्यक्रम मे मंचासीन पूर्व विधायक साँगसिंह भाटी व शैतानसिंह राठौड़, जिला संगठन प्रभारी रामस्वरूप गोधा, प्रदेश सदस्य विक्रमसिंह नाचना व कविता कैलाश खत्री, महंत बॉल भारती महाराज, सम प्रधान तनेसिंह सोढा, साकड़ा प्रधान भगवतसिंह तंवर, नगर पालिका पोकरण अध्यक्ष मनीष पुरोहित, पूर्व जिलाध्यक्ष जुगलकिशोर व्यास व स्वरूपसिंह हमीरा, प्रधान मोहनगढ कृष्णा चौधरी के अलावा कादर बक्स, पूर्व प्रधान सुनीता भाटी व करुणाकंवर, अभियान सह संयोजक गेमरसिंह, प्रभा चौधरी, संतोष पालीवाल, जितेंद्र माली, मुकेश शर्मा, हिम्मताराम चौधरी, ओम सेवक, खीमाराम सुथार, उदयसिंह भाटी, पवनकुमारसिंह, वीरेंद्रसिंह रामगढ, समता व्यास, महेंद्र तंवर, कंवराजसिंह चौहान, सुरेंद्रसिंह, तारेंद्रसिंह, अजय राहड़, मुकेश पंवार, मनोहरसिंह दामोदरा, विमला वैष्णव, अरुण पुरोहित के अलावा सभी मण्डल अध्यक्ष,जिलों के पदाधिकारी, मोर्चो व प्रकोष्ठों के पदाधिकारी जन प्रतिनिधि व बूथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मैंने स्पिनरों के खिलाफ अपने डिफेंस पर थोड़ा और काम किया है। जब आप स्पिनरों के खिलाफ 'टर्निंग' पिच पर खेल रहे होते हैं तो आपका डिफेंस अच्छा होना चाहिए जिससे आप रन बनाने वाले शॉट खेल सकते हैं। - **भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान शुभमन गिल**

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले बोले...

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजीत सिंह

भारतीय एथलीट अजीत सिंह ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पेरिस पैरालंपिक की भाला फेंक एफ46 वर्ग की स्पर्धा में रजत पदक और हमवतन सुंदर सिंह गुजर ने कांस्य पदक जीता। मंगलवार देर रात हुये मुकाबले में अजीत सिंह ने 65.62 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। स्पर्धा के दौरान सुंदर सिंह गुर्जर 64.96 मीटर के अपने चौथे थ्रो के बाद दूसरे स्थान पर थे, लेकिन अजीत सिंह ने वापसी करते 65.62 मीटर का थ्रो करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने कहा, मेरा ध्यान स्वर्ण पर नहीं था, मैं बस कोई भी पदक जीतना चाहता था, इसलिए मैं बहुत खुश हूं।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर दांये हाथ के बल्लेबाज तथा दांये हाथ के गेंदबाज हैं लेकिन वे बांये हाथ से लिखते हैं।

सचिन खिलाड़ी ने पुरुषों की गोला फेंक इवेंट में जीता सिल्वर मेडल

भारत को झोली में आया 21वां पदक

नयी दिल्ली, 4 सितम्बर। भारत को पेरिस पैरालंपिक 2024 के सातवें दिन सचिन खिलाड़ी ने भारत को 21वां मेडल दिलाया। 34 वर्षीय सचिन ने पेरिस पैरालंपिक में डेब्यू पर ही कमाल कर दिया। उन्होंने मेंस शुटपुट 46 इवेंट का सिल्वर मेडल जीत इतिहास रचा है।

फाइनल मुकाबले में कनाडा के डिफेंडिंग चैंपियन ग्रेग स्टीवर्ट के साथ सचिन की कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों ने अपने 6 प्रयासों में कई बाद 16 मीटर की बाधा को पार किया। आखिर में स्टीवर्ट ने गोल्ड मेडल जीता। क्रोएशिया के लुका बेकोविक ने 16.27 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

सचिन ने इससे पहले 2023 और 2024 में दो बार गोल्ड मेडल जीता। साथ ही हांग्जो में एशियाई पैरा खेलों के गोल्ड मेडलिस्ट भी रहे। जिससे पेरिस में उन्हें गोल्ड मेडल का दावेदार माना जा रहा था। सचिन ने अपने दूसरे प्रयास में 16.32 मीटर का रिकॉर्ड बनाया।

महाराष्ट्र के सांगली में जन्में सचिन के बाएं हाथ में हरकत सीमित है। 9 साल की उम्र में साइकिल से गिरने से हाथ में फ्रैक्चर हो गया और बाद में गैंग्रीन की वजह से

उनके हाथ का मूवमेंट प्रभावित हो गया।

सचिन जब कॉलेज में थे तब से ही भाला फेंकना शुरू कर दिया था। बाद में राष्ट्रीय स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीतने। 2019 में उन्हें कंधे में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें जैवलिन थ्रो को छोड़ना पड़ा। कोच सत्य नारायण से बातचीत के बाद उन्होंने शॉट पुट में हाथ आजमाया। अपने मौजूदा कोच अरविंद चव्हाण के मार्गदर्शन में सचिन ने शॉट पुट में कई रिकॉर्ड तोड़े, जिसे बुधवार को पैरालंपिक में सिल्वर मेडल जीतने के साथ नया मुकाम मिला।

हालांकि, सचिन पढ़ाई में अच्छे थे, जिससे उनके पिता उन्हें इंजीनियर बनाना चाहते थे। फिर उन्होंने 2000 के दशक के अंत में इंजीनियरिंग का एंट्रेस एग्जाम पास किया और इसके बाद पुणे के इंदिरा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में दाखिला लिया साथ ही मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री भी हासिल की।

इस बीच सचिन पर कोच अरविंद चव्हाण की नजर पड़ी। जिसके बाद उन्होंने शुरुआत में सचिन को डिस्कस और जेवलिन थ्रो में ट्रेन किया और इस युवा खिलाड़ी ने 2012 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी स्टेड चैंपियनशिप में जेवलिन थ्रो में 60 मीटर की थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता।

2013 में यूपीएससी और महाराष्ट्र राज्य परीक्षाओं की तैयारी कनरे के कारण सचिन ने खेलों से 3 साल का ब्रेक ले लिया। यूपीएससी की तैयारी के दौरान, उन्हें रियो पैरालंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया के बारे में पढ़ा और पैरा स्पर्धाओं में भाग लेने का फैसला किया। 2016 में अपनी श्रेणी के लिए वर्गीकृत होने के बाद, उन्होंने 2017 में जयपुर में पैरा नेशनल्स में 58.47 मीटर के थ्रो के साथ भाला फेंक में गोल्ड मेडल जीता।

लेकिन फिर एक वक्त आया जब महाराष्ट्र में सूखे के कारण सचिन के परिवार को भारी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा था। सचिन को कुछ समय के लिए एक कोचिंग में पढ़ाना शुरू किया। जेवलिन थ्रो में एफ46 श्रेणी में राष्ट्रीय चैंपियन बनने के बाद कंधे में चोट लगने के बाद सचिन ने इस खेल को छोड़ने के बारे में सोचा। जिसके बाद कोच सत्य नारायण के एक कॉल ने उन्हें शॉटपुट में प्रतिस्पर्धा करने का फैसला करने में मदद की और महाराष्ट्र के इस एथलीट ने उसी साल ट्यूनीशिया में विश्व पैरा ग्रैंड प्रिक्स में गोल्ड पदक जीता।

पुणे में हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप आज से

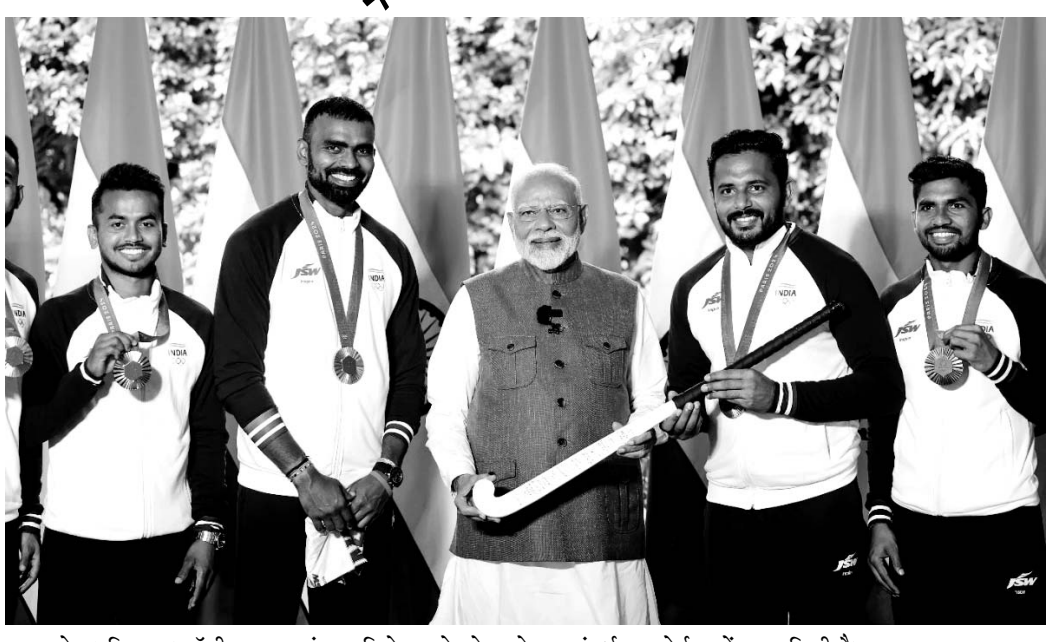

पुणे, 4 सितम्बर। हॉकी महाराष्ट्र पांच से 15 सितंबर तक हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप के चौथे सत्र की मेजबानी करेगा। प्रतियोगिता में 18 टीम हिस्सा लेंगी जिन्हें चार पूल में विभाजित किया गया है। यह 10 दिवसीय टूर्नामेंट पुणे के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खेला जाएगा जो बेंगलुरू और नयी दिल्ली के बाद प्रतियोगिता की मेजबानी करने वाला तीसरा शहर होगा। प्रतिभागियों में दो बार का विजेता और गत चैंपियन पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) तथा 2022 का विजेता रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) भी शामिल है।

प्रत्येक पूल में चार टीमें शामिल होंगी जिसमें से शीर्ष दो टीम अंतिम आठ में जगह बनाएंगी। पूल ए में पीएसपीबी को आईटीबीपी केंद्रीय हॉकी टीम, भारतीय खेल प्राधिकरण, केंद्रीय सिविल सेवा संस्कृति और खेल तथा केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के साथ रखा गया है। आरएसपीबी, अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड, गुजरात खेल प्राधिकरण, हॉकी अकादमी और स्टील प्लांट्स खेल बोर्ड को पूल बी में जगह मिली है।

पूल सी में सेना खेल नियंत्रण बोर्ड होगा, भारतीय खाद्य निगम, सशस्त्र सीमा बल और तमिलनाडु पुलिस जबकि पूल डी में पंजाब नेशनल बैंक, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की टीमें शामिल होंगी। पहला मैच गुरुवार को स्टील प्लांट्स खेल बोर्ड और अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड के बीच खेला जाएगा।

पेरिस पैरालंपिकः परमजीत पावरलिफ्टिंग मुकाबले में हारे

पेरिस, 4 सितंबर। भारतीय पैरा एथलीट परमजीत कुमार को बुधवार को पावरलिफ्टिंग 49 किलोग्राम वर्ग के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। आज यहां हुए मुकाबले में पैरा एथलीट परमजीत कुमार 150 किलोग्राम के सर्वश्रेष्ठ भार उठाने के साथ आठवें स्थान पर रहे।

अजीत ने भाला फेंक स्पर्धा में रजत और सुंदर ने कांस्य पदक जीता

पेरिस, 4 सितंबर। भारतीय एथलीट अजीत सिंह ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पेरिस पैरालंपिक की भाला फेंक एफ46 वर्ग की स्पर्धा में रजत पदक और हमवतन सुंदर सिंह गुजर ने कांस्य पदक जीता। मंगलवार देर रात हुये मुकाबले में अजीत सिंह ने 65.62 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। स्पर्धा के दौरान सुंदर सिंह गुर्जर 64.96 मीटर के अपने चौथे थ्रो के बाद दूसरे स्थान पर थे।

पैरा साइकिलिंग में अरशद 11वें और ज्योति 16वें स्थान पर रही

पेरिस, 4 सितंबर। भारतीय पुरुष और महिला पैरा साइकिल चालक बुधवार को हुई स्पर्धाओं में क्रमशः 11वें और 16वें स्थान पर रहे। पैरासाइक्लिंग पुरुष सी2 व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में अरशद शेख पोडियम फिनिश से चूक गए। टाइम ट्रायल राउंड में अरशद 25:20.11 के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे। वहीं महिला पैरा साइकिलिंग सी1-3 व्यक्तिगत टाइम ट्रायल फाइनल में ज्योति गडेरिया ने किया निराशा। ज्योति ने 30:00.16 के समय के साथ 14.1 किलोमीटर की दूरी तय करके 16वां स्थान हासिल किया। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में ज्योति का सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। वह सात सितंबर को होने वाली सी1-3 रोड रेस में हिस्सा लेंगी।

जायसवाल ने कहा, रोहित से आप विकेट और स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी में बदलाव करना सीख सकते हैं

बेंगलुरू, 4 सितम्बर। यशस्वी जायसवाल को लगता है कि टेस्ट करियर में नई ऊंचाइयों को छूने की उनकी उम्मीदें कप्तान रोहित शर्मा के साथ बल्लेबाजी पर टिकी हैं और उन्होंने इस अनुभव को बेहद शिक्षाप्रद बताया। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ पदार्पण करने वाले जायसवाल ने रोहित के साथ नौ टेस्ट मैच खेले हैं और अपने कप्तान के साथ शीर्ष क्रम में सफल जोड़ी बना चुके हैं तथा कई शतकीय साझेदारियां कर चुके हैं। दलीप ट्रॉफी की पूर्व संध्या पर जायसवाल ने कहा, "जब भी मैं उनके साथ बल्लेबाजी करने जाता हूं तो यह अविश्वसनीय अनुभव होता है। उन्होंने अपने अनुभव मेरे साथ साझा करते हैं। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह खेल को नियंत्रित करते हैं और विकेट को समझते हैं, वह बिलकुल सटीक होता है और उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है।"

उन्होंने कहा, "आप उनसे तेज गेंदबाजी या स्पिन के अनुकूल विकेट के हिसाब से अपनी बल्लेबाजी में बदलाव करने या एक या दो विकेट गिरने पर अपनी बल्लेबाजी बदलने जैसी चीजें सीख सकते हैं।" शीर्ष स्तर के क्रिकेट में एक साल पूरा करने वाले जायसवाल ने कहा कि पिछले 12 महीनों में वह अपने खेल के बारे में काफी जागरूक हो गए हैं। उन्होंने कहा, "अब मैं बहुत सारे परिदृश्य देख सकता हूं और टीम के लिए अपने खेल को बदल सकता हूं और परिस्थितियों को पढ़ सकता हूं। मुझे लगता है कि पिछले एक साल में ये मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है। जब मैं घरेलू क्रिकेट खेल रहा था, तो मुझे कई चीजों के बारे में पता नहीं था।"

जायसवाल ने कहा, "लेकिन जब से मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना शुरू किया है, संवाद और खेल को पढ़ने की समझ में बहुत सुधार हुआ है। मैं बस सीखना जारी रखना चाहता हूं। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि नए मुख्य कोच गौतम गंभीर खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को अपना स्वाभाविक खेल दिखाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, "हां, मैंने श्रीलंका श्रृंखला के दौरान उनसे बात की थी। उन्होंने वास्तव में हमारा समर्थन करते हुए कहा कि बस मैदान में जाओ और खुलकर खेलो और खेल का आनंद लो और हम तुम्हारे साथ रहेंगे। इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलता है और हमें निडर होकर खेलने में मदद मिलती है।" बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि वह बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला से पहले अपने कौशल को निखारने के लिए दलीप ट्रॉफी का इस्तेमाल एक ट्रेनिंग मंच के रूप में करना चाहते हैं। "अब मैं बहुत सारे परिदृश्य देख सकता

बीसीसीआई दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के बाद टेस्ट टीम की घोषणा कर सकती है

नयी दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पांच से आठ सितंबर तक बेंगलुरु और अनंतपुर में खेली जाने वाली दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के बाद बंगलादेश के साथ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा कर सकता है। भारतीय टेस्ट टीम का अभ्यास सत्र चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में 12 सितंबर से शुरू होगा। भारत और बंगलादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला की शुरुआत 19 सितंबर से होगी। बंगलादेश का अभ्यास सत्र चेपॉक पर ही 15 सितंबर से शुरू होगा।

दलीप ट्रॉफी में शुभमन गिल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, कुलदीप यादव, आकाश दीप, यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत, मुकेश कुमार, श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह और केएस भरत समेत अन्य खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। इनके अलावा कई और ऐसे खिलाड़ी हैं जो दलीप ट्रॉफी के प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में आने की अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इनमें देवदत्त पड़िक्कल, रजत पाटीदार, यश दयाल, बी साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारत बंगलादेश के खिलाफ दो मैचों के साथ अपने लंबे टेस्ट सत्र की शुरुआत के लिए तैयार है यह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 का हिस्सा है। चेन्नई में पहला और कानपुर में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद भारत और बंगलादेश तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलेंगे। इसके बाद भारतीय टीम पांच सफेद गेंद मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के साथ तीन टेस्ट खेलेगी और साल के आखिर में पांच टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी।

आईपीएल में सालों बाद राहुल द्रविड़ की वापसी, राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच बने

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ की सालों बाद आईपीएल में वापसी हो गई है। दरअसल, राहुल द्रविड़ को राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच बने हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक द्रविड़ को आईपीएल 2025 से पहले टीम का कोच बना दिया गया है। द्रविड़न ने राजस्थान रॉयल्स के साथ एक डील साइन की है। द्रविड़ अपने आईपीएल करियर के दौरान राजस्थान टीम के कप्तान रह चुके हैं। इसके बाद वह टीम के मेंटर भी रहे।

क्रिकइंफो की एक खबर के मुताबिक राजस्थान ने द्रविड़ को हेड कोच बनाया है। उन्होंने राजस्थान के साथ एक डील साइन की है। द्रविड़ हेड कोच बनने के बाद मेगा ऑक्शन के दौरान अहम भूमिका निभाएंगे। उनका टीम के साथ काफी अच्छा रिश्ता रहा है। कप्तान संजू सैमसन भी द्रविड़ के काफी करीब रहे हैं।

बता दें कि, राहुल द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के मेंटर भी रहे हैं। उनका आईपीएल करियर भी शानदार रहा है। वे आईपीएल 2012 और

2013 में राजस्थान टीम के कप्तान भी रहे। इसके बाद दो साल और जुड़े रहे। इसके बाद 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स के साथ जुड़ गए।

मोदी ने दीप्ति, अजीत, सुंदर, शरद और मरियप्पन को पदक जीतने पर दी बधाई

नयी दिल्ली, 4 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस पैरालंपिक की विभिन्न स्पर्धाओ में पदक जीतने वाले भारतीय एथलीट दीप्ति जीवनजी, अजीत सिंह, सुंदर सिंह गुर्जर, शरद कुमार और मरियप्पन थंगावेलु को बुधवार को बधाई दी।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पैरालिंपिक 2024 में महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर दीप्ति जीवनजी को बधाई। वह असंख्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उनका कौशल और दृढ़ता सराहनीय है।

उन्होंने अन्य पोस्ट श्रृंखला में भाला फेंक स्पर्धा के विजेताओं को बधाई देते हुए कहा, अजीत सिंह की अभूतपूर्व उपलब्धि, उन्होंने पैरालिंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में रजत पदक जीता। खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़ता ने भारत को गौरवान्वित किया है।

उन्होंने पोस्ट किया, सुंदर सिंह गुर्जर का शानदार प्रदर्शन, पैरालिंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतना। उनका समर्पण और जोश लाजवाब है। इस उपलब्धि के लिए बधाई।

प्रधानमंत्री ने ऊंची कूद स्पर्धा के विजेताओं बधाई देते हुए लिखा, शरद कुमार ने पैरालिंपिक 2024 में पुरुषों की ऊंची कूद टी 63 में रजत पदक जीता। निरंतरता और उत्कृष्टता के लिए वह प्रशंसा के पात्र है। उन्हें बधाई। वे पूरे देश को प्रेरित करते हैं।

उन्होंने पोस्ट किया, पुरुषों की ऊंची कूद टी63 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर मरियप्पन थंगावेलु को बधाई।

शरत कमल की निकट भविष्य में संन्यास की योजना नहीं

टूर पर एक और सत्र खेलेंगे

नयी दिल्ली, 4 सितम्बर। भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल के पांचवें ओलंपिक में हिस्सा लेने के बाद संन्यास की योजना बनाने की उम्मीद थी लेकिन 42 साल के इस खिलाड़ी ने बुधवार को पेशेवर टूर पर एक और सत्र में खेलने की प्रतिबद्धता जाहिर की। शरत को बुधवार को एशियाई चैम्पियनशिप की पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया जो अगले महीने अस्ताना में खेली जायेगी। पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक शरत ने पीटीआई से कहा कि वह सात अक्टूबर से शुरू होने वाले एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी हिस्सा लेंगे।

भारत की सर्वश्रेष्ठ 37 रैंकिंग हासिल करने वाले शरत दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने का लक्ष्य भी बनाये हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, "अगले नौ महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। लेकिन साथ ही मैं आईओसी और आईटीटीएफ में विकल्प की तलाश करूंगा। अपने देश में टीटीएफआई के साथ एक ढांचा बनाने में मदद करने की कोशिश करूंगा ताकि साई और टीटीएफआई के

बीच अंतर कम हो सके और खेल में ज्यादा से ज्यादा कोरपोरेट प्रायोजक आयें। "

शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में एथलीट संस्था का भी हिस्सा हैं और निकट भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का लक्ष्य बनाये हैं। उन्होंने 2028 ओलंपिक में हिस्सा लेने की बात खारिज की लेकिन उनके 2026 एशियाई खेलों में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा, "मैं अगले साल एशियाई खेलों पर फैसला लेना चाहूंगा। ओलंपिक के बाद मेरी फिटनेस ठीक है। मुझे थोड़ा समय भी मिला और चेन्नई में यूटीटी (अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग) है। मैं व्यक्तिगत जिंदगी में भी संतुलन बना रहा हूं।

पाकिस्तान की हार पर छलका वसीम अकरम का दर्द

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की हार से हर पाकिस्तान आहात है। बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान की भद्द पिटी है। इस सीरीज को बांग्लादेश ने 2-0 से जीता है। जिसके बाद पाकिस्तान की हार पर पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम का दर्द छलका है। उन्होंने कहा कि उन्हें पाकिस्तान की हार हजम नहीं हो पा रही है। वसीम अकरम का मानना है कि पाकिस्तान अच्छी स्थिति में होने के बावजूद कैसे हार गई। पाकिस्तान ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 6 विकेट सिर्फ 26 रन पर गिरा दिए थे। हालांकि, पाकिस्तान टीम फिर से मौके को भुनाने से चूक गई।

वसीमन अकरम ने एएफपी से कहा कि, ये बहुत बड़ा झटका है और हमारा क्रिकेट दोराहे पर खड़ा है। बतौर पूर्व खिलाड़ी और कप्तान और एक खेल प्रेमी के होने के नाते मैं इस बात से शर्मिंदा हूं कि वे अच्छी स्थिति में होने के बावजूद हार गए। मैं इसे समझ नहीं पा रहा हूं। हम घरेलू मैदान पर लगातार हार रहे हैं और ये हमारे क्रिकेट की क्वालिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। बांग्लादेश ने पहली बार पाकिस्तान से टेस्ट सीरीज जीती है। अकरम का कहना है कि पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में प्रतिभा की कमी है, जिसका काफी असर पड़ा है।

नितेश कुमार ने कहा- प्रमोद भगत की गैरमौजूदगी ने गोल्ड मेडल जीतने की 'अतिरिक्त जिम्मेदारी' दी

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। भारत के बैडमिंटन पुरुष एकल स्वर्ण पदक विजेता नितेश कुमार ने बुधवार को कहा कि पेरिस पैरालंपिक में प्रमोद भगत की अनुपस्थिति ने उन्हें खिताब जीतने की 'अतिरिक्त जिम्मेदारी' दी। पुरुष एकल एसएलसी वर्ग में स्वर्ण जीतने वाले नितेश, तुलसीमति मुरुगेसन (रजत), सुहास यथिराज (रजत), मनीषा रामदास (कांस्य) और नित्या श्री सिवन (कांस्य) को बुधवार को यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के मुख्यालय में युवा मामलों और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया।

नितेश ने कहा कि पैरा खेलों से पहले भगत को 18 महीने के लिए निलंबित किए जाने के बाद उनका मंत्र पैरालंपिक में एक समय में एक मैच पर ध्यान देना था। नितेश ने पीटीआई से खास बातचीत में कहा, "मैंने एक बार में एक मैच पर ध्यान देने के बारे में सोचा, दुनिया के नंबर एक, शीर्ष वरीय के रूप में वहां जाना, मेरे लिए खिताब जीतना एक जिम्मेदारी थी, विशेषकर तब जब प्रमोद पैरालंपिक में भाग लेने में असमर्थ थे।"

उन्होंने कहा, "भारत के लिए जीतना मेरे लिए एक अतिरिक्त जिम्मेदारी थी। फाइनल

में प्रवेश करते हुए मुझे पता था कि यह हम दोनों के लिए मानसिक रूप से कठिन होगा। मुझे उनसे बेहतर होने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का विश्वास था।" खेल मंत्री मांडविया ने देश के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए भारतीय दल की सराहना की और उम्मीद जताई कि खिलाड़ी बाकी बची प्रतियोगिताओं में और पदक जीतेंगे।

उन्होंने कहा, "हम भारत का उत्साह बढ़ाएंगे और आने वाले दिनों में हमारे खिलाड़ी 11 और पदकों के लिए चुनौती पेश करेंगे। मेरा मानना है कि जिस तरह से हमारे खिलाड़ी पैरालंपिक में प्रदर्शन कर रहे हैं, उससे उनका भविष्य उज्ज्वल है।" मांडविया ने कहा, "भारत के पास पैरालंपिक में अब भी 11 और पदक जीतने का मौका है।"

तोक्यो में रजत पदक जीतने के बाद पेरिस में भी उप विजेता रहे सुहास ने जल्द ही संन्यास लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, "रजत पदक जीतना अपने आप में एक चुनौती है। हर खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीतना चाहता है और जब वे नहीं जीत पाते तो निराशा होती है।" सुहास ने अपने संन्यास के बारे में कहा, "जीवन एक यात्रा है और मैं इस पल को जीना चाहता हूं, खेल में अपने भविष्य के बारे में अभी ज्यादा नहीं सोचना चाहता।"

तुलसीमति ने कहा, "मैं रजत पदक से खुश हूं। मुझे लगता है कि मुझे अपने पदक का रंग बदलने के लिए और मेहनत करनी होगी।" मुख्य कोच गौरव खन्ना ने उम्मीद जताई कि अगले पैरालंपिक में भारत के पदकों की संख्या में सुधार होगा। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य आठ से 10 पदक जीतना था लेकिन हमें पांच से ही संतोष करना पड़ा। हमें उम्मीद है कि हम 2028 में अपने लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

नकली नोट छापने की मशीन और 24 लाख रू. के नकली नोटों की खेप पकड़ी

सूरतगढ़ के फ्लैट में छापे जा रहे थे नकली नोट, लैपटॉप, प्रिंटर सहित अन्य सामान भी जब्त

- चंडीगढ़ पुलिस के पांच अधिकारियों ने सूरतगढ़ के फ्लैट में रेड की।
- आरोपियों ने हवाला कारोबार के जरिए ही हरियाणा-पंजाब और राजस्थान के बड़े शहरों में नकली नोट चलाना कबूल किया।

श्रीगंगानगर, 4 सितम्बर निसं)। श्रीगंगानगर में नकली नोट छापने की मशीन के साथ 24 लाख रुपए के नकली नोटों की खेप पकड़ी गई है। चंडीगढ़ पुलिस की स्पैशल टीम ने ये कार्रवाई बुधवार सुबह सूरतगढ़ की ग्रीन वैली कॉलोनी के एक फ्लैट में छापा मारकर की। चंडीगढ़ पुलिस के पांच अधिकारियों ने इस रेड में 24 लाख रुपए के नकली नोटों की खेप पकड़ी है। वहीं नकली नोट बनाने में इस्तेमाल लैपटॉप, प्रिंटर सहित अन्य सामान भी जब्त किया है।

पंचकूला सैक्टर-20 थाने सब इंस्पैक्टर अनिल कुमार ने बताया कि आरोपी यहां से बड़ी संख्या में नकली नोट छापकर कई बड़े शहरों में नोटों की सप्लाई करते थे। वहीं आरोपियों के हवाला कारोबार से भी जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। शुरुआती पूछताछ के दौरान आरोपियों ने हवाला कारोबार के जरिए ही हरियाणा-पंजाब और राजस्थान के बड़े शहर चंडीगढ़, पटियाला, पंचकूला और श्रीगंगानगर में ये नकली नोटों को चलाना कबूल किया है। 1 सितंबर को चंडीगढ़ पुलिस की टीम ने सूरतगढ़ कस्बे के राजियासर थाना इलाके के गांव बीरमाना के रहने वाले रामचंद्र और सुजानगढ़ के रहने वाले जितेन्द्र सिंह को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। दोनों ने पूछताछ के दौरान नोट छापने के इस अड्डे का खुलासा किया था।

पंचकूला (चंडीगढ़) में 3 अगस्त को रोहित भूटानी (45) नाम के एक शख्स ने पुलिस को शिकायत दी थी। रोहित ने पुलिस को बताया कि था कि वो रेडीमेड कपड़ों का कारोबार करता है। 14 जून को जितेन्द्र उर्फ जीतू नाम के एक आदमी ने 2.50 लाख रुपए कपड़ा खरीदा। इसके लिए उसने कैश पेमेंट की थी। रोहित ने बताया कि जब इससे मैंने किसी और को पेमेंट किया तो पता चला कि जितेंद्र से प्राप्त हुई सारी करंसी नकली है। इसके बाद, जब उन्होंने जितेन्द्र से संपर्क करने की कोशिश की तो पाया कि दोनों मोबाइल नंबर बंद थे। इस पर रोहित भूटानी ने पंचकूला थाने में मामला दर्ज करवाया था। इस मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को चंडीगढ़ पुलिस सूरतगढ़ पहुंची थी।

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों के साथ बुधवार को परिवर्तित बजट 2024-25 की घोषणाओं के सम्बंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में मु.मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बजट की घोषणाओं को पूरा करने के संदर्भ में किसी भी स्तर पर कार्यवाही लंबित नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि घोषणाओं को पूरा करने में अगर कोई बाधा आती है तो उन्हें चिन्हित कर उनका त्वरित निस्तारण किया जाये।

बजट घोषणाओं व लक्ष्यों को अधिकारी तय समय में पूरा करें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने परिवर्तित बजट की घोषणाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये

- सरिस्का, रणथम्भौर व घड़ियाल अभ्यारण्य, कोटा के ईको सैंसिटिव ज़ोन का मास्टर प्लान बनेगा।
- कैप्टिव पावर उत्पादन की सीमा 200 प्रतिशत करने तथा खुले बोरवैल रखने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

जयपुर, 4 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समर्पण-निष्ठा के साथ राज्य सरकार की घोषणाओं एवं लक्ष्यों को तय समय में पूरा करें।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 की घोषणाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुड गवर्नैंस का मॉडल स्थापित करके आमजन की सेवा करना राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय है। बजटीय घोषणाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर कार्यवाही लंबित नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सरिस्का, रणथम्भौर एवं कोटा चंबल घड़ियाल अभ्यारण्य को इकोसैंसिटिव ज़ोन में चिन्हित कर मास्टर प्लान बनाने, मेडिकल कॉलेजों में हिन्दी माध्यम से शिक्षा प्रदान करने, ऊर्जा उत्पादन के लिए निजी क्षेत्र को अधिक प्रोत्साहन देते हुए कैप्टिव पावर उत्पादन की सीमा को 200 प्रतिशत करने, स्टेट कैरिज वाहनों के लिए उप नगरीय श्रेणी के 40 नए मार्ग बनाने, जैसी कई बजट घोषणाओं की समीक्षा कर उचित दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने नगरीय विकास विभाग को जयपुर मैट्रो के विस्तार के लिए जॉइन्ट वेंचर कंपनी पर शीघ्र कार्य करने के निर्देश दिए। शर्मा ने वित्त विभाग को स्मार्ट सिस्टम के अंतर्गत ऑटोमेटेड सर्विस डिलिवरी सुविधा शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस सिस्टम के माध्यम से आमजन को 25 सेवाएं 24 घण्टों की सीमा में उपलब्ध करवायी जाएंगी। उन्होंने सफाई कर्मचारियों के लिए आर.जी.एच.एस. के अंतर्गत लंग्स, किडनी एवं स्किन आदि से संबंधित बीमारियों से संबंधित नि:शुल्क विशेष पैकेज शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में औद्योगिक निवेश का अनुकूल माहौल बनाने के लिए कार्य कर रही है। ऊर्जा भण्डारण नीति-2024 एवं नई पर्यटन नीति के साथ-साथ बजट में भी अन्य कई महत्वपूर्ण नीतियों की घोषणा की गई है। जयपुर में 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने जा रहे "राइजिंग राजस्थान" समिट के परिप्रेक्ष्य में इन नीतियों को शीघ्र ही अंतिम रूप प्रदान किया जाए।

मुख्यमंत्री ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को प्रदेश में खुले बोरवेल रखने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खुले बोरवेल से जनहानि का खतरा रहता है। ऐसी कई घटनाएं प्रदेश के कई अंचलों में हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए विभागीय दल नियमित निरीक्षण करें और खुले बोरवेल रखने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। विभागीय शासन सचिव श्री समित शर्मा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि खुले बोरवेल पर निगरानी एवं कार्रवाई करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जा रहा है। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

'होम लोन के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने इंदिरा गांधी नगर में वर्ष 2010 में आवास खरीदा था। एस.बी.बी.जे. बैंक की ओर से उसे 10.69 लाख रुपए का लोन स्वीकृत किया गया। साथ ही, होम लोन के बीमा कवर के रूप में 1.34 लाख रुपए की कटौती की गई। इस दौरान परिवादी को आश्वस्त किया गया कि यदि वह बीमा नहीं चाहेगा तो यह राशि उसे लौटा दी जाएगी। परिवाद में कहा गया कि परिवादी ने जनवरी, 2011 में लोन की पहली किस्त का भुगतान कर दिया। जब परिवादी ने बीमा कवर के रूप में काटी राशि लौटाने को कहा तो उसे बीमा पॉलिसी बॉन्ड की कॉपी भेज दी गई। परिवादी ने बीमा पॉलिसी के संबंध में असहमति जता दी। परिवाद में कहा गया कि बाद में, बीमा कवर के रूप में काटे गए उसके 1.34 लाख रुपए के बजाए 92,941 रुपए ही तीस मई, 2011 को लौटाए गए। इस प्रकार परिवादी से 41,059 रुपए की अवैध रूप से कटौती की गई है।

मामले पर सुनवाई करते हुए आयोग ने काटी गई राशि ब्याज सहित लौटाने के आदेश देते हुए बीमा कंपनी पर हर्जाना लगाया है।

राजस्थान पुलिस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाने से रह गए थे। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों संबंधी स्पष्टीकरण को इन सेवा नियमों में शामिल करने के लिए नियमों में संशोधन के प्रारूप का आज मंत्रिमंडल की बैठक में अनुमोदन किया गया।

जैसलमेर : दलित युवती से पांच युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया

- गैंगरेप के चार आरोपी युवकों को पकड़ा, एक युवक की तलाश जारी।
- युवती बाहरी जिले की है और जैसलमेर में किराये के कमरे में पढ़ाई कर रही है।

जैसलमेर, 4 सितम्बर (निसं)। जैसलमेर के महिला थाना क्षेत्र में एक युवती ने बुधवार को गैंगरेप का मामला दर्ज करवाया है। युवती ने 28 अगस्त की रात पांच युवकों द्वारा उसे जैसलमेर लाकर किसी जगह पर नशा करवाकर उसके साथ रेप करने का आरोप लगाया है। महिला थाने ने दलित युवती के साथ गैंगरेप का मामला दर्ज कर चार आरोपी युवकों को पकड़ लिया गया है, वहीं एक युवक की तलाश जारी है।

महिला अपराध प्रकोष्ठ की ए.एस.पी. प्रियंका कुमावत ने बताया कि युवती बाहरी जिले की है और जैसलमेर में पढ़ाई कर रही है। युवती ने पांच युवकों पर जैसलमेर के किसी गांव से उसे जैसलमेर शहर लाकर नशा करवाकर उसके साथ गैंगरेप करने का आरोप लगाया है। प्रियंका कुमावत ने बताया कि हमने मामला दर्ज कर लिया है और चार युवकों को पकड़ लिया है। एक युवक की तलाश जारी है। ए.एस.पी. राजेश शर्मा इस मामले की जांच कर रहे हैं। प्रियंका कुमावत ने बताया कि युवती जैसलमेर के सदर थाना क्षेत्र के एक गांव में पढ़ाई कर रही है और गांव में ही कमरा किराये पर लेकर अकेली रहती है।

दो सितंबर को युवती नशे की हालत में ग्रामीणों को गांव में मिली थी। उसे सदर थाना पुलिस द्वारा हॉस्पिटल लाकर इलाज करवाया गया। उसे इलाज के बाद सखी केन्द्र में रखा गया। युवती के परिजनों के आने के बाद युवती ने गांव के ही पांच युवकों पर 28 अगस्त को उसके साथ गैंगरेप करने की शिकायत की। परिजनों द्वारा पुलिस को इसकी जानकारी दिये जाने के बाद बुधवार को महिला थाना पुलिस में युवती से गैंगरेप का मामला दर्ज करवाया गया है।

जनता नाखुश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बंगाल की जनता बहुत ज्यादा आक्रोशित एवं आवेशित थी तथा इस निर्णय पर बहुत निराश एवं हताश थी।

सर्वोच्च न्यायालय ने रेप और हत्या के इस केस को कलकत्ता उच्च न्यायालय से स्वप्रेरणा से ही अपने हाथों में लिया था।

चूँकि सर्वोच्च न्यायालय ने इस केस को अपने हाथ में ले लिया था, इसलिए कलकत्ता उच्च न्यायालय में चल रही सुनवाई रोक दी गई। इन परिस्थितिथियों में, केस को आगे के लिए टाल देने का निर्णय बहुत बड़ी एवं गहरी चिन्ता का विषय बन गया है। जिस तरह से इस केस को दबाया या टाला जा रहा है, उसे लेकर लोग गहरी निराशा व्यक्त कर रहे हैं।

जो भी हो, रवीन्द्र नाथ टैगोर लोगों के मुख्य हथियार बने हुए हैं तथा कवीन्द्र रवीन्द्र के बहुत से गीत विरोध-प्रदर्शन के विभिन्न स्थलों पर गूँज रहे हैं। बहुत-से बुद्धिजीवी, अग्रणी अभिनेता तथा अभिनेत्रियाँ अब इन विरोध-प्रदर्शनों का हिस्सा बन गए हैं।

जनसामान्य के झुंड के झुंड डॉक्टरों तथा नर्सों से लेकर पैरा-मेडिकल स्टाफ व अन्य प्रोफेशनल्स के विरोध-प्रदर्शनों से जुड़ते जा रहे हैं।

पेरिस पैरालिंपिक की तीरंदाजी स्पर्धा में हरविंदर सिंह ने गोल्ड मैडल जीत लिया है। पैरालिंपिक के इतिहास में भारत ने पहली बार तीरंदाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। बुधवार को मेन्स इंडिविजुअल रिकर्व ओपन के फाइनल मे 33 वर्षीय हरविंदर ने पोलैण्ड के लुकाज सिजेक को 6-0 से हराया। मौजूदा पैरालिंपिक गेम्स में भारत का ये चौथा गोल्ड मैडल है। हरविंदर के गोल्ड मैडल के साथ ही भारत के पदकों की संख्या अब 22 हो गई है। भारत अब तक 4 गोल्ड, 7 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज़ मैडल जीत चुका है।

दो राज्य, एक संकट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने इन दोनों से निवेदन किया कि बाढ़ से हुई तबाही को प्राकृतिक आपदा के रूप में लिया जाये। केन्द्र ने तुरन्त सक्रिय होते हुये, लोगों को बचाने हेतु 10 एन.डी.आर.एफ. टीमें, 40 पॉवर वोट तथा 6 हेलिकॉप्टर उपलब्ध करा दिये। और अब पड़ोसी राज्य तेलंगाना की स्थिति कभी नायडू के शिष्य एवं सहकर्मी रहे, कांग्रेस नेता तथा राज्य के मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी ने नायडू से मदद का अनुरोध करते हुये कहा कि उन स्थानों पर राहत-सामग्री भेजें, जहाँ तेलंगाना प्रशासन नहीं पहुँच सकता तथा मुख्यमंत्री स्वयं राज्य में बचाव कार्य तथा राहत की कार्यवाही के निरीक्षण के लिये निकल पड़े।

वारंगल के लिये रवाना हुये मुख्यमंत्री रेड्डी ने केन्द्र सरकार से इस भंयकर बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का अनुरोध किया। तेलंगाना में बाढ़ के कारण, अभी तक 16 लोग मर चुके हैं तथा सैंकड़ों लोग बेघर हो गये हैं। 2 सितम्बर को सुबह-सुबह ही सड़क मार्ग से बाढ़ प्रभावित वारंगल के लिये रवाना होने से पहले, रैवन्त रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पुलिस बटालियनों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण उपलब्ध करायें तथा कुछ प्रशिक्षण डी.डी.आर.एफ. को भी उपलब्ध करायें।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनिल सरसावन और उदयपुर के पर्यावरण वैज्ञानिक एवं सेवानिवृत्त सहायक वन संरक्षक डॉ. सतीश शर्मा ने यहां एक अनोखी फंगस की खोज की है। इस फंगस का वैज्ञानिक नाम स्पिरोबोलस जयसुखियेंसिस है, लेकिन स्थानीय लोगों के बीच इसे "गोले दागने वाली फंगस" के नाम से जाना जाता है। डॉ. शर्मा ने बताया कि जब इस फंगस को छुआ जाता है, तो यह छोटे-छोटे काले रंग के गोले यानी बीजाणुओं की तेजी से बरसात करती है, मानो कोई तोप गोले दाग रही हो। यही कारण है कि इसे अंग्रेजी में 'आर्टिलरी फंगस' कहा जाता है। अगर आप सफेद कपड़े पहने हुए इस फंगस को छू लें तो ये गोले आपके कपड़ों पर चिपक जाएंगे और दूर से ही दिखाई देंगे। डॉ. सरसावन और डॉ शर्मा के मुताबिक राजस्थान में इसकी उपस्थिति पहली बार और भारत में दूसरी बार दर्ज की गई है। इससे पहले भारत में इस फंगस की उपस्थिति गुजरात में 2020 में दर्ज की गई थी। मांडलगढ़ के राजपुरा गांव में तालाब के किनारे जमा कचरे में यह फंगस पाई गई। इस शोध को तमिलनाडु से प्रकाशित स्पीशीज जर्नल के 25वें अंक में प्रकाशित किया गया है। डॉ. सरसावन और डॉ. शर्मा के अनुसार इस शोध से यह साफ हो गया है कि जैव विविधता सिर्फ संरक्षित क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है बल्कि हमारे गांवों के खेतों, तालाबों और चरागाहों में भी भरपूर पाई जाती है। हमें इन शामलात संसाधनों के महत्व को समझना होगा और इन पर लगातार शोध करते रहना होगा ताकि कई अज्ञात प्रजातियों को सामने लाया जा सके व संरक्षण किया जा सके।

पायलट ने शहीद हवलदार अनय सिंह की मूर्ति का अनावरण किया

- पायलट ने नाहिड़ा में श्री बाबू महाराज जी के वार्षिक मेले पर आयोजित विशाल किसान सम्मेलन में भी भाग लिया।

महुवा, दौसा, 4 सितम्बर (निस)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने गांव सिकंदरपुर (महुवा, दौसा) में शहीद हवलदार अनय सिंह की मूर्ति का अनावरण किया। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने सचिन पायलट का भव्य स्वागत - सत्कार किया।

यहाँ पर पायलट ने जब लग्ज़री गाड़ी छोड़ ट्रैक्टर की स्टियरिंग थामी तो कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट के समर्थन में नारे लगाए।

ट्रैक्टर के आगे सचिन पायलट का कटआउट भी लगा हुआ था। काफी संख्या में लोग उनके साथ सैल्फी लेने का प्रयास कर रहे थे। इस अवसर पर पायलट ने कहा, "पेपर लीक की जांच आखिरी तह तक पहुंचनी चाहिए। मैने शुरु में ही कहा था कि आर.पी.एस.सी. को पुनर्जीवित करना पड़ेगा। इस मामले का पूरी तरह खुलासा होना चाहिए। चाहे बड़ा से बड़ा कोई भी व्यक्ति हो, उसका नाम सामने आना चाहिए और उसे सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।" इसके अलावा पायलट ने नाहिडा, सिकंदरपुर में आयोजित विशाल किसान सम्मेलन व श्री बाबू महाराज जी के वार्षिक मेले में शिरकत की।

इस अवसर पर सांसद मुरारी लाल मीणा, सांसद भजन लाल जाटव, सांसद संजना जाटव, विधायक मांगी लाल मीणा, विधायक अनिता जाटव, पूर्व विधायक गजराज खटाना, पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, पूर्व जिला प्रमुख अजीत सिंह महुवा एवं बड़ी संख्या में बाबू महाराज के भक्तगण मौजूद थे।

भाजपा मीडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केन्द्र शासित प्रदेश में अगली सरकार भाजपा के नेतृत्व में गठित होगी। माधव ने कहा, "यह एक ऐतिहासिक चुनाव होगा।"

वायनाड पीड़ितों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वायनाड से सांसद भी रह चुके हैं। वायनाड की त्रासदी के लिए अपनी तनख्वाह दान करने को लेकर राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा, "वायनाड में हमारे भाई-बहनों ने एक बहुत बड़ी त्रासदी का सामना किया है और उन्हें हमारे समर्थन की जरूरत है ताकि वे अपने नुकसान से उबर सकें। मैंने अपने एक महीने की तनख्वाह बाढ़ पीड़ितों के राहत और पुनर्वास के लिए दान कर दी है। मैं सभी भारतीयों से गुजारिश करता हूं कि जितना हो सके मदद करें क्यों हर छोटी मदद मायने रखती है।" आपको बता दें कि गत वायनाड में हुये भूस्खलन और बाढ़ की चपेट में आने से करीब 240 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने वायनाड के पुनर्निर्माण के लिए लोगों से कांग्रेस केरल के फंड में योगदान देने की अपील भी की। राहुल गांधी ने कहा, "वायनाड हमारे देश का एक खूबसूरत हिस्सा है, और हम सब मिलकर यहां के लोगों की जिंदगी को फिर से पटरी पर ला सकते हैं।"

नायडू आंध्र में भारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे राजनैतिक हलकों में अटकलों का बाज़ार गर्म हो गया है।

तेंलगाना के राजनैतिक विश्लेषकों ने कहा कि चन्द्रबाबू भले ही अपने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए यह कह रहे हो पर तेलगांना में नए सिरे से पार्टी को खड़ा करना भारी चुनौती साबित होगी।

भाजपा व बी.आर.एस. के बीच सांठगांठ की चर्चा इतनी ज्यादा है कि बी.आर.एस. का इससे निकल पाना कठिन हो रहा है। इसके अलावा राज्य में कांग्रेस के पुनर्जीवित होने के बाद तेलंगाना की राजनीति में फिलहाल ना तो भाजपा की जगह है ना ही तेलुगूदेशम की जब से आंध्र का विभाजन हुआ है तब से तेलंगाना में पैर जमाने की तेलुगूदेशम पार्टी की हर कोशिश बुरी तरह फेल हो गई है।

तेलंगाना में 2018 से पूर्व टी.डी.पी. से नेताओं के बाहर जाने का सिलसिला शुरु हुआ था। सबसे पहले तेलंगाना में तेलुगूदेशम के अध्यक्ष एल.रामन्ना ने पार्टी छोड़ी थी और वे बी.आर.एस. में चले गए थे उसके बाद तो कई नेताओं ने तेलुगूदेशम छोड़ दी थी तब के.सी.आर. कहते थे कि वे तेलुगूदेशम को खाली कर देंगे और वास्तव में वही हुआ।

लेकिन आज नायडू फिर से ताकतवर हैं और हैदराबाद नगर निगम चुनाव में वे अपनी ताकत आजमा रहे हैं। यही वजह है कि वे तेलंगाना में अपनी पार्टी को पुन: खड़ा करने की बात कर रहे हैं।

'आर्थिक स्थिति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरीके से रह रहा था, लेकिन वह उसे उसकी जानकारी के बिना ही गलत तरीके से भारत में ले आई। बच्चे के प्रति उसका व्यवहार भी सही नहीं है। इसलिए उसे उसके बच्चे की कस्टडी दिलवाई जाए। इसके विरोध में पत्नी की ओर से कहा गया कि बच्चे की उम्र 7 साल है और वह उसकी अच्छी तरह से देखभाल कर रही है और सबसे करीबी भी है। याचिकाकर्ता का यह आरोप भी गलत है कि उसका बच्चे से अच्छा बर्ताव नहीं है, बच्चा अपनी मां के साथ अच्छी तरह से रह रहा है। इसलिए ऐसा कोई भी कारण नहीं है कि बच्चे की कस्टडी मां से लेकर दुबई में रह रहे पिता को सौंप दी जाए।

खंडपीठ ने मां के पक्ष में फैसला देते हुए बच्चे को मां के साथ ही रहने और पिता को मिलने-जुलने की छूट देते हुए याचिका को निस्तारित कर दिया है।

राहुल ने कश्मीर में प्रचार की शुरुआत मोदी के खिलाफ बड़े ही आक्रामक अंदाज़ में की

राहुल गांधी ने कहा हमने प्रधानमंत्री मोदी को मानसिक रूप से परेशान कर दिया है, उनका आत्मविश्वास ही गायब हो गया है, अब वे सीना तानकर नहीं चलते

- राहुल गांधी ने कहा भाजपा वालों ने पहले कहा कि जाति जनगणना नहीं होगी। अब आर.एस.एस. के लोग कह रहे हैं कि जाति जनगणना सही बात है। पहले उन्होंने कहा कि लेटरल एंट्री से बाहर के लोगों को सरकार में लाएंगे। थोड़ा सा दबाव डाला तो भाजपा बोली ऐसा नहीं होगा। इससे आप यह समझ लीजिए कि नरेंद्र मोदी अब देश की जनता से डरते हैं।

श्रीनगर, 4 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज से जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर तीखा हमला बोला। कांग्रेस लीडर ने कहा कि हमने नरेंद्र मोदी को मानसिक रूप से परेशान कर दिया है। उनका आत्मविश्वास ही गायब हो गया। उन्होंने पहले कहा कि जाति जनगणना नहीं होगी। अब आर.एस.एस. के लोग कह रहे हैं कि यह सही बात है। पहले उन्होंने कहा कि लैटरल एंट्री से बाहर के लोगों को सरकार में लाएंगे। थोड़ा सा दबाव डाला तो भाजपा बोली ऐसा नहीं होगा। आप यह समझ लीजिए कि नरेंद्र मोदी अब देश की जनता से डरते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि थोड़ा ही समय बचा है और हम नरेंद्र मोदी एवं भाजपा को सत्ता से हटा देंगे।

उन्होंने कहा कि पहले नरेंद्र मोदी जी सीना फैला कर आते थे, अब ऐसा नहीं है। पहले बड़े-बड़े भाषण देते थे। अब संसद में जाने से पहले संविधान को सिर पर रखा और फिर अंदर गए। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि एक राज्य से उसका दर्जा छीन लिया गया और यूटी बना दिया। हमने तय किया है कि सबसे पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देना है। आपका धन छीना जा रहा है। आपकी जमीन छीनी जा रही है। आपका पैसा बाहर के लोगों को दिया जा रहा है। सारे ठेके बाहर के लोगों को मिल रहे हैं। हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने का होगा। हम चाहते हैं कि पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और फिर चुनाव हो।

भाजपा ऐसा नहीं चाहती और उनका कहना है कि पहले चुनाव हो फिर राज्य के दर्जे पर बात होगी। हम कहते हैं कि भाजपा चाहे या न चाहे, लेकिन इंडिया अलायंस इतना दबाव डालेगा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देना ही होगा। राहुल ने कहा, हम सभी जानते हैं कि यहां बिजली परियोजनाएं बनाई जा रही हैं। कहा गया कि आपको फ्री में बिजली मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। चुनाव में हम जीतेंगे तो यह काम कर के देंगे। आप देश के लोगों को बिजली दे रहे हो, लेकिन आपकी जेब से ही पैसा भी लिया जा रहा है। पूरे देश में नरेंद्र मोदी ने बेरोजगारी फैलाई है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908